सेठ राम निवास गुप्ता

श्रीमती कविता मल्होत्रा

प्रधान संपादक– कैलाश आदमी

निर्दलीय

अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका

विश्व/राष्ट्रीय शिखर सम्मान (विशेषांक)

उप संपादक : सरिता गर्ग 'सरि'

प्रवासी संपादक : डॉ. सुनीता शर्मा

वर्ष : २० अंक : १२ नई दिल्ली, जून २०२६ मूल्य : १०/- विशेषांक : ५०/-

सृजनधर्मियों के सम्मान समारोह में आपका स्वागत है

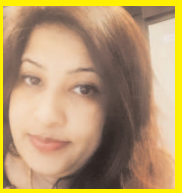

प्रिया भारद्वाज | विनोद कुमार विश्वकर्मा | डॉ. वीर बहादुर महतो | डिल्लीराम शर्मा | राधेश्याम विश्वकर्मा | प्रभात सागर सिंह प्रधान | बाबुराम श्रेष्ठ

बिमला प्रधान जोशी | चंद्रकुमार सचेतक | सुभद्रा बमजन | मुक्तिनाथ शर्मा | एनपीएस निरौला | सावित्री प्रधान | रमेशचंद्र चंसौरिया

केशव चरण दुबे | उषा सक्सेना | श्रीनिवासन अय्यर | सुरेश सोनपुरे 'अजनबी' | कवीशा वर्मा | निशांत शुक्ला | डॉ. जयप्रकाश तिवारी

शोभना खरे | अमर गोस्वामी | डॉ. दिलीप जैन | महेंद्र जैन | शशिकांत गुप्ते | देवेंद्र सिंह राजपूत | महेश दत्त त्रिपाठी

राजकांत मेहता | दीनदयाल तिवारी 'बैताल' | अशोक कुमार गर्ग | सरोज दवे | कमल चंद्रा | डॉ. सिया शरण ज्योतिषी | माधुरी व्यास 'नवपमा'

मीनू पांडे 'नयन' | सुधा दुबे | मंजुला श्रीवास्तव | मेधा अग्रवाल | मनोरमा श्रीवास्तव | मुन्नालाल मिश्रा | डॉ. मीना परिहार

राष्ट्रीय शिखर सम्मान २०२६

राष्ट्रीय ठाकुरदास खुजनेरी अध्यात्म ज्योति शिखर सम्मान

डॉ. प्रसन्न कुमार बंब

डॉ. विद्यासागर उपाध्याय

डॉ. बृजेंद्र कुमार सिंहल

राष्ट्रीय गंगाप्रसाद गुप्ता शिक्षा संवर्धन शिखर सम्मान

याज्ञवल्क्य दुबे

डॉ. लवली कौशल

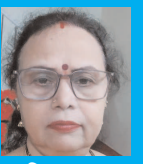
शशि प्रभा शाक्य

राष्ट्रीय गेंदालाल जायसवाल शिक्षा गौरव शिखर सम्मान

मनीषा आवले चौगांवकर

कविता शिरोले

डॉ. जयप्रकाश नागला

राष्ट्रीय सुब्बराव सर्वोदय कीर्ति शिखर सम्मान

अरुण कुमार डनायक

अशोक भारत

प्रमिला राउत

राष्ट्रीय गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता शिखर सम्मान

संजीव ठाकुर

आर सी साहू 'बिम्ब'

राजेंद्र श्रीवास्तव

राष्ट्रीय राजेश मारण बहुमुखी प्रतिभा शिखर सम्मान

जय प्रकाश मानस

पारसनाथ श्रीवास्तव

विवेक पांडे

राष्ट्रीय रामधारी सिंह दिनकर ओजस्विता शिखर सम्मान

डॉ. सुनीता त्रिपाठी

डॉ. राज गोस्वामी

सुरेश जायसवाल

राष्ट्रीय रमेश माहेश्वरी पंथ निरपेक्ष शिखर सम्मान

भागीरथ वर्मा

आचार्य विनोद स्वरूप

डॉ. मधु पाठक 'माझी'

राष्ट्रीय सुभाषचंद्र बोस लेखन-संभाषण शिखर सम्मान

संतोष श्रीवास्तव

मंजू शकुन खरे

भूपेंद्र त्रिपाठी

राष्ट्रीय सुरेंद्रनाथ दुबे शिक्षा संस्कार शिखर सम्मान

सुश्री जैसमिन कौशल

प्रीति कुशवाह

मनोज जैन 'मधुर'

राष्ट्रीय सुंदरलाल बहुगुणा पर्यावरण शिखर सम्मान

मुरली मनोहर शुक्ला

सुनील दुबे

गिता ताई

राष्ट्रीय गोवर्धनदास मेहता साहित्य निर्झर शिखर सम्मान

सरस्वती मल्लिक

उषा प्रारब्ध

आशा लता दुबे

राष्ट्रीय महादेवी वर्मा पुष्पेंद्र कविता शिखर सम्मान

सुरेखा खरे

शुभा वर्मा

यशोधरा भटनागर

राष्ट्रीय भारतेंदु हरिश्चंद्र जनभाषा शिखर सम्मान

हरिकृष्ण हरि

शीला श्रीवास्तव

अरविंद श्रीवास्तव

राष्ट्रीय महर्षि अरविंद योग साधना शिखर सम्मान

अशोक कुमार जैन

चिंतन त्रिवेदी

लीना त्रिवेदी

राष्ट्रीय बालकवि बैरागी विद्यावर्धन शिखर सम्मान

सोनिया नायडू

हरिप्रकाश गुप्ता

साबिरा रानीवाला

राष्ट्रीय हुकुमपालसिंह शिक्षा शिखर सम्मान

रमा निगम

तरुणा चौहान

प्रमिला विनोद चतुर्वेदी

राष्ट्रीय समाज गौरव शिखर सम्मान

डॉ. शशांक झा

जितेंद्र चतुर्वेदी

सुरेश दीपके

राष्ट्रीय आदर्श दंपति शिखर सम्मान

मोहन दीक्षित-गीता कड़वे

समर बहादुर-अर्पणा आर्या

राष्ट्रीय संविधान गरिमा शिखर सम्मान

डॉ. एस सूर्य प्रकाश

रोहित शर्मा

डॉ. शिवकुमार मिश्र

राष्ट्रीय ओप्र चौरसिया संगीत/रंगकर्म शिखर सम्मान

दुर्गा मिश्रा

प्रबुद्ध मिश्रा

धर्मेंद्र कुमार मिश्रा

निर्दलीय प्रकाशन

वार्षिकोत्सव विशेषांक

अंतरंग

स्तंभ	शीर्षक	लेखक/ कवि/समीक्षक	पृष्ठ
वार्षिकोत्सव: सूत्रधार	कैलाश आदमी	प्रिंस अभिशेख अज्ञानी	०४
तिरेपन वर्ष	पाठकों के नाम	कैलाश आदमी	०५-०६
साहित्योत्सव (उद्घाटन)	मुख्य अतिथि/विशेष अतिथि	श्री पीव्ही राजगोपाल, पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर एवं प्रो. सूर्यप्रकाश	०७
--//-- (मुख्य समारोह)	सारस्वत अतिथि	सर्वश्री राजेश जोशी, जय प्रकाश मानस, सेठ रामनिवास एवं श्रीमती कविता मल्होत्रा	०८
व्याख्यान	संत साहित्य की प्रासंगिकता	मुख्य वक्ता डॉ. बृजेंद्र कुमार सिंहल/ अध्यक्ष श्रीमती बिमला प्रधान जोशी	०९
साहित्य सम्मान	अंतरराष्ट्रीय साहित्य सम्मान	डॉ. सुनीता शर्मा, प्रिया भारद्वाज, डॉ. विनोदकुमार विश्वकर्मा एवं शालिक राम काफ्ले	१०
राष्ट्रीय शिखर सम्मान	ठाकुरदास खुजनेरी अध्यात्म शिखर सम्मान	डॉ. प्रसन्न कुमार बंब, डॉ. विद्या सागर उपाध्याय एवं श्री बृजेंद्र कुमार सिंहल	११
--//--	गंगा प्रसाद गुप्ता शिक्षा शिखर सम्मान	श्री याज्ञवल्क्य दुबे, डॉ. लवली कौशल एवं श्रीमती शशि प्रभा शाक्य	१२
--//--	गेंदालाल- ज्ञानवती जायसवाल सम्मान	सुश्री मनीषा आवलेकर, कविता शिरोले एवं डॉ. जयप्रकाश नागला	१३
--//--	सुब्बराव सर्वोदय कीर्ति सम्मान	सर्वश्री अरुण डनायक, अशोक भारत एवं श्रीमती प्रमिला राउत	१४
--//--	गणेश शंकर विद्यार्थी शिखर सम्मान	सर्वश्री संजीव ठाकुर, आरसी साहू 'बिम्ब' एवं राजेंद्र श्रीवास्तव	१५
--//--	राजेश मारण बहुमुखी प्रतिभा सम्मान	श्री जय प्रकाश मानस, डॉ. पारसनाथ श्रीवास्तव एवं श्री विवेक पांडे	१६
--//--	रामधारी सिंह दिनकर शिखर सम्मान	डॉ. सुनीता त्रिपाठी, डॉ. गोस्वामी एवं श्री सुरेश जायसवाल	१७
--//--	रमेश माहेश्वरी शिखर सम्मान	श्री भागीरथ वर्मा, आचार्य विनोद एवं डॉ. मधु पाठक 'मांझी'	१८
--//--	सुभाषचंद्र बोस शिखर सम्मान	श्री संतोष श्रीवास्तव, श्रीमती मंजू शकुन खरे एवं श्री भूपेंद्र त्रिपाठी	१९
--//--	सुरेंद्रनाथ दुबे शिक्षा शिखर सम्मान	कुमारी जैसमिन कौशल, श्रीमती प्रीति कुशवाह एवं श्री मनोज 'मधुर'	२०
--//--	सुंदरलाल बहुगुणा शिखर सम्मान	श्री मुरली मनोहर शुक्ला, श्री सुनील दुबे वृक्षमित्र एवं श्रीमती गिता ताई	२१
--//--	गोवर्धनदास मेहता शिखर सम्मान	श्रीमती सरस्वती मल्लिक, उषा प्रारब्ध एवं आशा लता दुबे	२२
--//--	महादेवी वर्मा पुष्पेंद्र कविता सम्मान	श्रीमती सुरेखा खरे, शुभा वर्मा एवं डॉ. यशोधरा भटनागर	२३
--//--	भारतेंदु हरिश्चंद्र शिखर सम्मान	श्री हरिकृष्ण 'हरि', श्रीमती शीला श्रीवास्तव एवं श्री अरविंद श्रीवास्तव	२४
--//--	महर्षि अरविंद योग साधना शिखर सम्मान	योगाचार्य अशोक कुमार जैन, श्री चिंतन त्रिवेदी व श्रीमती लीना त्रिवेदी	२५
--//--	बाल कवि बैरागी विद्यावर्धन शिखर सम्मान	श्रीमती सोनिया नायडू, श्री हरि प्रकाश गुप्ता एवं श्रीमती साबिरा रानीवाला	२६
--//--	हुकुम पाल सिंह शिक्षा शिखर सम्मान	श्रीमती रमा निगम, तरूणा चौहान एवं प्रमिला विनोद चतुर्वेदी	२७
--//--	राष्ट्रीय समाज गौरव शिखर सम्मान	डॉ. शशांक झा, श्री जितेंद्र चतुर्वेदी एवं श्री सुरेश दीपके	२८
--//--	राष्ट्रीय आदर्श दंपति शिखर सम्मान	श्री मोहन दीक्षित-गीता कडवे, श्री समर बहादुर-अर्पणा आर्या	२९
--//--	संविधान गरिमा शिखर सम्मान	डॉ. एस सूर्य प्रकाश, श्री रोहित शर्मा, डॉ. शिव कुमार मिश्रा 'अलग'	३०
--//--	ओप्र चौरसिया संगीत/रंगकर्म सम्मान	श्रीमती दुर्गा मिश्रा, श्री प्रबुद्ध मिश्रा, श्री धर्मेंद्र कुमार मिश्रा	३१
--//--	संत माधवानंद विशिष्ट गौरव सम्मान	राजकुमार सिकरवार, आशा ताई, कांचन ताई, कुमार युवराज, राजेंद्र चतुर्वेदी, कु. मिहू	३२
--//--	सुरवातायन प्रसून सम्मान	श्री सुरेश पटवा, बी.एल. गोहिया, सुश्री अदिति तिवारी, संजय सोनी एवं आलोक श्रीवास्तव	३३
--//--	विश्व साहित्य सम्मान	श्रीमती प्रिया भारद्वाज, श्री विनोद कुमार विश्वकर्मा, श्री शालिक राम काफ्ले, श्रीमती बिमला प्रधान जोशी, डॉ. वीर बहादुर महतो, श्री डिल्ली राम, श्री राधेश्याम विश्वकर्मा, श्री प्रभात सागर सिंह प्रधान, श्री बाबूराम श्रेष्ठ,श्री चंद्र कुमार सचेतक, सुश्री सुभद्रा बमजन, श्री मुक्तिनाथ शर्मा, श्री एनपीएस निरौला, श्रीमती सावित्री प्रधान, श्री रमेशचंद्र चंसौरिया, श्री केशव चरण दुबे, श्रीमती उषा सक्सेना, श्री श्रीनिवास अय्यर, श्री सुरेश सोनपुरे अजनबी, सुश्री कवीशा वर्मा, श्री निशांत शुक्ला, डॉ. जयप्रकाश तिवारी, श्रीमती शोभना खरे, श्री अमर गोस्वामी, डॉ. दिलीप जैन, श्री महेंद्र जैन, श्री शशिकांत गुप्ते, श्री देवेंद्र सिंह राजपूत पटेल, श्री महेश दत्त त्रिपाठी, श्री राजकांत महता, श्री दीनदयाल तिवारी विशाल, श्री अशोक कुमार गर्ग, श्रीमती सरोज दवे, श्रीमती कमल चंद्रा, डॉ. सिया शरण ज्योतिषी, सुश्री माधुरी व्यास, डॉ. मीनू पांडे 'नयन', श्रीमती सुधा दुबे, मंजुला श्रीवास्तव, मेधा अग्रवाल, मनोरमा श्रीवास्तव, श्री मुन्नालाल मिश्रा, डॉ. मीना कुमारी परिहार एवं श्री चंद्रप्रकाश गुरु	३४-३६

अंतर्राष्ट्रीय मासिक पत्रिका निर्दलीय

संरक्षक/सलाहकार मेघा पाटकर, डॉ. पवन कुमार जैन, सोहनराज तातेड, सेठ रामनिवास गुप्ता, कविता मल्होत्रा, मधुवाला पांडे, डॉ. त्रिभुवननाथ दुबे

कार्यकारी संपादक - प्रिय अभिषेक (प्रिंस अभिशेख अज्ञानी) ९८२६४२२८२० *प्रबंध सम्पादक- अशोक 'निर्मल'

मूल्य 10 रुपये/ विशेषांक 50/- वार्षिक 600/- पंजीकृत डाक 1100/- शुल्क फोन पे/जी पे 9424443401 QR CODE द्वारा या निर्दलीय (nirdaliya) के SBI मुख्य शाखा भोपाल खाता क्रमांक 30030303507 (IFSC code sbin0001308)

अथवा निर्दलीय प्रकाशन के यूनियन बैंक (महाराण प्रताप नगर जोन-2 भोपाल) के खाता क्रं। 101211010000060 में जमा कर सकते हैं।

(RNI regn. DELHI/2006/19211) ईमेल nirdaliyadaily@gmail.com ई पेपर nirdaliya.com

भोपाल कार्यालय/संपर्क: निर्दलीय प्रकाशन-एफ११६/७ शिवाजी नगर, भोपाल ४६२०१६ दूरसंपर्क०७५५ -२७७२४०६

स्वामी,मुद्रक-प्रकाशक-संपादक-कैलाश श्रीवास्तव 'आदमी' (9424443401/8839797448) द्वारा निर्दलीस प्रेस, भोपाल से मुद्रित, राघव भवन सी 6/72 दयालपुर), दिल्ली 110 090 से प्रकाशित।

मध्यप्रदेश के जिला गुना की सबसे बड़ी तहसील अशोक नगर (अब जिला) के ग्राम डुंगासरा जागीर में संत श्री माधवलाल जी माधवानंद एवं श्रीमती दाखाबाई के घर जन्मे श्री कैलाश श्रीवास्तव की प्रारंभिक शिक्षा ग्राम डुंगासरा और नजदीकी ग्राम नई सराय (अब तहसील)में हुई। तत्पश्चात उन्होंने अशोक नगर से हाई स्कूल एवं इंटरमीडियट परीक्षाएं उत्तीर्ण की। शासकीय महाविद्यालय गुना से अंग्रेजी साहित्य एवं हिंदी साहित्य विषय लेकर स्नातक तथा शासकीय हमीदिया कला, विधि एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल से विधि स्नातक और इसके उपरांत भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) नई दिल्ली से संपादन पत्रोपाधि अर्जित की। बाद में वे संस्थान के भोपाल स्थित केंद्र में परीक्षा प्रभारी एवं समन्वयक भी रहे।

अनुभव: दैनिक वीर अर्जुन (नई दिल्ली) के प्रदेश ब्यूरो प्रमुख, दैनिक जागरण के साहित्य संपादक एवं विशेष संवाददाता, दैनिक भास्कर(भोपाल) के सिटी डेस्क प्रमुख एवं विधानसभा संवाददाता और जबलपुर संस्करण के ब्यूरो प्रमुख रहने के पूर्व एम.पी. क्रॉनिकल व इंडियन एक्सप्रेस के संपादकीय विभागों में रहे। निर्दलीय प्रकाशन से देश विदेश के २५० कवियों- साहित्यकारों- लेखकों की बहुभाषी पुस्तकों का लाभ हानि के आधार पर प्रकाशन तथा शताधिक पुस्तकों की भूमिकाएं लिखी, समीक्षाएं की एवं संपादन किया।

संप्रति: निर्दलीय प्रकाशन के दैनिक निर्दलीय व साप्ताहिक निर्दलीय के संस्थापक संपादक और त्रैमासिक स्कूल शिक्षा पत्रिका के प्रधान संपादक एवं मासिक निर्दलीय (नई दिल्ली) के प्रकाशक व संपादक हैं। वे आचार्य कुल के राष्ट्रीय संरक्षक रहे हैं तथा वर्तमान में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, भारतीय लेखक संघ (नई दिल्ली) म.प्र. लेखक संघ, प्रभात साहित्य परिषद व कला मंदिर भोपाल के आजीवन सदस्य हैं। वे भारतीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। श्री आदमी की आयु के ७५वर्ष पूर्ण होने पर प्रभात साहित्य परिषद ने भोपाल में अमृत महोत्सव २०१९ आयोजित किया।

साहित्यिक अनुष्ठान: वर्ष १९६७-६८ में सर्वश्री सनत कुमार सिंघल, जीवनलाल वर्मा विद्रोही एवं मधु जैमन सहित भोपाल के तत्कालीन प्रमुख साहित्यकारों से मिलकर नवोदित साहित्य परिषद की स्थापना की। संस्था के महासचिव रहते हुए राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह दिनकर के सम्मान में तत्कालीन मंत्री श्री बालकवि बैरागी के निवास पर काव्य गोष्ठी आयोजित कर श्री बैरागी के आग्रह पर उसका सफल संचालन श्री आदमी ने किया जिसमें सर्वश्री दुष्यंत कुमार त्यागी, प्रभु दयालु अग्निहोत्री, चंद्रप्रकाश वर्मा, जीवनलाल वर्मा विद्रोही, भीष्मसिंह चौहान, सनत कुमार सिंघल, राजेन्द्र अनुरागी, बटुक चतुर्वेदी, सतीश चतुर्वेदी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। श्री दिनकर ने नवोदित साहित्य परिषद का संरक्षकत्व स्वीकार करते हुए अपनी पुस्तक भी उन्हें भेंट की।

सामाजिक क्रियाकलाप: प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. ब्रम्हदेव शर्मा के मार्गदर्शन में भारत जन आंदोलन के माध्यम से पत्रकारिता जीवन के दौरान ही मानवाधिकार आंदोलनों को न केवल समर्थन दिया बल्कि सक्रिय भागीदारी भी की तथा श्रमिक नेता साथी शंकर गुहा नियोगी एवं उनके द्वारा स्थापित छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा से अनवरत जुड़े रहे। डा. शर्मा जीवनभर निर्दलीय प्रकाशन के सलाहकार भी रहे। नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेत्री मेधा पाटकर से भी संघर्ष के दौरान पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ जुड़ाव तथा आज तक जुड़े हुए हैं। शांति सेना समिति के अध्यक्ष श्री चतुर्भज पाठक ने उन्हें तरुण शांति सेना संगठक तथा जय प्रकाशजी के निर्देश पर सर्वसेवासंघ महामंत्री श्री ठाकुरदास बंग ने १९७२ में भोपाल में हुए संघ के अधिवेशन के प्रचार विभाग का प्रमुख तथा भोपाल सर्वोदय मंडल के गठन हेतु प्रभारी नियुक्त किया। वे १९६८ में सर्वोदय से जुड़े थे।

स्वरचित कृतियां: १.आदमी के गीत (वर्ष २०११) जिसके आमुखकर्ता गांधी शांति प्रतिष्ठान (युवा विभाग प्रमुख) से.न. सुब्बराव जी के अलावा श्री प्रभु दयाल मिश्र, अगस्त्य वैदिक संस्थान, डॉ हुकुमपाल सिंह विकल और डॉ युगेश शर्मा ने शुभाशीष प्रदान किया। २. शांति के पद चिह्न (२०१९-२०) विश्व शांति पदयात्रा पर केंद्रित। संपादित कृतियां: गीता तत्व दर्शन (ब्रम्हलीन संत माधवानंदकृत हिन्दी पद्य भावानुवाद, भाष्य व टीका वर्ष २०१२, भोपाल का सच (भोपाल गैस त्रासदी पर हिन्दी-अंग्रेजी में) वर्ष १९८३, माधवानंद भजनावली (१९७९) और रिश्तों की महक (साझा संकलन)।

विशेष: १. पिता संत माधवानंद जी भूमिगत स्वाधीनता सैनानी रहे तथा तप साधना एवं कृषि कार्य में संलग्न रहे, २. क्रांतिकारी लेखक संपादक एवं विचारक श्री शैलेंद्र शैली द्वारा संपादित राग भोपाली श्री आदमी की ७५वीं वर्षगांठ पर केंद्रित रही, ३. श्री जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में श्री सुब्बराव, महावीर सिंह, गुरु शरण, हेमदेव शर्मा एवं चतुर्भुज पाठक के साथ मिलकर चंबल एवं विध्य क्षेत्र के बागियों के आत्मसमर्पण की तैयारी में हाथ बटाया, ४. एकता परिषद के प्रमुख श्री राजगोपाल पी.व्ही. प्रणीत दिल्ली से जिनेवा विश्व शांति पदयात्रा में भाग लिया तथा 'शांति के पदचिह्न' पुस्तक का लेखन, संपादन और प्रकाशन किया।

-प्रिंस अभिशेख अज्ञानी, संपादक

५३ वर्ष/पाठकों के नाम

संत माधवानंदजी

श्रीमती दाखाबाई

प्रिय मित्र,

निर्दलीय प्रकाशन की स्थापना वर्ष १९७३ के जुलाई माह के प्रथम रविवार को हुई। यह प्रकाशन पांच जुलाई २०२६ को अपनी स्थापना के ५३ वर्ष पूर्ण कर रहा है। प्रकाशन अपने आप में एक जीवंत इतिहास और खुशनुमा अतीत समेटे हुए है। इसे लेकर संस्थापक संपादक के नाते मेरी खुशी का कोई ओर छोर नहीं किंतु ऐसे समय मैं यह कैसे भूल सकता हूं कि मेरे पिताश्री संत माधवानंदजी ने इसकी नींव मप्र के गुना जिला मुख्यालय में वर्ष १९६६ में ही डाल दी थी। दरअसल मैंने वर्ष १९६२ में अंग्रेजी एवं हिंदी साहित्य विषय लेकर शासकीय महाविद्यालय गुना से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की तब मेरे सहपाठी रहे रमेश भार्गव के पिताश्री से मेरे मुंह बोले चाचाश्री श्रीलालजी भार्गव ने मिलवाते हुए कहा था कि रमेश और कैलाश को वकालत की पढ़ाई पूर्ण करने में तीन साल लगेंगे। इस बीच क्यों ना हम मिलजुल कर एक प्रिंटिंग प्रेस डाल दें ताकि उससे रमेश और कैलाश का खर्चा-पानी चलता रहे। फिर क्या था श्री भार्गव के चौधरी मोहल्ला स्थित भवन में प्रेस स्थापित कर दी गई। तीन वर्ष बाद रमेश भार्गव विधि स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण कर गुना लौटे तो वे वकालत के साथ मेरे पिताश्री माधवानंद जी, चाचाश्री श्रीलाल भार्गव और अपने पिता के साथ प्रेस का संचालन करने लगे। इधर, मैंने भोपाल आकर विधि परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत अपने सहपाठी श्री प्रेम कुमार पाटनी के साथ उनके जीजा श्री शिखरचंद गोधा के कनिष्ठ अधिवक्ता के रूप में वकालत का पेशा अपना लिया किंतु एक वर्ष के भीतर ही मुझे एहसास हो गया कि इस काम में सच के साथ भ्रष्टाचार का भी सहारा लेना पड़ता है। दरअसल श्री गोधा मेरे हाथ में रोज सौ रुपए का एक नोट पकड़ा देते और कहते कि यह राशि पेशकार को देकर मेरे मनमाफिक तारीख ले लिया करो। पेशकार जज साहब के सामने ही कनिष्ठ अधिवक्ताओं के माध्यम से इस तरह की रकम एकत्र किया करते थे। मैंने अपने पिताश्री को साफ कह दिया कि मैं आगे वकालत का काम नहीं करूंगा बल्कि कोई अखबार निकालूंगा। पिताश्री (संत माधवानंद) और मातुश्री (दाखाबाई) ने भी इस हेतु हरी झंडी दे दी। वर्ष १९७२ में मैंने सर्वोदय नेता श्री जयप्रकाश नारायण के भोपाल आगमन पर उनसे समाचार पत्र के लिए शीर्षक के रूप में कोई नाम सुझाने हेतु आग्रह किया तो उन्होंने 'निर्दलीय' नाम सुझाया। मैंने तद्नुरूप भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के समक्ष घोषणा पत्र भी पेश कर दिया तथा मंजूरी मिलने पर वर्ष १९७३ के जुलाई माह से निर्दलीय का प्रकाशन आरंभ हुआ।

निर्दलीय नामकरण के पीछे यह दृष्टि रही कि समाचार पत्र को दलगत राजनीति से दूर रखते हुए पाठकों को साहित्यिक, शैक्षिक और सामाजिक सामग्री मुख्य रूप से परोसी जाना चाहिए ताकि इन विषयों के साथ ही नागरिकों की लोकतंत्र के प्रति आस्था निरंतर दृढ होती रहे किंतु आगे चलकर निर्दलीय का अपना प्रेस न होने की कमी खलने लगी। अस्तु मैंने पिताश्री से निवेदन किया कि यदि गुना में भार्गव परिवार राजी हो तो उस प्रेस को भोपाल स्थानांतरित कर दिया जाए। भार्गव परिवार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी तथा इसके बदले दस हजार रुपए रख लिए। गुना से प्रेस की मशीनरी व अन्य सामग्री भोपाल आने पर मैंने उसका नाम निर्दलीय प्रेस के रूप में पंजीकृत कराते हुए उस समय के दस्यु (बागी) सम्राट माधौ सिंह से संपर्क कर उन्हें उद्घाटन हेतु राजी कर लिया। इसके कुछ ही समय पूर्व श्री माधौ सिंह ने मुरैना जिला के जौरा स्थित गांधी आश्रम परिसर में अन्य दस्युओं के साथ आत्म समर्पण कर दिया था। लिहाजा स्वयं का प्रेस हो जाने से निर्दलीय का स्वरूप पाक्षिक से साप्ताहिक करने में अधिक समय नहीं लगा। इस बीच पाठकों के उत्तरोतर सहयोग के फलस्वरूप हम वर्ष २००६ में नई दिल्ली से मासिक संस्करण तथा वर्ष २०११ में भोपाल से दैनिक संस्करण आरंभ कर सके। बाद में निर्दलीय प्रकाशन के सलाहकार-शिक्षाविद श्री सुरेंद्र नाथ दुबे ने 'स्कूल शिक्षा' पत्रिका का काम सौंप दिया।

खुशी की बात यह है कि हमने जुलाई माह के प्रथम रविवार के दिन स्थापना दिवस को वार्षिकोत्सव के रूप में मनाने का जो सिलसिला शुरू किया था वह आज तक जारी है और आप सभी पाठक एवं अन्य सहयोगी इसके साक्षी बन रहे हैं। लोग मुझसे अब भी पूछते हैं कि अपने समय के सबसे दुर्दांत दो लाख रु. के इनामी दस्यु माधौसिंह ने कैसे 'निर्दलीय'

के प्रेस एवं समाचार पत्र के उद्घाटन की सहमति दे दी। दरअसल चंबल घाटी में दस्युओं या डाकुओं का भी अपना इतिहास रहा है। छठे दशक में जब मानसिंह डाकू का आतंक चरमोत्कर्ष पर था तब के दस्यु गिरोहों ने सर्वोदय संत विनोबा भावे के समक्ष आत्मसर्पण कर दिया किंतु अगले दशक में दस्युओं की संख्या कई गुना हो गई। श्री प्रकाशचंद्र सेठी के मुख्यमंत्री बनते ही जब पुलिस की घेराबंदी बढ़ी तो माधौ सिंह तथा अन्य डाकू सरदारों ने श्री जयप्रकाश नारायण से संपर्क कर आत्मसमर्पण का निश्चय किया। चूंकि मैं उन दिनों पत्रकारिता के साथ सर्वोदय आंदोलन में भी सक्रिय था इसलिए मुझे भी आत्मसमर्पण के पूर्व दस्युओं के बीच कुछ समय रहने का अवसर मिला।

यही नहीं आत्मसमर्पण के बाद मुझे ग्वालियर स्थित केंद्रीय कारागार में रहकर दस्युओं को शांति प्रशिक्षण हेतु चुना गया। चूंकि सभी दस्यु परस्पर बातचीत में गाली गलौज का उपयोग करते थे तथा उनके मित्र उन्हें चोरी छिपे शराब व अन्य नशीले पदार्थ उपलब्ध करा देते थे इसलिए मुझे नित्य उनकी संकल्प सभा लेना पड़ती थी। इसका परिणाम यह हुआ कि कुछ ही दिनों के भीतर बागियों ने संकल्पपूर्वक नशा व व्यसनमुक्त नई जीवनशैली अपनाना आरंभ कर दिया किंतु बागी सरदार माधौसिंह इसके लिए तैयार नहीं था। बाद में जब सभी बागियों को ग्वालियर से भोपाल के समीप नरसिंहगढ़ जेल लाया गया और मैं माधौसिंह से मिला तथा उन्हें 'निर्दलीय प्रेस' का उद्घाटन करने हेतु आमंत्रित किया तो वे सहमत हो गए। मेरे अनुरोध पर मुख्यमंत्री श्री सेठी ने उन्हें एक माह के पेरोल पर रिहाई का आदेश जारी करवा दिया। जब मैं आदेश की प्रति लेकर पुनः बागी सरदार माधौसिंह से मिला तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वे न केवल प्रेस का उद्घाटन करने हेतु राजी हुए बल्कि कहा कि वे नशा करना भी छोड़ देंगे।

लब्बोलुवाब यह कि मैंने वर्ष १९७३ में अपने माता-पिता का आशीर्वाद लेते हुए निर्दलीय प्रकाशन के माध्यम से जो वैचारिक यात्रा शुरू की उसे आप जैसे सुधी पाठकों का संबल न मिलता तो यात्रा अवरूद्ध हो जाती किंतु यह सौद्धेश्य यात्रा आज ५३वें वर्ष में प्रवेश कर गई है जिससे मैं यह कहने की स्थिति में हूं कि यदि संकल्प शुभ है, निर्धारित लक्ष्य लोकहितकारी है तथा मार्ग स्पष्ट है तो सिद्धि या सफलता पाने से कोई नहीं रोक सकता।

अस्तु, निर्दलीय की अनवरत एवं अविरल यात्रा के लिए मैं उसके सलाहकार सह संरक्षक रहे डॉ ब्रह्मदेव शर्मा, सेलम नन्जुण्डय्या सुब्बराव, शंकर गुहा नियोगी, सुरेंद्र नाथ दुबे, सुरेश खांडवेकर, डॉ. हुकुमपालसिंह विकल, गोविंद सिंह असिवाल और युगेश शर्मा जैसे विद्वानों का पुण्य स्मरण करना अपना कर्तव्य मानता हूं। बहन मेधा पाटकर, पूर्व कुलपति सोहनराज तातेड़, ब्रह्मचारिणी प्रवीणा देसाई (पवनार-वर्धा), जनकलाल ठाकुर, पवनकुमार जैन भड़कत्या, सेठ रामनिवास गुप्ता, कविता मल्होत्रा, राजेंद्र शर्मा अक्षर, रमेशसिंह राघव, राजकुमारी चौकसे, अल्काराज अग्रवाल, मधुबाला पांडे, कैलाशचंद्र (केसी) दुबे, अशोक निर्मल, आशा शर्मा आदि मनीषियों के प्रति विशेष रूप से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं जो हमारा आज भी मार्गदर्शन कर रहे हैं वहीं आस्ट्रेलियावासी डॉ. सुनीता शर्मा जैसी विदुषी के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं जो निर्दलीय का परचम ३० देशों में सफलतापूर्वक लहरा रही हैं।

जब निर्दलीय की प्रकाशन यात्रा आरंभ हुई तब मुद्रणकार्य पुरातन तकनीक पर निर्भर था, किंतु समय के साथ परिवर्तन हुआ और यह कार्य चुटकियों के खेल में बदल गया। आज मुद्रित पत्र-पत्रिकाओं की तुलना में आभासी समाज माध्यमों विशेषकर कृत्रिम मेधा की ज्यादा चर्चा ज्यादा होने लगी है। सत्ता में बैठे मठाधीश बनावटी खबरें और बिकी हुई खबरें परोसने में सक्षम हो गए हैं। इसे मोदी मीडिया और गोदी मीडिया जैसे संबोधन दिए जाने लगे हैं जो विचारणीय है। चूंकि निर्दलीय का प्रकाशन चुनिंदा उसूलों को लेकर आरंभ हुआ इसलिए यह न कभी बिका न झुका बल्कि आप सबके सहयोग से सिर और सीना ताने खड़ा है। हमारे घोषित एवं क्रियान्वयनकारी उसूलों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, देशी व मातृभाषा, समान शिक्षा और जाति-संप्रदायमुक्ति प्रमुख हैं। निर्दलीय को मेरे माता-पिता ने अपने खून-पसीने से सींचा वहीं मेरी पत्नी स्नेह प्रवीण, बेटियों विजय एवं आस्था और बेटा प्रिंस अभिशेख अज्ञानी ने इसे पल्लिवित-पुष्पित किया और आप जैसे सुधी पाठक इसकी आवाज बन गए जिसके लिए मैं सदैव आपका ऋणी रहूंगा। पाठकों के सहयोग से ही हमने वर्ष २०२५-२६ में नया सोच, नई अभिव्यक्ति, भाषाई सौहार्द, ढाई आखर प्रेम के, शिक्षा नीति, पर्यावरण, विश्व शांति, सर्वधर्म समभाव, बासंती उल्लास, फुर्सत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विशेषांक निकाले। विश्वास है कि पाठकों का सहयोग हमें उत्तरोत्तर मिलता रहेगा। अंत में, मैं बिस्मिल की ऐ पंक्तियां दोहराना चाहूंगा-

दूर रह पाए जो हमसे दम कहां मंजिल में है।
सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है।

-कैलाश आदमी

श्री राज गोपाल पीवी, मुख्य अतिथि

राजगोपाल का जन्म १९४८ में केरल के थिल्लेनकेरी गाँव में हुआ। वह पाँच भाई-बहनों में चौथी संतान थे। उनका पूरा नाम राजगोपाल पुथन वीटिल है। उन्होंने सेवा मंदिर विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की और महाराष्ट्र स्थित गांधी आश्रम (सेवाग्राम) से कृषि अभियांत्रिकी की पढ़ाई पूरी की। वे गांधी शांति प्रतिष्ठान के पूर्व उपाध्यक्ष तथा एकता परिषद के अध्यक्ष और संस्थापक हैं। २००१ से वे कनाडाई सामाजिक कार्यकर्ता जिल कार-हैरिस से विवाहित हैं। उन्होंने १९७२ में, भारत के चंबल क्षेत्र में ५७८ बागियों के समर्पण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। २०१२ में, उन्होंने भूमिहीन श्रमिकों के अधिकारों की मांग को लेकर एक लाख लोगों के साथ दिल्ली कूच किया जिसके परिणामस्वरूप केंद्र सरकार के साथ दस-सूत्री समझौता हुआ। गांधीवादी पदयात्रा के माध्यम से उन्होंने ग्वालियर से दिल्ली तक ३४० किमी के कूच का नेतृत्व किया, ताकि भूमि सुधार और वन अधिकारों पर कार्रवाई हो। जन सत्याग्रह २०१२ में ग्वालियर से शुरू हुआ, जिसमें लगभग ३५,००० लोगों ने भाग लिया। तदंतर भूमि सुधार आयोग की रिपोर्ट जारी हुई। अक्टूबर जन आंदोलन २०१८ में, राजगोपाल ने २५,००० लोगों के साथ ग्वालियर से मुरैना तक मार्च निकाला, जिसमें भूमि अधिकार और आदिवासी अधिकारों की मांग की गई। तत्कालीन मुख्यमंत्री ने भूमि अधिकार समिति बनाई। एकता परिषद ने जय जगत २०२० पहल शुरू की, जिसका उद्देश्य भारत व यूरोप में अहिंसक परिवर्तन के लिए काम कर रहे समूहों के बीच सहयोग बढ़ाना था। तदंतर वैश्विक शांति मार्च (२०१९-२०२०) आयोजित किया जिसमें निर्दलीय प्रकाशन के प्रमुख कैलाश आदमी शरीक थे।

कार्यक्रम के अध्यक्ष

श्री विजयदत्त श्रीधर

विजय दत्त श्रीधर का जन्म मध्य प्रदेश में हुआ। वे माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पूर्व निदेशक हैं और हिंदी राष्ट्रीय दैनिक नवभारत में कार्य कर चुके हैं । वे लगभग २० वर्षों तक मध्य प्रदेश विधानसभा की प्रेस गैलरी समिति के सदस्य भी रहे। श्रीधर ने १९८४ में भोपाल में माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान (माधवराव सप्रे समाचार पत्र एवं अनुसंधान संस्थान) की स्थापना की। यह संस्थान एक छोटे से किराए के स्थान पर शुरू हुआ था, जिसमें उनके शिक्षक रामेश्वर गुरु द्वारा दान की गई ७३ पत्रिकाएँ, समाचार पत्र और आवधिक प्रकाशन थे। वर्षों से यह संस्थान बढ़कर ११,००० वर्ग फुट के विशाल परिसर में १७,००० से अधिक पुस्तकों का संग्रह कर चुका है। इसे कई विश्वविद्यालयों द्वारा पत्रकारिता संबंधी अध्ययनों के लिए एक अनुसंधान केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।

श्री श्रीधर ने चार पुस्तकें लिखी हैं- भारतीय पत्रकारिता कोष (१७८०-१९४७) शब्द सत्ता जो मध्य प्रदेश में पत्रकारिता के १५० वर्षों का ऐतिहासिक वृत्तांत है, और तीसरी पुस्तक, चौथा पड़ाव, जो भोपाल का १००० वर्षों का इतिहास है। उनकी नवीनतम कृति 'पहला संपादकीय' है। उन्हें २०११ में जनसंचार और पत्रकारिता श्रेणी में भारतेंदु हरिश्चंद्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष २०१२ में, भारत सरकार से उन्हें पद्म श्री नागरिक सम्मान मिला ।

विशेष अतिथि — डॉ. एस. सूर्य प्रकाश

प्रो. (डॉ.) एस. सूर्य प्रकाश १ जून २०२३ से नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल के कुलपति के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले वे दामोदरम संजीवय्या नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, विशाखापट्टनम के कुलपति और महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद (महाराष्ट्र) के संस्थापक कुलपति रह चुके हैं। साथ ही वे एनएलआईयू, भोपाल में कानून के प्रोफेसर भी रहे हैं। उन्होंने अपना करियर आंध्र प्रदेश के विजयनगरम स्थित एम.आर.वी.आर.जी.आर. लॉ कॉलेज में लेक्चरर के रूप में शुरू किया। उनके पास ३० वर्ष से अधिक का शैक्षणिक अनुभव है। उन्होंने लेक्चरर, प्रिंसिपल (डीएनआर कॉलेज ऑफ लॉ, भीमावरम, आंध्र प्रदेश), एनयूजेएस कोलकाता में फैकल्टी मेंबर और नांदेड़ लॉ कॉलेज, महाराष्ट्र में प्रिंसिपल के रूप में कार्य किया। वर्ष २००३ में वे एनएलआईयू, भोपाल में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए। वे एक प्रख्यात लेखक भी हैं। उनकी पहली पुस्तक 'बॉडेड लेबर एंड सोशल जस्टिस' (१९९०) दीप एंड दीप पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित हुई, जिसकी भूमिका न्यायमूर्ति एम. जगन्नाधा राव (जो बाद में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश और विधि आयोग के अध्यक्ष बने) ने लिखी। उन्होंने प्रो. एन.आर. माधव मेनन की जीवनी 'टर्निंग पाइंट- द स्टोरी ऑफ ए लॉ टीचर' (२००९) भी लिखी। उनके समसामयिक विषयों पर लेख कानूनी पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। उन्होंने १२० से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत किए।

श्री राजेश जोशी

अग्रणी जनवादी कवि राजेश जोशी १८ जुलाई २०२५ को ८१ वें वर्ष में प्रवेश करेंगे। राजेश जोशी की ख्याति श्रेष्ठ यथार्थवादी कवि के रूप में है। वे यथार्थ के भीतर इस तरह उतरते हैं कि उसे भी पार कर जाते हैं और फिर यथार्थ और समय का नवीन सृजन करते हैं। ध्यान देने योग्य है कि उनकी कविता में यथार्थ की अतिरंजना नहीं है। इसीलिए वह प्रेम गृहस्थी के सामानों और पगार से नहीं अलगाता। वह प्रेम व सौन्दर्य को सामाजिक यथार्थ से जोड़ता है। कविताओं में बचपन की स्मृतियों, स्थितियों व प्रसंगों की बहुलता है। बचपन की स्मृतियों से कवि को ताप मिलता है और उन स्मृतियों से जुड़ी जगहों से भी। भोपाल शहर में कवि पला-बढ़ा, उसकी एक-एक सड़क-गली-चौराहे का उसकी स्मृति में रहना स्वाभाविक है पर कवि शहर का गुणगान ही नहीं करता, शहर का जीवन जब जटिल हो गया, बाजार ने जब शहर की पहचान मिटा दी तो उस पर भी कवि ने टिप्पणी की और वह दिन भी आया, जब कवि के शहर को गैस त्रासदी के कारण जाना जाने लगा। भोपाल गैस त्रासदी पर राजेश जोशी ने अत्यन्त मार्मिक कविताएँ लिखीं।

विशिष्ट अतिथि-श्री जय प्रकाश मानस

जन्म तिथि- २ अक्टूबर, १९६५

शिक्षा- स्नातकोत्तर भाषा विज्ञान, आई.टी.

भाषा- छत्तीसगढ़ी हिन्दी, और उड़िया - तीनों भाषाओं में लिखते हैं।

प्रकाशित कृतियाँ- कविता संग्रह: तभी होती है सुबह, होना ही चाहिए आँगन। ललित निबंध: दोपहर में गाँव, लघुकथा संग्रह: दो कतार पीछे। बाल साहित्य: बाल-गीत, चलो चलें अब झील पर, सब बोले दिन निकला, एक बनेगें नेक बनेंगे, मिलकर दीप जलायें।

लोक साहित्य: लोक-वीथी छत्तीसगढ़ की लोक कथायें (१० भाग), हमारे लोकगीत

भाषा एवं मूल्याँकन: छत्तीसगढी: दो करोड़ लोगों की भाषा, बगर गया वसंत (बाल कवि श्री वसंत पर एकाग्र)।

छत्तीसगढ़ी: कलादास के कलाकारी (व्यंग्य संग्रह)। कई पुस्तकें: शीघ्र प्रकाश्य। कई पत्रिकाओं का संपादन।

एलबम: आडियो एलबम 'तोला बंदौं' (छत्तीसगढी) आडियो एलबम 'जय मां चन्द्रसैनी' (उड़िया) वीडियो एलबम 'घर-घर मां हावय दुर्गा'(छत्तीसगढ़ी)। एक लाख से अधिक राशि वाले ३० प्रतिष्ठित एवं अखिल भारतीय साहित्यिक पुरस्कारों के चयन मंडल के संयोजक। देश की प्रमुख साहित्यिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित ।

संपर्क: एफ-3, आवासीय कॉलोनी, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, पेंशनवाड़ा, रायपुर (छग)

डॉ. कविता मल्होत्रा — सारस्वत अतिथि — सेठ रामनिवास गुप्ता

सकारात्मक लेखन एवं संस्कृति उन्नयन हेतु समर्पित, लेखन और समाज सेवा के लिए दो बार मानद डॉक्टरेट की उपाधि। वात्सल्य ट्रस्ट (भारतीय संस्कृति, साहित्य एवं जीवन मूल्यों को समर्पित संस्था) की संस्थापक। प्रकाशन- मानवता एवं जीवन मूल्यों पर आधारित चौदह पुस्तकें।

सम्मान- इँडो इँटरनेशनल अचीवर्स जर्नी अवार्ड,वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ़ रिकार्ड होल्डर, जापान हिंदी सेवी सम्मान सहित अन्य कई प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत। निवास- नई दिल्ली

हरियाणा के करनाल जिला में ३ दिसंबर १९४६ को जन्मे सेठ रामनिवास गुप्ता के पिता श्री बनवारीलाल कृषक एवं ख्याति प्राप्त व्यवसायी थे। मां श्रीमती चंपा देवी गृहिणी थीं। उनका लालन-पालन दादा श्री गंगाराम की देखरेख में हुआ। उनके ताऊ श्री लक्ष्मणदास ने वर्ष १९४० में दिल्ली के चांदनी चौक में व्यवसाय आरंभ किया। वर्ष १९५३-५४ में बनवारीलाल जी भी दिल्ली आ गए तथा व्यवसाय आरंभ कर दिया जिसमें श्री रामनिवास जुड़ गए किंतु उनकी मुख्य रूचि साहित्य में बनी रही जिसका प्रमाण है उनकी कृति 'भारतीय विरासत के निर्झर'। निवास- पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

जिनकी स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित

संत माधवानंदजी

वर्ष २००६ में हमने नई दिल्ली से 'मासिक निर्दलीय' का आरंभ किया तब हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष प्रा. अक्षय कुमार जैन एवं निर्दलीय प्रकाशन के सलाहकार मंडल के परामर्श से संत साहित्य व्याख्यानमाला आरंभ करने का निश्चय किया गया जिसे वर्ष २००८ में मूर्तरूप दिया जा सका। मप्र सहकारी न्याय अधिकरण के सदस्य श्री प्रभुदयाल मिश्र मुख्य वक्ता रहे। श्री जैन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर तत्कालीन महापौर श्री सुनील सूद, केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी रहे श्री सुरेंद्रनाथ दुबे और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ हुकुमपाल सिंह मंचासीन हुए। अगले वर्ष शहीद भवन में हुए समारोह में पुरातत्व संचालनालय के प्रकाशन अधिकारी एवं मानस विद्वान पं. यमुना नारायण मिश्र, २०१० में शासकीय महाविद्यालय मंडला के भूगोल विभागाध्यक्ष शरद नारायण खरे (श्री महेश नीलकंठ बुच और श्री भागवत रावत विशेष अतिथि), २०११ में उज्जैन के विद्वान पं. गिरीश चौबे (अध्यक्ष श्री राम चाकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, शहडोल), २०१२ में स्वामी आत्म निवेदन सरस्वती (वर्धा), २०१३ में महंत परमेश्वरदास त्यागी (पूर्व मुख्य सचिव श्री शरदचंद्र बेहार मुख्य अतिथि), २०१४ में संत मोहन तीर्थ एवं जसविंदर कौर, २०१५ में स्वामी पुरुषोत्तमानंद (जबलपुर), २०१६ में श्री उमेश कुमार पाठक (सौरोंजी), २०१७ में श्री अखिलेश आर्येन्दु (डॉ हीरालाल श्रीमाली मुख्य अतिथि), २०१८ में श्री नरोत्तम स्वामी (श्री सुब्बराव अध्यक्ष) और २०१९ में श्री सोहनराज तातेड़, पूर्व कुलपति (श्री राजगोपाल पीव्ही अध्यक्ष)। कोरोना महामारी के कारण वर्ष २०२०-२१ में वार्षिकोत्सव नहीं किए जा सके किंतु २०२२ में वार्षिकोत्सव पुनः आरंभ किया जाकर व्याख्यानमाला आयोजित की गई जिसमें हरदा जिला निवासी पं. दुर्गा प्रसाद तिवारी ने व्याख्यान दिया। मप्र के प्रथम चिकित्सा विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रथम कुलपति रहे प्रा. डॉ त्रिभुवननाथ दुबे मुख्य अतिथि थे। वर्ष २०२३ में धर्माचार्य पं. मुकेश शास्त्री, २०२४ में योगी राजेशनाथ एवं सहवक्ता श्री राजेश जैन फूलजीबा थे। वर्ष २०२५ में श्री चिनमय मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता थे श्री संतोष सिंह (सीहोर)।

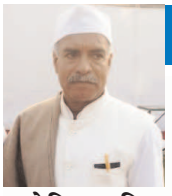

श्री राजेश जैन फूलजीबा (मुख्य वक्ता)

जन्म तिथि-१९६०, माता-श्रीमती गुलाबबाई, पिता- श्री चांदमल जैन फूलजीबा, शिक्षा-बीए, आयुर्वेदरत्न, ज्योतिष, सिद्ध साईंस आदि। पूर्व अध्यक्ष-श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन बाल एवं नवयुवक मंडल, संयोजक-महावीर जैन पाठशाला, संस्थापक- जैन पब्लिक स्कूल बदनावर, स्वाध्याय संघ- पर्यूषण जैन महापर्व पर अष्ट दिवसीय व्याख्यान एवं शास्त्र वाचन गीता जयंती सप्ताह पर प्रवचन। व्यवस्थापक-पूज्य श्री सूर्यमुनि पारमार्थिक चिकित्सालय, संस्थापक सदस्य-ज्ञानदीप मंडल, प्रशिक्षण-कस्तूरबा कृषि एवं गो शाला इंदौर, भारतीय डेयरी अनुसंधान बोर्ड-करनाल (हरियाणा), गोशाला प्रबंधन, मनोनीत सदस्यः अ.भा. जीव जन्तु कल्याण बोर्ड, चैन्नई सर्वोदय सभा-सम्मेलनों-इंदौर में सहभागिता, सदस्य- अभा कृषि गो सेवा संघ गो पुरी (वर्धा), आचार्य कुल। कार्यालयीन मंत्री- मप्र कृषि गो सेवा संघ। आकाशवाणी दूरदर्शन पर विविध विषयों पर चर्चा एवं प्रसारण। धर्म एवं दर्शन पर गहन अध्ययन। पता- जवाहर मार्ग-फूलजी बा भवन, बदनावर (जिला धार)

श्रीमती बिमला प्रधान जोशी (कार्यक्रम की अध्यक्ष)

जन्म- २६ जनवरी १९६० कालेम्पोङ
माता - पिता - स्व रत्ना कुमारी प्रधान/ स्व नहकुल मणि प्रधान, पति- दिलिप जोशी
शिक्षा- स्नातक, पेशा- शिक्षिका से.नि. (जुक्तिमान प्राथमिक पाठशाला)
प्रथम प्रकाशित रचना-'फूल' कविता बैंशालु पत्रिका (१९८४)
प्रकाशित कृतियां, ऐनाभित्र जिन्दगीको रङ्ग (कविता संग्रह), राडभाङभेल्लिका सर्जक र सृजना, कोपिलाहरु बाल कविताएं, सर्जक सृजनाहरुको चर्चा (समालोचना - २०२४)
संलग्नता- नेपाली साहित्य सम्मेलन, बसुधा (भारतीय नेपाली नारी साहित्यिक मन्च) दार्जिलिङ , त्रिफला अंतरराष्ट्रीय पुस्तकालय (नेपाल), सृजनाञ्जली बैचारिक मञ्च (सिक्किम) , मानव उत्थान सेवा समिति मिरिक तहसिल नागरी अध्यक्ष, हिमालयन अवकाश प्राप्त शिक्षक कल्याण समिति।
पुरस्कार / सम्मान- कला साहित्य संस्थान, सिक्किम, सुसेली साहित्यिक परिवार (नेपाल), मणि खवास स्मृति प्रतिष्ठान कदमतला , सिलिगुडी। सम्पर्क-नागरी फार्म, दार्जिलिङ

अंतरराष्ट्रीय साहित्य सम्मान

निर्दलीय की प्रवासी संपादक डॉ सुनीता शर्मा के संयोजकत्व में देश-विदेश के मनीषियों को विश्व साहित्य सम्मानों से अलंकृत किए जाने की परंपरा जारी रखते हुए प्रकाशन के ५३वें वर्ष में पांच जुलाई को अनेक विदेशी प्रतिभाओं को विश्व साहित्य सम्मान से विभूषित कर रहे हैं-

डॉ. सुनीता शर्मा, संयोजिका

भारत के दिल दिल्ली में प्रो. राजपाल शर्माजी के घर में जन्मी सुनीता शर्मा जी एक उत्कृष्ट रचनाकार हैं और बेहद कम समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने लेखन को पहुंचा चुकी हैं। वे विगत २१ वर्षों से न्यूजीलैंड के ऑकलैंड शहर में शिक्षण कार्य में संलग्न रहीं हैं तथा वर्ष २०२४ से न्यूजीलैंड में यही कार्य कर रही हैं। वे तीन वर्षों से निर्दलीय के संपादकीय (प्रवासी) विभाग में प्रवासी संपादक के रूप में कार्यरत हैं। आपका ब्लाग 'सुनीता के दिल से' देश-विदेश में लोकप्रिय है। कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

श्रीमती प्रिया भारद्वाज

एक सक्रिय सामुदायिक नेतृत्वकर्ता हैं और दो संगठनों में अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, जहाँ इनका मुख्य ध्यान सांस्कृतिक सहभागिता, सामुदायिक और सामाजिक कार्यों पर केंद्रित है। इस वर्ष इन्हें इंटरनेशनल इंडिया एसोसिएशन में प्रमुख निदेशक (चीफ़ डायरेक्टर) पद के लिए नामांकित किया गया है। उन्हें सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर योगदान के लिए चार कम्युनिटी सर्विस अवॉर्ड्स मिले हैं। कोविड-१९ महामारी के दौरान, एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में विशेष उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रिया जी को सिटी ऑफ शार्लोट द्वारा पेंटिंग के लिकई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, तथा फेस्टिवल ऑफ इंडिया द्वारा कला और स्कूल सहभागिता कार्यक्रमों में विशेष परियोजनाओं के लिए सम्मानित किया गया है। हिंदू फॉर अमेरिका द्वारा भी नामांकन प्राप्त हुआ है। साथ ही, हिंदू सेंटर की सक्रिय सदस्य है।

निर्दलीय वार्षिकोत्सव के विशिष्ट अतिथि

श्री विनोद कुमार विश्वकर्मा

जन्म- १ अक्टूबर, १९६३

विशेष उपलब्धि- गोल्ड मेडलिस्ट, पीएचडी स्कॉलर

पद- सहा. प्राध्यापक - त्रिभुवन विवि (हिंदी केन्द्रीय विभाग) काठमांडू

पिता- स्व. पलट विश्वकर्मा

शिक्षा- अन्तरस्नातक (अंग्रेजी)- सन् १९८७, स्नातक १९९०, ललितना. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा स्नातकोत्तर (हिंदी)- १९९७, स्नातकोत्तर (अंग्रेजी)- त्रिभुवन विवि। अनुभव एवं प्रशासनिक कार्य- नेपाल पब्लिक इंगलिश बोर्डिंग स्कूल में प्राचार्य (२०००-२००१), राष्ट्रीय दलित महासंघ में निदेशक (२००४-०५) एनजीओ/आईएनजीओ यूनिसेफ में एडवोकेशी अधिकारी (२००६-२००७)। संपादन- द पब्लिक (हिंदी मासिक), हिमालिनी और अभ्युथान पत्रिकाओं में। विशेष- कई सम्मान व पुरस्कार । प्रकाशन एवं शोध- विश्व हिंदी यात्रा पुस्तक। विदेश यात्राएं- भारत, थाईलैंड, इन्डोनेशिया, मॉरीशस, सेशेल्स और चीन।

स्थायी पता- जिला - सप्तरी, डाक्नेश्वरी म्युनीसिपैलिटी 3, तरही, मधेश प्रदेश (नेपाल)

श्री सालिक राम काफ्ले, नेपाल

जन्म: ६ जून १९७६ रूपनदेहि, नेपाल

शिक्षा: आईए उत्तीर्ण

विशेष: छात्र जीवन में छात्रों के हित में संघर्षरत रहे।

राजनीति में १९९२ से सक्रिय, लोकतांत्रिक आंदोलन के दौरान पुलिस हिरासत में रहे। विदेश यात्रा: भारत, चीन, सिंगापुर, मलेशिया, थाइलैंड, भूटान, कंबोडिया, फ्रांस, बेलजियम, स्वीट्जरलैंड, नीदरलैंड और नार्वे। संप्रति: अखिल नेपाल ट्रेड यूनियन महासंघ के केंद्रीय महासचिव। पेशा: नेपाल में पर्यटन व्यवसायिक के रूप में कार्यरत। निदेशक: अपूर्व टूर एंड ट्रैक प्रालि ठमेल, काठमांडू

जिनकी स्मृति में स्थापित है

ठाकुर दास जी खुजनेरी

वे कला स्नातक होने के साथ ही स्वाधीनता संग्राम से जुड़ गए, प्रधान संपादक 'मालव समाचार' वर्ष १९६४ से १९८७ रहे। दैनिक नव प्रभात (इंदौर) के संपादक (१९५९-६९) अ.भा. कांग्रेस कमेटी के माध्यम से स्वाधीनता आंदोलन में १९४२ से १९८७ पद यात्राएं, अ.भा. कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल खादीवाला के निजी सचिव (१९५२ से १९५७), तत्पश्चात प्रदेश कांग्रेसाध्यक्ष सेठ गोविन्ददास जी के निजी सचिव, इंदौर प्रेस क्लब के संस्थापक कोषाध्यक्ष १९५७ तक, राजगढ़ जिला के कांग्रेस पर्यवेक्षक एवं इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यकारिणी सदस्य रहे। आम चुनावों में मध्य भारत क्षेत्र में चुनाव अभियान में सक्रिय। अ.भा. कांग्रेस कमेटी के इंदौर अधिवेशन में प्रमुख भूमिका। केंद्रीय शासन द्वारा गठित टेलीफोन्स सलाहकार समिति, शासन की प्रेस अधिस्वीकृति समिति, पंचायत एवं समाज सेवा विभाग की परामर्शदात्री समिति, पुस्तक चयन समिति तथा अल्प बचत संगठन समिति में अशासकीय सदस्य, म.प्र. स्वतंत्रता संग्राम सैनानी परिचय ग्रंथ 'हू ईज हू' के शासन द्वारा नियुक्त संपादक और इंदौर जिला रोजगार सलाहकार समिति में शासन द्वारा मनोनीत सदस्य रहे।

सम्मान के प्रवर्तक : श्री विनोद खुजनेरी

ठाकुरदास खुजनेरी जी के सुपुत्र श्री विनोद खुजनेरी पाक्षिक समाचार पत्र मालव समाचार के प्रकाशक व संपादक है। वे आत्म अनुशासन के पाबंद और व्यक्ति के अंदर समाहित प्रतिभा व उसके हुनर का चयन/पहचान लेने के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं। पत्रकारिता जगत में नवोदित प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने, प्रश्रय देने और आगे बढ़ाने का श्रेय प्राप्त है। उन्होंने अपने दोनो पुत्रों को भारतीय सभ्यता व संस्कृति प्रणीत आदर्श व संस्कार प्रदान किये हैं। आप नरियल के समान ऊपर से कठोर, अंदर से बेहद कोमल व उदार हृदय के स्वामी हैं जो मेहनतकशों को उनके पसीने के बूंदे सूखने के पहले यथायोग्य राशि पारिश्रमिक के रूप में प्रदान करने में विश्वास रखते है। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी नजर अत्यंत पैनी, तीखी व गहरी है और साधारण घटनाक्रम को भी पठनीय स्वरूप देने में महारत रखते हुए नामचीन पत्रकार ब्रह्मलीन पिता की विचारधारा व विरासत को नये आयाम दे रहे हैं। वे कई देशों की यात्रा कर चुके हैं। भोपाल व इंदौर में निवास करते हैं।

इस बार जिन्हें सम्मानित किया जा रहा है वे हैं-
श्री प्रसन्न कुमार बंब, डॉ. विद्यासागर उपाध्याय और डॉ बृजेंद्र कुमार सिंहल

डॉ. प्रसन्न कुमार बंब आर्वी

जन्म १९६५ ग्राम पहुर (यवतमाल)। वे पशु कल्याण, ग्रामीण विकास और सामाजिक कल्याण के लिए समर्पित हैं। उन्होंने विदर्भ की देसी गोवंश, विशेष रूप से गाय के संरक्षण और जागरूकता के लिए ३५ वर्षों से अधिक समय दिया है। वे वर्तमान में आचार्य कुल एवं निवेदिता निलयम के सदस्य हैं। उन्हें कई पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हुए हैं। डॉ. बंब से मार्गदर्शन प्राप्त करने वाले युवाओं और उत्साही लोगों की संख्या असंख्य है। वे एक कवि और लेखक भी हैं। उन्होंने हिंदी, मराठी और मारवाड़ी में 'याला जीवन ऐसे नाव', मनाचिये द्वारी उभा क्षण भरी, विदर्भाचे वैभव गौळाऊ और कई अन्य अप्रकाशित कविताएँ लिखी हैं। संपर्क- निवेदिता निलयम, वर्धा (महाराष्ट्र)

डॉ. विद्या सागर उपाध्याय

पिता- डॉ. बरमेश्वर नाथ उपाध्याय
माता- श्रीमती देवकुमारी देवी
शिक्षा- पीएचडी, एम.फिल. स्नातकोत्तर (कला, संस्कृत, व्यापार प्रबंधन, राजनीति विज्ञान, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति), जन संचार उपाधि
प्रकाशित ग्रंथ-२३ कृतियां, अनेक आलेख एवं शोध पत्र देशी-विदेशी पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित, संपादक-सुबोध वार्षिकी
संप्रति- समरसता प्रमुख, श्री मौनतीर्थ पीठ उज्जैन, राष्ट्रीय पार्षद शंकराचार्य परिषद, बेंगलुरु, राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व विद्वत परिषद १३५ ईस्ट ब्रॉड स्ट्रीट, ग्रोवलैंड - फ्लोरिडा ३४७३६, ४ प्रबन्ध निदेशक - आर. एन. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस। उत्कृष्ट बौद्धिक संस्थानों में मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन। निवास- बलिया (उत्तर प्रदेश)

डॉ. बृजेंद्र कुमार सिंहल (कार्यक्रम के मुख्य वक्ता)

जन्म- २८ जून १९५७, गंगापुरसिटी, जिला सवाईमाधोपुर (राजस्थान)
प्रकाशित कृतियों की संख्या -१२० (कुछ) चर्चित पुस्तकें-मीरांबाई, रानी पद्मिनी, संत रैदास आदि
पुरस्कार/सम्मान-अन्तर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय, साहित्य वाचस्पति, सम्पादक शिरोमणि, चितौड़गढ से मीरां स्मृति सम्मान, नाथद्वारा से संत साहित्य शिरोमणि सम्मान, उप्र हिंदी संस्थान, लखनऊ से सम्पादक शिरोमणि सम्मान, वृन्दावन से विद्याभूषण पुरस्कार (दो लाख रुपये) हिन्दुस्तानी-एकेडमी सम्मान, समाज रत्न साहित्य सृजन सम्मान, साहित्य मनीषी सम्मान आदि
विशेष-राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भागीदारी, रामस्नेही संदेश तथा रामस्नेही भास्कर का संपादन ।
सम्पर्क सूत्र ६०/६०, रजत पथ , मानसरोवर , जयपुर।

जिनकी स्मृति में स्थापित है

स्व.गंगा प्रसाद जी गुप्ता

(१९३६-२००३)

म.प्र. व्याख्याता संघ के संस्थापक रहे श्री गंगा प्रसाद गुप्ता द्वारा शिक्षकों,व्याख्याताओं एवं प्राध्यापकों के कल्याण हेतु नानाविद कार्य किए गए। उन्होंने गहोई वैश्य समाज के उत्थान हेतु भी अथक प्रयास किए।

श्री गंगा प्रसाद गुप्ता जी की स्मृति को अक्षुण बनाये रखने हेतु उनके सुपुत्रगण सर्वश्री योगेश गुप्ता नौगरैया राष्ट्रीय अध्यक्ष: निर्मल गंगा चेरिटेबिल संस्था समिति, भोपाल एवं राष्ट्रीय मंत्री, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन-युवा) ने अपनी माता एवं भाईयों व समस्त नौंगरैया परिवार की ओर से निर्दलीय वार्षिकोत्सव में शिक्षाविदों को प्रदान किये जाने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा संवर्धन शिखर सम्मान की स्थापना की है।

संपर्क: अरेरा कॉलोनी, भोपाल

यह सम्मान इस वर्ष श्री याज्ञवल्क्य दुबे, डॉ. लवली कौशल और श्रीमती शशिप्रभा शाक्य 'शशि' को दिया जा रहा है।

श्री याज्ञवल्क्य दुबे

जन्म- ११ अक्टूबर १९६४ उज्जैन
पिता- श्री युगल किशोर दुबे।
शिक्षा स्नातक, स्नातकोत्तर (अंग्रेजी)।
सेवाएं/अनुभव- वर्ष 1990 से मॉडल हायर सेकंडरी स्कूल, उज्जैन में व्याख्याता।

राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के अंतर्गत कक्षा १२ वीं की विशिष्ट अंग्रेजी पुस्तक के लेखन में भी आपने सहयोग प्रदान किया। साथ ही आपने डी.एड. के शिक्षकों को अंग्रेजी विषय का प्रभावी प्रशिक्षण एवं अध्यापन कार्य कराया। लगभग १० वर्षों तक राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का सफल संचालन।

वर्ष २०१२ से प्राचार्य के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. लवली कौशल

शैक्षणिक योग्यता- एमबीबीएस, एमडी (रेडियोडायग्नोसिस), अनुभव- सीनियर रेजिडेंट, सफदरजंग अस्पताल एवं वीएमएमसी, नई दिल्ली (१९९७-२०००), सहा. प्राध्यापक, (२०००-२००७), सह-प्राध्यापक, (२००७-२०१४) रेडियोडायग्नोसिस विभाग, जीएमसी भोपाल (२०१३ से) प्राध्यापक, गांधी चिकित्सा महा. भोपाल (२०१५ से) विभागाध्यक्ष।

विशेष- शैक्षणिक एवं शिक्षण योगदान ८० से अधिक एमडी विद्यार्थियों के थीसिस गाइड एवं बहुविषयक सह-गाइड, मप्र चिकित्सा विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर शोध प्रबंधों के लिए मान्यता प्राप्त थीसिस समीक्षक, एमडी स्नातकोत्तर विश्वविद्यालय परीक्षाओं के लिए परीक्षक नियुक्त।

विशेषज्ञता- मेडिकल इमेजिंग में ३० से अधिक वर्षों का अनुभव, सीएमई एवं राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में आमंत्रित संकाय।

उपलब्धियां- चिकित्सा शिक्षा आयुक्त द्वारा विभागाध्यक्ष के रूप में उत्कृष्ट नेतृत्व हेतु सराहना, १५ से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र एवं प्रकाशन।

श्रीमती शशि प्रभा शाक्य 'शशि'

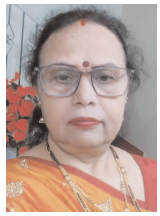

जन्म- 1 जुलाई 1960 करेली (नरसिंहपुर)
पति- श्री हरगोविंद शाक्य, से.नि. सहा. लेखाधिकारी कार्या. महालेखाकार, भोपाल
परिवार- पुत्री चारुलता, दामाद सुनील कुमार, नातिन चित्रा, अंशिका, पुत्र- अंकुर, पुत्रवधू- रुचि, पौत्री- आद्या। शिक्षा- स्नातकोत्तर (हिंदी साहित्य)
अनुभव- से.नि. व्याख्याता, शासकीय कन्या उच्चतर मा. वि.
अभिरुचि - समसामयिक कविता लेखन, वैचारिक आलेख, कहानियां, चित्रपट संगीत व सांस्कृतिक गतिविधियों में संलग्न।
विशेष- निर्दलीय में रचनाओं का सतत प्रकाशन,
निर्दलीय प्रकाशन से दो पुस्तकें- काव्य अमृत, शब्द विहान प्रकाशित।
मार्गदर्शन- स्व. श्री हुकम पाल सिंह 'विकल' जी एवं श्री कैलाश श्रीवास्तव 'आदमी' जी का स्तुत्य मार्गदर्शन
सम्मान- 'नशा मुक्ति' कविता पर विशेष सम्मान, निर्दलीय प्रकाशन द्वारा राष्ट्रीय हुकुम पाल सिंह विकल शिक्षा संस्कार शिखर सम्मान
निवास- ५४ सौम्या विहार (फेस १) अवधपुरी, भेल, भोपाल

जिनकी स्मृति में स्थापित है

स्व.गेंदालाल-ज्ञानवती जायसवाल

निर्दलीय प्रकाशन के सलाहकार मंडल की प्रमुख सदस्य एवं भोपाल की जानीमानी कवयित्री, लेखिका और समाजसेविका श्रीमती राजकुमारी चौकसे की माँ श्रीमती ज्ञानवती जायसवाल का कोरोना संक्रमण काल में असमायिक निधन हो गया। इसके पूर्व वे अपने पिता मास्टर साहब स्व. गेंदालाल जी जायसवाल को १२ मार्च २००९ में खो चुकी थीं तथा उनकी शैक्षणिक सेवाओं तथा संस्कारों की विरासत को स्थाई बनाने हेतु निर्दलीय प्रकाशन से वर्ष २०१७ में 'संस्कार की विरासत' पुस्तक का प्रकाशन कराया जिसकी देशव्यापी चर्चा हुई। श्रीमती चौकसे अपने उप नाम 'प्रेरणा के अनुरूप लेखन कार्य करती आ रही हैं तथा अपनी माँ ज्ञानवती देवी को प्रथम मार्ग दर्शक मानती हैं। उनके पिता मास्टर गेंदालाल जायसवाल जी का जन्म नर्मदापुरम जिला के ग्राम रायपुर में १८ दिसम्बर १९३६ को हुआ। सागर से शिक्षा स्नातक और राजनीति शास्त्र एवं इतिहास में स्नातकोत्तर श्री गेंदालाल जी कबड्डी, बालीबाल, तैराकी और पंजा लड़ाने में अग्रणी रहते थे तथा आध्यात्म को जीवन में उतारने के साथ सेवाभावी, दयाभावी, स्वावलंबी सादा जीवन व्यतीत करते थे। ३० दिसंबर १९६३ को नर्मदापुरम जिला के ग्राम रायपुर में जन्मी श्रीमती चौकसे ने अपने माता-पिता की स्मृति को स्थायित्व प्रदान करने की दृष्टि से वर्ष २०२२ से निर्दलीय प्रकाशन के मंच से राष्ट्रीय शिक्षा शिखर सम्मान की स्थापना की।

राजकुमारी चौकसे

पता- १२८ कल्पना नगर, भोपाल

इस वर्ष यह सम्मान सुश्री मनीषा आंवले चौगांवकर, कविता शिरोले और डॉ. जय प्रकाश नागला को दिया जा रहा है।

सुश्री मनीषा आवले चौगांवकर

जन्म- २८ जून, भोपाल
सेवाएं/ अनुभव- पूर्व सहायक प्राध्यापक विज्ञान, सम्मानित लेखिका,सामाजिक विषयों पर कुशल वक्ता, समाजसेवी, दिल्ली चाइल्ड केयर वेल्फेयर में प्रेरक वक्ता एवं साहित्यिक सामाजिक कार्यक्रमों का संचालन। व्यवसाय - निदेशक, पावर कोरिडोर एंड सोल्यूशन प्रायवेट लिमिटेड कंपनी। शिक्षा - स्नातकोत्तर (प्राणीशास्त्र), नर्सरी प्रायमरी टीचर्स ट्रेनिंग उपाधि (दिल्ली)। रुचियां- चित्रकला,मराठी नाट्य संगीत और मराठी गानों में रूचि। प्रकाशन- एक अनिर्मित पथ मेरा सामाजिक लेख संग्रह (इंडिया नेटबुक्स पब्लिकेशन), तुहिन बूंदें झरे काव्यसंग्रह (अद्विक पब्लिकेशन)
वर्तमान पता - समीर चौगांवकर ४३ सीपीकेवी, मयूर विहार फेज १, पूर्वी दिल्ली ९१

सुश्री कविता शिरोले

जन्म-१० सितम्बर, इन्दौर माता/पिता- श्रीमती द्वारकी सरोदे/श्री रमेश सरोदे शिक्षा- स्नातकोत्तर
प्रकाशन- काव्य संग्रह- १. उजास की ओर २. कविता जागती है, लोकप्रिय स्तरीय साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं में कविताएं प्रकाशित
सेवाएं- फरवरी, १९९९ से भोपाल, मप्र मंत्रालयीन सेवा में कार्यरत।
सम्मान- अभा भाषा साहित्य सम्मलेन एवं श्रीमती सुमन चतुर्वेदी मेमोरियल ट्रस्ट, द्वारा श्रेष्ठ साधना सम्मान, अभा कला मंदिर द्वारा स्व. श्री परमेश्वरी बाई खत्री स्मृति सम्मान, साहित्य कला रत्न सम्मान, स्वकुलसाली समाज पूणे (महाराष्ट्र) एवं समाज सेवी संस्था उजास का विशिष्ट सम्मान, प्रियंत टाइम्स पत्रिका इंदौर द्वारा साहित्य सेवा सम्मान। विशेष- साहित्यिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का सफल संचालन। पदाधिकारी- अभा भाषा साहित्य सम्मलेन, अखिल विश्व सत्य सनातन संघ पदाधिकारी, दुष्यंत कुमार पाण्डुलिपि संग्रहालय , अंतर्राष्ट्रीय महिला काव्य मंच और शांति-गया साहित्य, कला और खेल संवर्धन समिति की सदस्य। निवास-भोपाल।

डॉ. जय प्रकाश नागला

पूरा नाम- डॉ. जय प्रकाश राम किशन नागला
जन्म- २६ दिसंबर १९६१
शिक्षा- विद्या वाचस्पति, साहित्य सुधाकर, भाषा रत्न, कला स्नातक- मुंबई हिंदी विद्यापीठ, मुंबई
प्रकाशन- निर्दलीय सहित देश की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में समय-समय पर सैकड़ों रचनाओं गद्य/पद्य, निबंध, शोध प्रबंध आदि का प्रकाशन। तीन काव्य संग्रह यथा- अंधेरे का हिस्सा, उजियारे के साथ और सूरज के बीज प्रकाशित। कालोख झला- मराठी काव्य संग्रह (अनुवादित)
सम्मान- दलित साहित्य अकादमी, भूसावल, क्षत्रिय राजपूत समाज (नांदेड), अश्वभ्रंग संस्थान, भीलवाड़ा, मनुष्य बल विकास लोक सेवा अकादमी, मुंबई के अलावा अंतरराष्ट्रीय बदलाव मंच न्यास झारखंड और उर्दू बिरादरी नांदेड की ओर से विशिष्ट सम्मान।
निवास- ४-४-४०५ महाराणा प्रताप मार्ग, गाडीपूरा, नांदेड (महाराष्ट्र)

राष्ट्रीय सुब्बराव सर्वोदय कीर्ति सम्मान

सेलम नण्जुण्डय्या सुब्बराव

जिनकी स्मृति में स्थापित है सम्मान

पूरे विश्व में युवाओं के मध्य 'भाईजी' के रूप में विख्यात एवं निर्दलीय प्रकाशन के संस्थापक संपादक श्री कैलाश आदमी के समाज कार्यों के प्रणेता श्री सेलम नण्जुण्डय्या सुब्बराव का जन्म ७ फरवरी १९२९ को बैंगलोर (कर्नाटक) में हुआ। उन्होंने मल्लेश्वरम में रामकृष्ण वेदांत कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की। भारत छोड़ो आंदोलन के समर्थन में नारे लगाने के कारण उन्हें १३ वर्ष की आयु में गिरफ्तार कर लिया गया था।

१९६९ में वे 'गांधी दर्शन ट्रेन' के निदेशक बने, जिसने गांधीजी की जन्म शताब्दी के समारोहों से संबंधित सामग्री लेकर एक वर्ष तक देश का दौरा किया। उन्होंने मध्य प्रदेश की चंबल घाटी में महात्मा गांधी सेवा आश्रम की स्थापना की ताकि इस क्षेत्र में डकैतों का पुनर्वास किया जा सके। १९६० और १९७६ के बीच ६५४ डकैतों ने उनके सामने आत्मसमर्पण किया , जिनमें कई १९६० में आत्म समर्पण करने वाले बागी सरदार मान सिंह के समकालीन थे। श्री सुब्बराव की प्रेरणा एवं सहयोग से १९७२ के आत्मसमर्पित बागियों में सबसे बड़े ईनामी बागी सरदार माधौ सिंह ने अगले वर्ष भोपाल में जुलाई माह के प्रथम रविवार को निर्दलीय प्रेस एवं समाचार पत्र का लोकार्पण किया था।
अधिगमन- २७ अक्टूबर २०२१ जयपुर

सम्मान के प्रवर्तक

डॉ. पवनकुमार जैन भड़कतिया

जन्म- १३ फरवरी १९५१।
पिता- स्व. चाँदमल जैन फूलजी बा,
माता-गुलाबबाई जैन।
शिक्षा- स्नातक (विज्ञान), डॉक्टर ऑफ लिटरेचर। रुचियां- साहित्य सृजन के साथ सर्वोदय कार्य के अन्तर्गत वृद्ध, अनाथ और गरीबों की सेवा, सत्संग एवं प्रवचन, नशामुक्ति एवं व्यसन मुक्ति हेतु जनजागरण। विशेष - निर्दलीय दैनिक, साप्ताहिक, मासिक भोपाल/ नई दिल्ली में आलेखों का प्रकाशन। प्रकाशित साहित्य- १. जिन शासन गौरव आचार्य भगवन्त पूज्य श्री उमेशमुनिजी म.सा. 'अणु' एवं अन्य संतों-महासतियों का प्रवचन २. सरल विरल सर्वोदयी श्री चाँदमल जैन फूलजी बा ३. जीवन- सौरभ और मालवा के गांधी। सम्मान- देश की प्रमुख संस्थाओं द्वारा सम्मानित। पता- जैन हार्डवेयर, पो. बदनावर (वर्धमानपुर) जिला-धार ४५४ ६६०

इस वर्ष यह सम्मान सर्वश्री अरुण कुमार डनायक, अशोक भारत एवं श्रीमती प्रमिला राउत को दिया जा रहा है।

श्री अरुण कुमार डनायक

जन्म-१५ फरवरी १९५८, हटा, जिला दमोह
पिता/माता-स्व.श्री रेवा शंकर/ स्व.श्रीमती कमला डनायक, पत्नी-श्रीमती अलका डनायक
शिक्षा- रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर तथा भारतीय बैंकिंग संस्थान के सर्टिफाइड एसोसिएट। अनुभव- भारतीय स्टेट बैंक के सेनि सहा. महाप्रबंधक। नर्मदा की पैदल परिक्रमा। छात्रों, ग्रामीणों और युवाओं के बीच गांधीजी के विचारों को पहुँचाने नियमित संवाद। गांधी भवन न्यास भोपाल में न्यासी सदस्य, मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के प्रबंध मंत्री तथा मदनलाल शारदा फैमिली फाउंडेशन के संयोजक, बाज खेड़ावाल गुजराती समाज भोपाल के अध्यक्ष। विशेष- एक दर्जन से अधिक विदेशी यात्राएं। गांधी के राम यायावर की चली कलम सहित कई पुस्तकें प्रकाशित।

श्री अशोक भारत

पूरा नाम- अशोक कुमार वर्मा
जन्म- १२ सितंबर, १९५९
पिता- स्व. श्री अम्बिका प्रसाद वर्मा
शिक्षा- एमएससी (गणित)
विशेष- गांधी विचार, पर्यावरण संरक्षण, युवा एवं शांति कार्य में सक्रिय। छात्र जीवन में बाबा आमटे एवं मदर टेरेसा से संपर्क में आए, भारत जोड़ो अभियान में शामिल। १९८८- १९८९ ईटानगर (अरूणाचल) से ओखा (गुजरात) तक ६ माह साइकिल यात्रा। तदंतर प्रमुख समाजसेवियों/ बुद्धिजीवियों से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ, जिनमें बाबा आमटे, प्रवीणा देसाई, डॉ .एस एन सुब्बराव, राधा भट्ट, अमरनाथ भाई, डॉ. बीडी शर्मा, डॉ. बनवारी लाल शर्मा, किशन पटनायक, मेधा पाटकर, पी वी राजगोपाल आदि आदि उल्लेखनीय नाम हैं। निवेदिता निलयम युवा केंद्र के सह प्रभारी।
पता - डोमरी, पड़ाव, वाराणसी - २२१०१२

श्रीमती प्रमिला राउत

जन्म- ११ मई १९४५, शिक्षा-कला स्नातक, समाज कार्य में मानद शोधापाधि, भाषा -मराठी, हिंदी, अंग्रेजी। अनुभव- विशेष प्रशासनिक अधिकारी रहीं। प्रकाशन-निर्दलीय प्रकाशन से हिंदी व मराठी काव्यकृति प्रकाशित। अनेक संस्थानों द्वारा सम्मानित। पदाधिकारी-भारतीय पत्रकार महासंघ (एनजीएफ) की महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष, निसर्ग भावधारा परिषद की राष्ट्रीय महामंत्री, निर्दलीय प्रकाशन की विदर्भ कार्यालय प्रमुख, सर्वादय भूमि पुत्र विकासमंडल की संस्थापक, बाबू जगजीवन राम कला, संस्कृति व साहित्य अकादमी (दिल्ली) की महाराष्ट्र महिला प्रमुख। संपर्क- ५२ दीवान लेआउट, मानेवाड़ा, नागपुर

श्री गणेशशंकर विद्यार्थी के साथ जिनकी स्मृति में स्थापित है सम्मान

श्री मानकलाल शिवहरे (१९०५-३३)

दादा मानक लाल जी का जन्म सिवनी जिला के ग्राम कहानी के आदर्श कृषक श्री हेमराज जी के घर हुआ। जीवन संगनी थीं श्रीमती नन्नी बाई। दादा सरपंच रहे। दादा जी ने कहानी ग्राम में जमीन दान देकर अस्पताल खुलवाया जो अभी भी चल रहा है तथा वर्ष १९८८ में निर्मित माध्यमिक शाला भवन में छात्र-छात्राएँ कक्षा आठवीं तक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। पत्रकारिता सम्मान के प्रर्वतक डॉ. आर.एल. शिवहरे उनके ज्येष्ठ पुत्र हैं तथा पुत्रवधु डॉ. राजलक्ष्मी शिवहरे भी कुशल शिक्षाविद एवं ख्यातनाम साहित्यकार हैं।

१६ जून १९४२ को जन्मे डॉ. आर.एल. शिवहरे की प्राथमिक शिक्षा कहानी ग्राम में हुई तथा मैट्रिक महाराणा प्रताप हाईस्कूल दमोह से उत्तीर्ण कर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से स्नातक, स्नातकोत्तर हुए। तकनीकी शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल से तथा पर्यावरण रसायन में पं. रविशंकर वि.विद्यालय रायपुर से पीएचडी की। उनकी पत्नी डॉ.राजलक्ष्मी शिवहरे की माता श्रीमती

चंद्रकला गुप्ता पिता श्री शशि कुमार गुप्ता (दोनो दिवंगत) एलएनसीटी में प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष (रसायन शास्त्र) रहे। प्रारंभिक शिक्षा गोंदिया, कला स्नातक (छग) स्नातकोत्तर (हिन्दी) रीवा एवं पीएचडी (हिन्दी साहित्य)। राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित एवं प्रमुख संस्थाओं द्वारा सम्मानित। अंतर्राष्ट्रीय समकालीन सम्मेलन में राष्ट्रभाषा एवं राष्ट्रीयता पर व्याख्यान। पता- सी १३ एचआईजी धनवंतरीनगर, जबलपुर।

इस वर्ष यह सम्मान श्री संजीव ठाकुर, श्री आर.सी. साहू बिम्ब एवं श्री राजेंद्र श्रीवास्तव को दिया जा रहा है।

श्री संजीव ठाकुर

पिता: स्व. विश्वम्भर नाथ ठाकुर, से.नि.
विशेष: गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दो बार रिकॉर्ड धारक। निर्दलीय सहित देश के प्रमुख प्रतिष्ठित तथा अग्रणी समाचार पत्रों के स्तंभकार। प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा दिल्ली के राष्ट्रीय सलाहकार। चार किताबें प्रकाशित। मॉरीशस के राष्ट्रपति अनिरुद्ध जगन्नाथ द्वारा साहित्य के लिए सम्मानित, राजस्थान पत्रिका द्वारा कविता के लिए झाबरमल शर्मा पुरस्कार, छत्तीसगढ़ मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार, अंतरराष्ट्रीय सृजन सम्मान पुरष्कार, विश्व हिंदी गौरव सम्मान। कई देशों में भ्रमण।
संपर्क- चौबे कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़

श्री आरसी साहू 'बिम्ब'

जन्म- २ नवंबर १९५८, वरिष्ठ छायाकार एवं वीडियोग्राफर। शुरुआत- दैनिक भास्कर में फोटो पत्रकार (१९७८-१९८६), इंडिया टुडे, माया पत्रिका, हिंदुस्तान टाइम्स और जनसत्ता में १९९१ तक छायाकारी का कार्य किया। जनसंपर्क संचालनालय में अधिमान्य छायाकार, एशियन न्यूज इंटरनेशनल में १९९८ से लगातार कार्यरत। दूरदर्शन केंद्र भोपाल के प्रथम स्टिंगर रहे तथा दूरदर्शन केंद्र दिल्ली से अधिमान्यता प्राप्त निर्माता-निर्देशक की अनेक फिल्मों का कार्य किया। विशेष-बिम्ब टीवी न्यूज सर्विस (१९९० से), प्रदेश का पहला फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट खोला। कई सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के लिए एक दर्जन फिल्मों का निर्माण। वर्ष १९८६ में ईफको द्वारा भोपाल गैस त्रासदी की फोटो कवरेज के लिए सम्मानित। निवास: ४२ पत्रकार कालोनी, भोपाल

श्री राजेंद्र श्रीवास्तव

पिता- स्व. विनोद कुमार श्रीवास्तव
शिक्षा- स्नातकोत्तर,
अनुभव- महानगर प्रतिनिधि, दैनिक निर्दलीय, ब्यूरो प्रमुख- दैनिक प्रदेश तिलक, संपादक- मध्य अमृतकुंड, प्रबंध संपादक- नन्ही खोज
विशेष- सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन एवं लेखन सूचना के अधिकार , नागरिक व महिलाओं सम्मान हक अधिकार के लिए निरंतर सक्रिय। संयोजक, हक फाऊंडेशन, गांधी अंबेडकर विचारधारा मंच। सलाहकार- परिवर्तन संगठन, अध्यक्ष- कांतिश्री जन कल्याण संस्थान, सक्रिय सदस्य- जन संगठन दृष्टि, संयोजक मप्र कृषक अधिकार परिषद, प्रदेश संगठन मंत्री- मप्र कांग्रेस सेवादल, पूर्व सचिव- मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस, पूर्व महासचिव- मप्र कांग्रेस कमेटी।
निवास- डी-४०६ नेहरू नगर भोपाल मध्य प्रदेश

सम्मान के प्रवर्तक

श्री जीवन मारण

जन्म-१ अप्रैल १९८१ पिता-श्री किशनलाल मारण। शिक्षा- उच्चतर माध्यमिक। रुचियाँ- समाज सेवा, मैत्री व आध्यात्म। विशेष- पूर्व सदस्य जन भागीदारी समिति, शासकीय हमीदिया महाविद्यालय एवं पूर्व महामंत्री भाजपा (वार्ड ३१) भोपाल। संप्रति- पार्षद प्रतिनिधि। सफल उद्यमी बतौर कई देशों की यात्रा।

वृत्ति- जे.के. स्टील फर्नीचर के संचालक एवं जनसंगठन दृष्टि और निर्दलीय के संरक्षक मंडल के सबसे युवा सदस्य। बरखेड़ी कला भदभदा मार्ग में जनकल्याण हिन्दू उत्सव समिति की स्थापना। क्षेत्रीय पार्षद के सहयोग से कथा स्थल पर नगर निगम द्वारा भगवान रामदेव उद्यान एवं सामुदायिक भवन का निर्माण।

उन्होंने अनुज श्री राजेश मारण की स्मृति में यह सम्मान स्थापित किया जिसे अब बाल कवि बैरागी बहुमुखी प्रतिभा सम्मान से जाना जाता है। पता-बरखेड़ी कला, भदभदा मार्ग,भोपाल

इस वर्ष यह सम्मान श्री जय प्रकाश मानस (परिचय पृष्ठ ८ पर), डॉ. पारस नाथ श्रीवास्तव एवं श्री विवेक पांडे को दिया जा रहा है।

डॉ. पारस नाथ श्रीवास्तव

जन्म- ३१ जुलाई, जनपद-बस्ती, उ.प्र.
सेवाएं- से.नि.वरिष्ठ राजपत्रित अधिकारी
प्रकाशन- अनेक साझा काव्य-संग्रहों एवं दैनिक, साप्ताहिक और मासिक निर्दलीय सहित देश के प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में रचनाओं का प्रकाशन ।
विशेष - नियमित सदस्य फ़िल्म राइटर्स एशोसिएशन, मुम्बई। सम्मानोपाधि विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ भागलपुर द्वारा विद्या-वाचस्पति (समतुल्य डाक्टरेट पी एच डी) प्रकाशन - सम्पादन - सांझा काव्य संग्रह-यथा-पलाश ,काव्यरंग ,कुण्डलिनी-लोक,अभिव्यक्ति,माँ सांझा काव्य-संग्रह, अनन्त-रेखा काव्य-संग्रह , रेखांकित काव्य-संग्रह,सीता स्वयंवर सांझा काव्य-संग्रह आदि। विशेष- फिल्मों में गीत, कथा,पटकथा संवाद लेखन
पता-बी-१७० दयाल रेजीडेंसी, बी.बी.डी.के सामने, लखनऊ

श्री विवेक पांडे

जन्म- १६ जुलाई १९९४, माता - श्रीमती राजकली पाण्डेय, पिता- श्री शम्भू प्रसाद पाण्डेय, से.नि.
शिक्षा- मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक
सेवाएं- राजस्व विभाग में सेवारत। पिता की कृषि विभाग में दीर्घकालिक सेवा और प्रशासनिक अनुभव उनके लिए प्रेरणा स्रोत है। रुचि एवं आदर्श- साहित्य और दर्शन में गहरी पैठ। कालिदास उनके वैचारिक आदर्श हैं। कवि कुमार विश्वास के लेखन और वाणी से अत्यधिक प्रभावित हैं। जीवन दर्शन- सफेद शेरों की भूमि से निकलकर ऊर्जाधानी (सिंगरौली) की प्रशासनिक सेवा तक का यह सफर, अपनी जड़ों से जुड़े रहने और निरंतर सीखने की ललक का परिणाम है।
पता- ग्राम- बहरि, जिला- मऊगंज (मप्र)

जे.के.स्टील फर्नीचर भोपाल
जीवन मारण
स्वत्वाधिकारी संपर्क-9826422823

१. पेट्रोल पंप के सामने,चूना भट्टी, कोलार मुख्य मार्ग, २. सर्वधर्म कॉलोनी सी सेक्टर पुल समीप कोलार मुख्य मार्ग, ३. बरखेड़ी कलां मुख्य मार्ग, भोपाल

राष्ट्रीय रामधारी सिंह दिनकर ओजस्विता सम्मान

श्री रामधारी सिंह 'दिनकर'

(२३ सित. १९०८-२४ अप्रैल १९७४)

हिन्दी के प्रमुख लेखक, कवि व निबन्धकार श्री दिनकर स्वतन्त्रता पूर्व एक विद्रोही कवि के रूप में स्थापित हुए और स्वतन्त्रता के बाद 'राष्ट्रकवि' के नाम से जाने गये। वे छायावादोत्तर कवियों की पहली पीढ़ी के कवि थे जिसका चरम उत्कर्ष कुरुक्षेत्र और उर्वशी नामक कृतियों में मिलता है। शिक्षा- पटना विश्वविद्यालय से इतिहास-राजनीति विज्ञान में बीए। उन्होंने संस्कृत, बांग्ला, अंग्रेजी और उर्दू का गहन अध्ययन किया। वे एक विद्यालय में अध्यापकी करने के बाद १९३४ से १९४७ तक सरकार की सेवा में उप पंजीयक और प्रचार विभाग के उपनिदेशक पदों पर रहे।

स्वाधीन भारत में वे बिहार विश्वविद्यालय में हिन्दी के प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष तथा १९५२ में प्रथम राज्यसभा के सदस्य चुने गये और १२ वर्ष तक संसद-सदस्य रहे। १९५० से १९५२ तक लंगट सिंह कालेज मुजफ्फरपुर में हिन्दी के विभागाध्यक्ष रहे, भागलपुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति के पद पर १९६३ से १९६५ के बीच कार्य किया फिर भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार बने। उन्हें पद्म विभूषण की उपाधि दी गई।

उनकी पुस्तक संस्कृति के चार अध्याय के लिये साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा उर्वशी के लिये भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया। उनके प्रबन्ध काव्य कुरुक्षेत्र को विश्व के १०० सर्वश्रेष्ठ काव्यों में ७४ वाँ स्थान दिया गया।

सम्मान के प्रवर्तक: श्री हरिओम श्रीवास्तव

जन्म - २४ मार्च १९६४ पिता- श्री देवीलाल
माता- श्रीमती गोगाबाई श्रीवास्तव।
श्री हरिओम श्रीवास्तव ईसागढ़ जिला अशोकनगर में शिक्षक हैं तथा आंचलिक भाषा के कवि भी हैं। उन्होंने पिछले दशक में माता-पिता की स्मृति में साहित्य वारिधि अलंकरण स्थापित किया जिसे अब राष्ट्रीय रामधारी सिंह दिनकर ओजस्विता सम्मान के रूप में जाना जाता है।

टीप- इस वर्ष यह सम्मान डॉ. सुनीता त्रिपाठी लखनऊ, डॉ. राज गोस्वामी दतिया और श्री सुरेश जायसवाल सीहोर को दिया जा रहा है।

डॉ. सुनीता त्रिपाठी, लखनऊ

साहित्यिक विचारक और विश्लेषक/ अर्थशास्त्री/समीक्षक/ लेखिका/ कहानीकार। जन्म-१९ जुलाई, मिर्जापुर। माता- श्रीमती शिव कुमारी चौबे, पिता- डॉक्टर नंद चौबे (पूर्व अध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग एवं पूर्व सदस्य माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड)। पति- इं. डॉ. एस एम त्रिपाठी। शिक्षा- स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) पीएचडी। साहित्य लेखन- समसामयिक पत्र पत्रिकाओं में कविता, निबंध, लेख और दर्जन भर साझा कविता संग्रह आदि का प्रकाशन। कविता संग्रह- सुर्ख गुलमोहर सहित सात पुस्तकें प्रकाशित। कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित। ईमेल- Dr Sunita tripathi. 19@gmail.com

डॉ. राज गोस्वामी

जन्म- १ जनवरी १९५७, दतिया, मध्य प्रदेश
पिता- पं. माधव किशोर गोस्वामी
प्रकाशित कृतियां- २२ पुस्तकें,
सम्मान/पुरस्कार- शताधिक। राज्यपाल रामनरेश यादव द्वारा बुंदेली का जगनिक सम्मान । मप्र साहित्य अकादमी, द्वारा बुंदेली लोक भाषा के लिए छत्रसाल पुरस्कार। विशेष- जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा शोध छात्रा के श्री गोस्वामी के बुंदेली साहित्य पर पीएचडी प्रदत्त । डॉक्टर बी मरियाकुमार, पूर्व पुलिस महानिदेशक की मूल तेलुगू एवं अंग्रेजी कविताओं का हिंदी अनुवाद पुरस्कृत । श्रीमद् भगवत गीता का हाईकू में काव्यानुवाद पुरस्कृत ।
सेवाएं- जल संसाधन विभाग से सेवानिवृत्त ।
संपर्क - श्रीसदन, अनामय आश्रम के सामने, दतिया

श्री सुरेश जायसवाल

उपनाम - अहम
संस्थापक - १. म.प्र. साहित्य साधना मंच,
२. नवोदित कला मंच, सीहोर
३. राष्ट्रीय कलचुरि कवि परिषद, भारत
४. कलचुरि सोशल ग्रुप, सीहोर
विशेष- साहित्य की प्रत्येक विधा में रुचि, प्रमुख विधा- ग़ज़ल
मुख्य आयोजन - हिंदी दिवस पर १५ प्रांतों का हिंदी महोत्सव कर साहित्यिक विभूतियों का सम्मान एवं कवि सम्मेलन।
नवोदित कला मंच सीहोर के माध्यम से विगत १९९० से लगातार मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित कर विभिन्न क्षेत्रों की विभूतियों को सम्मानित करना। निवास- सीहोर (मप्र)

ब्रम्हलीन रमेश माहेश्वरी की स्मृति में स्थापित है सम्मान

जन्म- २५ दिसम्बर १९६०
पिता- स्व. श्री देवकीनंदन जी
शिक्षा- मैट्रिक, साहित्य रत्न
साहित्यिक गतिविधियां-विभिन्न साहित्यिक सेंस्थाओं में सक्रिय भागीदारी, कविताएं समय-समय पर स्थानीय पत्रों में प्रकाशित तथा आकाशवाणी भोपाल से प्रसारित। डेढ़ दशक तक साप्ताहिक प्रगतिशील मंच का 'पादन, प्रकाशन। ''असहमति'' गीता-आधुनिक, सन्दर्भ में'' ''इकबाना'' तथा ''बिन्दु और आकाश'' नाम से चार कविता पुस्तिकाएं प्रकाशित। अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलन द्वारा ''साहित्य श्री'' से सम्मानित।
पता- कार्यालय-प्लेट फार्म क्र. ६ (पश्चिम) भोपाल

सम्मान के प्रवर्तक

श्री उमेश माहेश्वरी

(स्व.रमेश माहेश्वरी के सुपुत्र)
संचालक-होटल अनामिका

टीप- इस वर्ष यह सम्मान श्री भागीरथ वर्मा (रायपुर), आचार्य विनोद स्वरूप (झारखंड) और डॉ. मधु पाठक (लखनऊ) को दिया जा रहा है।

निर्दलीय प्रकाशन के ५३ वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयां

जय श्री कृष्ण

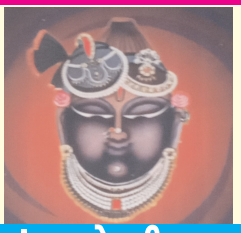

जय श्री कृष्ण

ठहरने एवं खाने की उत्तम व्यवस्था

मोबाइल फोन 9300847292

होटल अनामिका

छह नंबर प्लेटफार्म के सामने, स्टेशन रोड, भोपाल

श्री भागीरथ वर्मा 'मजदूर'

माता - श्रीमती पार्वती देवी, पिता - श्री बंशी वर्मा
लेखनी - कविता,गीत, व्यंग्य, कहानी ,नुक्कड़ नाटक ।
भाषा - हिंदी, छत्तीसगढ़ी , मगही, भोजपुरी ।
सामाजिक गतिविधि - छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा, पीयूसीएल (नई दिल्ली) ईप्टा (बिहार), जन संस्कृति मंच रायपुर ।
विशेष - शहीद शंकर गुहा नियोगी विचार मंच के संयोजक पद पर रहते हुए कवि एवं बाल कवि सम्मेलन करवाना, २०२४ में नेपाल में कविता पाठ किया ।
प्रकाशन- तेरह साझा पुस्तक संग्रहों में रचनाएं प्रकाशित ।
निवास- ग्राम+पो. - उरला, रायपुर ,छत्तीसगढ़।

आचार्य विनोद स्वरूप

जन्म- ८ सितंबर १९६१, पिता- स्व. उमा शंकर ठाकुर
शिक्षा- स्नातकोत्तर (कला), विधि स्नातक
अनुभव- पूर्व महामंत्री, सेवा ग्राम आश्रम, वर्धा
संप्रति- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, आचार्य कुल
वृत्ति- गांधीवादी मूल्य शिक्षा प्रशिक्षक
शौक- कविता, नाटक, निबंध, लेखन, पत्र मित्रता व देश भ्रमण।
उपलब्धियाँ- संस्थापक श्याम सुन्दर शिक्षा सदन, देवघर, संस्थापक विवेकानन्द युवा छात्रकुल, देवघर (झारखण्ड)। विगत ४० वर्षों का अध्ययन-अध्यापन का अनुभव। सैकड़ों सभा-शिविर मंच संचालन में सहभागिता। पूर्णतः खादी एवं स्वदेशी भावना को समर्पित । पत्रकारिता प्रशिक्षित (लाला लाजपत राय कॉलेज, दिल्ली)।
पता- कास्टर टाउन, बी. देवघर (झारखंड) ८१४११२

डॉ. मधु पाठक 'मांझी'

विधिक नाम-प्रीति शर्मा, जन्म -२१ मई
पिता/माता - दीनानाथ , श्रीमती विमला देवी
शिक्षा- परानास्तक (हिन्दी साहित्य)
सम्प्रति-सामाजिक सांस्कृतिक सेवा, प्रकृति संवर्धन/संरक्षण एवं गद्य व पद्य विधाओं में स्वतंत्र साहित्य साधना
प्रकाशन/प्रसारण- विभिन्न प्रसार माध्यमों द्वारा निरंतर रचनाओं का प्रकाशन अनेकों सांझा-संकलनों में रचनाएं सम्मिलित।
प्रकाशित - काव्य संग्रह १.भावों का झरोखा, २.. मैं शब्द हूं
विशेष- राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंचों सहित टी वी चैनलों पर निरंतर काव्यपाठ, संचालन, संयोजन/अध्यक्षता। राष्ट्रीय चैनल दूरदर्शन उप्र के वन्स-मोर प्रोग्राम में काव्य पाठ सहित निजी चैनलों पर भी पर्व विशेष कार्यक्रमों में सहभागिता। अनेक सम्मान/पुरस्कार प्राप्त।
निवास- ६४७-बी/२८ जानकीपुरम गार्डन,लखनऊ २२६०२१

राष्ट्रीय सुभाषचंद्र बोस लेखन-संभाषण सम्मान

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की स्मृति में स्थापित है सम्मान

जन्म- २३ जनवरी १८९७
कटक (ओड़िशा सम्भाग) बंगाल

* कलकत्ता महापालिका निगम के ५वें महापौर के रूप में कार्यकाल (२२ अगस्त १९३०-१५ अप्रैल १९३१)
* आज़ाद हिन्द फ़ौज के दौर का चर्चित कार्यकाल (४ जुलाई १९४३-१८ अगस्त १९४५)
* स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जबलपुर अधिवेशन में निर्वाचित अध्यक्ष (१८ जनवरी १९३८-२९ अप्रैल १९३९) पूर्वा धिकारी- जवाहरलाल नेहरू, उत्तराधिकारी- राजेन्द्र प्रसाद।
* ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लाक के संस्थापक और अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल (२२ जून १९३९- १६ जनवरी १९४१)

अनुमानित अवसानतिथि- १८ अगस्त १९४५

सम्मान की प्रवर्तक श्रीमती आशा शर्मा

पति-कर्नल सतीश कुमार शर्मा (सेवानिवृत्त) पिता-श्री राम आसरा शर्मा माता-श्रीमती राम लुभाई शर्मा मातृभाषा-पंजाबी। शिक्षा-कला स्नातकोत्तर व शिक्षा स्नातक। अनुभव-भोपाल में अशासकीय विद्यालय में मुख्याध्यापिका रहीं। रुचियाँ-कविता, कहानी, बालगीत, लघुनाटक, व्यंग्य आदि। मॉरीशस में काव्य पाठ, आंग्ल देश में स्लौ व रैडिंग नगर में सम्मान। वहीं सनराइज चैनल में कविताओं का लाइव प्रसारण। आजीवन सदस्य-हिन्दी लेखिका संघ (पूर्व अध्यक्ष), संरक्षक-निर्दलीय प्रकाशन के साथ ही बाल कल्याण एवं बाल सहित्य शोध केन्द्र।

प्रकाशन-कहानी संग्रह 'कहने भी दो', कविता संग्रह-कुछ तो कहो, बाल कविता संग्रह- टिक टिक टिक टिक चली घड़ी, मम्मी मैं कब बड़ा बनूँगा, ऊँचे शिखर पर जाना है, उठो बहादुर वीर सपूतों, बाल कहानियाँ आदि। सम्मान-कला मंदिर भोपाल से पवैया पुरस्कार २००१, निर्मला देवी स्मृति पुरस्कार २००३ गाजियाबाद, राष्ट्रगौरव सम्मान-खंडवा, संस्कारभारती सम्मान २००४, श्रीमती सुमन चतुर्वेदी श्रेष्ठ साधना सम्मान-२०१०

विशेष- मूल रूप से श्वसुर श्री जबंदलाल शर्मा की स्मृति में राष्ट्रीय लेखन, संभाषण शिखर सम्मान स्थापित जिसे अब राष्ट्रीय सुभाषचंद्र बोस लेखन संभाषण शिखर सम्मान नाम दिया गया है। निवास- ५७,ए, पारस मैजिस्टिक, भोपाल

टीप- इस वर्ष यह सम्मान श्री संतोष श्रीवास्तव 'विद्यार्थी', श्रीमती मंजू शकुन खरे एवं श्री भूपेंद्र त्रिपाठी को दिया जा रहा है।

श्री संतोष श्रीवास्तव 'विद्यार्थी'

उम्र -७३ वर्ष, पिता- स्व. बाबू जगन्नाथ प्रसाद श्रीवास्तव, माता- स्व. श्रीमती शकुन्तला देवी सहधर्मिणी-श्रीमती निर्मला देवी श्रीवास्तव
शिक्षा- बी.ए.एल एल.बी. व्यवसाय- अधिवक्ता, उप जिलाधीश (से.नि.), रुचियां-व्हालीबाल, बेडमिंटन, साहित्य/काव्यलेखन, वाचन, श्रवण। उपलब्धियां- अनेक साझा संकलनों में प्रकाशन, इंडिया बुक आफ रिकार्डस में दर्ज पुस्तक 'भारत को जानें' में काव्य सहभागिता, प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में काव्य रचनाओं का प्रकाशन। सम्मान-देश की प्रमुख सामाजिक/साहित्यिक संस्थाओं द्वारा समय-समय सम्मानित।
संपर्क- २०, शिवाश्रय कालोनी, मकरोनियां जिला-सागर (मप्र)

श्रीमती मंजू शकुन खरे

पति- श्री दिनेश कुमार श्रीवास्तव
पिता- स्व. श्री नंद किशोर खरे
माता- स्व. श्रीमती शकुन्तला देवी
सृजन विधा- कविता, गजल नवगीत, दोहे, लंबी कविता, संस्मरण, लघु कथा, बालगीत, निबंध आदि
शिक्षा- स्नातकोत्तर (हिन्दी साहित्य, राजनीति शास्त्र), बी एड
सम्मान/ पुरस्कार - हिन्दी साहित्य अकादमी, भारत एवं शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउण्डेशन, नेपाल द्वारा पुरस्कृत, पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित । विशेष- आकाशवाणी व दूरदर्शन पर काव्य प्रस्तुति, सोशल मीडिया पर रचनाओं का प्रसारण। काव्य संग्रह- सुर सजे धरा के, पारिजात महकते हैं, विहँसती है चंद्रिका(प्रकाशित), सम्प्रति- शिक्षिका (शासकीय माध्यमिक विद्यालय)। निवास-बुन्देला कॉलोनी, दतिया

श्री भूपेंद्र त्रिपाठी

जन्म-१ फरवरी १९७९, पिता/माता- स्व. श्री गुरु प्रसाद / श्रीमती धनिया बाई त्रिपाठी
रूचि- कहानी एवं कविता लेखन,स्टोरी टेलिंग, शैक्षणिक योग्यता- १२वी डीएनवायएस
अनुभव- गांधी विचार संस्थाओं के साथ जुड़ाव, क्षेत्रीय विकास समिति अनुपपुर में ग्रामीण अजीविका ग्रामसभा सशक्तिकरण के क्षेत्र में २ वर्ष का अनुभव, महिला हिंसा के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय अभियान एवं एक्सन एड भोपाल के महिला हिंसा विरोधी पखवाड़े में भागीदारी। गांधी स्मारक निधि छतरपुर में ३ वर्ष तक व्यवस्थापक के पद पर सेवा ।
पता- पुराना आर टी ओ कॉलोनी, विकटगंज, उमरिया।

श्री सुरेन्द्रनाथ दुबे की स्मृति में स्थापित है सम्मान

पिता-पं. वैजनाथ दुबे
माता-श्रीमती जानकी देवी
शिक्षा-स्नातकोत्तर (तीन विषयों में), विधि स्नातक।

अनुभव-शिक्षक एवं शिक्षा प्रसारक (४१ वर्ष), राज्य शिक्षा-अनुसंधान एवं प्रशिक्षण, शालेय शिक्षा-मंत्री के सलाहकार, केन्द्रीय मानव संसाधन विभाग में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी जैसे विभिन्न दायित्वों के निर्वाहक ।

विशेष-द्विभाषी मासिक (त्रैमासिक) पत्रिका 'स्कूल शिक्षा' के संस्थापक। बैजनाथ प्रकाशन के माध्यम से पुस्तकों का प्रकाशन।

संप्रत्ति- निर्दलीय प्रकाशन भोपाल/नई दिल्ली द्वारा त्रैमासिक पत्रिका 'स्कूल शिक्षा' का संपादन एवं प्रकाशन

सम्मान के प्रेरक
डॉ. त्रिभुवन नाथ दुबे

मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय , जबलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. टी.एन. दुबे एक प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट और चिकित्सा शिक्षाविद हैं। पदभार- डॉ. टी.एन. दुबे ने जनवरी २०२० में मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी, जबलपुर के कुलपति का पदभार ग्रहण किया था। वे भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं, जहाँ से उन्होंने १९७८ में एमबीबीएस और १९८२ में एमडी (जनरल मेडिसिन) की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने चंडीगढ़ से डीएम (न्यूरोलॉजी) की पढ़ाई की। वे न्यूरोलॉजिस्ट के रूप में जग प्रसिद्ध हैं। उन्होंने चिकित्सा विज्ञान एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में लंबा योगदान दिया है।

सम्मान के प्रवर्तक
निर्दलीय प्रकाशन भोपाल/नई दिल्ली

राष्ट्रीय सुरेंद्र नाथ दुबे शिक्षा संस्कार शिखर सम्मान की स्थापना निर्दलीय प्रकाशन ने ब्रह्मलीन श्री सुरेंद्र नाथ दुबे की स्मृति में उनके अनुज डॉ. त्रिभुवननाथ दुबे के परामर्श से की है ताकि शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत व संस्कारित महानुभावों को प्रतिवर्ष निर्दलीय प्रकाशन के वार्षिकोत्सव व स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जा सके।

टीप- इस वर्ष यह सम्मान सुश्री जैसमिन कौशल, श्रीमती प्रीति कुशवाह एवं श्री मनोज जैन 'मधुर' को दिया जा रहा है।

युवा उपन्यास लेखिका
सुश्री जैसमिन कौशल

जन्म- ११अक्टूबर १९९७
शिक्षा- बी डिजाइन (एनआईडी, अहमदाबाद) के पूर्व डेल्ही पब्लिक स्कूल, भोपाल की बहु आयामी प्रतिभा से संपन्न छात्रा रहीं।
रुचियां- चित्रकला, पाककला, तैराकी, पुस्तकों का अध्ययन, लेखन, स्टोरी टेलिंग, पौष्टिक पकवान निर्माण में दक्षता।
विशेष- 'गिलिस्टेनिंग गिलिसांडो' उपन्यास की लेखिका, स्वस्थ जीवन हेतु तैराकी में रूचि, कला एवं साहित्य के माध्यम से स्व विकास एवं अभिव्यक्ति ।
पता- बी २०२ पारस एम्पेरर, बावड़िया कला, भोपाल

श्रीमती प्रीति कुशवाह

पिता/माता - श्री कैलाश कुशवाह, श्रीमती रश्मि कुशवाह, पति-श्री रवि कुशवाह
शिक्षा-स्नातकोत्तर (भूगोल) स्नातक (विज्ञान) संगीत - (प्रथमा प्रथम)।
सृजन - गीत, गजल, कविताएं, डायरी लेखन।
प्रसारण - दूरदर्शन से काव्यांजलि में एवं आकाशवाणी ग्वालियर से युववाणी में काव्यपाठ । प्रकाशन - पत्रिका, इंदौर समाचार, निर्दलीय सहित विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में। विशेष- मंच संचालन एवं कवि सम्मेलन में काव्य पाठ । सम्मान - अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित, पेशा - शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, ग्वालियर में सेवारत। पता - आमखो, ग्वालियर।

श्री मनोज जैन 'मधुर'

जन्म-२५ दिसम्बर १९७५ बामौरकलां। पिता/माता- स्व. श्री मिन्टूलाल, स्व. श्रीमती गजरा बाई जैन। शिक्षा- स्नातकोत्तर (अंग्रेज़ी) आप निजी क्षेत्र में प्रबंधकीय दायित्व निभा रहे हैं। वर्तमान में आप एक निजी संस्थान में प्रबंधक हैं।
संप्रति- समकालीन हिंदी नवगीत के चर्चित हस्ताक्षर, वागर्थ के प्रमुख संचालकों में सक्रिय भूमिका। रचनाएँ प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित, आकाशवाणी दूरदर्शन से प्रसारित। प्रकाशित कृतियों में एक बूँद हम तथा धूप भरकर मुट्ठियों में नवगीत संग्रह के अलावा बालगीत संग्रह 'बच्चे होते फूल से' को सराहना मिली। आपने आलाप सहित अनेक समवेत एवं शोध-संदर्भ ग्रंथों का संपादन किया है।
संपर्क- १०६, विट्ठल नगर, लालघाटी, भोपाल ४६२०१०

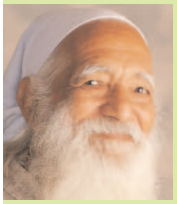

श्री सुंदरलाल बहुगुणाजी की स्मृति में स्थापित है सम्मान

जन्म- ९ जनवरी १९२७ मरोड़ा उत्तराखंड- २१ मई २०२१ ऋषिकेश) शिक्षा- विधि स्नातक के पूर्व लाहौर से स्नातक। विशेष-वे एक महान पर्यावरण-चिन्तक एवं चिपको आन्दोलन के प्रणेता थे।

सन १९४९ में मीराबेन व ठक्कर बाप्पा के सम्पर्क में आने के बाद उन्होंने दलित वर्ग के विद्यार्थियों के उत्थान के लिए प्रयास किए तथा उनके लिए टिहरी में ठक्कर बाप्पा होस्टल की स्थापना की। दलितों को मन्दिर प्रवेश का अधिकार दिलाने के लिए भी आपने आन्दोलन छेड़ा । पत्नी श्रीमती विमला नौटियाल के सहयोग से इन्होंने सिलयारा में ही पर्वतीय नवजीवन मण्डल की स्थापना भी की। सन १९७१ में शराब के विरूद्ध सोलह दिन तक अनशन किया। १९८०-२००४ के बीच टिहरी बाँध के निर्माण के विरुद्ध आन्दोलन किया किंतु ना ही उत्तराखंड सरकार और ना ही केंद्र सरकार ने इस ओर ध्यान दिया।

वे वृक्षमित्र और 'पर्यावरण गाँधी' कहलाते थे। निर्दलीय प्रकाशन के संस्थापक संपादक श्री कैलाश आदमी ने श्री बहुगुणा डेढ़ दशक पूर्व जब वे भोपाल आए तब श्री बहुगुणा की गांधी भवन में पत्रकार वार्ता आयोजित कर उनके संदेश को सर्वत्र पहुंचाया।

सम्मान के प्रवर्तक
डॉ. सोहनराज तातेड़

जन्म- १९४७ पूर्व कुलपति सिंघानिया विश्वविद्यालय, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं (राज) के मानद सलाहकार रहे। वे ट्रीनिटी वर्ल्ड वि.वि. (यू.के.), एन.ए.आई. (यू.एस.ए.) वि.वि., जगन्नाथ वि.वि., ढाका (बंगलादेश), ओ.आई. यू.सी.एम. (श्रीलंका), जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज.), जे. जे. टी. वि.वि. एवं सिंघानिया विश्वविद्यालय (राज.) के संरक्षक प्राध्यापक भी हैं। वे दर्शन, योग एवं शिक्षा विषयों में अन्तर्राष्ट्रीय एवं भारतीय विश्वविद्यालयों में रजिस्टर्ड पीएचडी शोध निर्देशक हैं।

टीप- इस वर्ष यह सम्मान श्री मुरली मनोहर शुक्ला, श्री सुनील दुबे एवं श्रीमती गिताताई महाकालकर को दिया जा रहा है।

श्री मुरली मनोहर शुक्ला

जन्म-१ जनवरी १९४६
शिक्षा- मैट्रिक (पुराना पाठ्यक्रम)
ग्राम इमलिया (लांजी), जिला दमोह
सेवाएं/अनुभव- वन विभाग के वनपाल पद से सेवानिवृत्त, उल्लेखनीय कार्य- सेवारत रहते हुए हीरापुर (शाहगढ़), खुरई, राहतगढ़ (सागर) आदि कई क्षेत्रों में ग्रामांचल सहित कस्बों में लाखों पौधों का वितरण व रोपण कार्य किया। तत्समय लगाए गए पौधे अब वृहदाकार रूप में वृक्ष बनकर ऑक्सीजन तथा फल-फूल दे रहे हैं। वृक्षारोपण का कार्य उनके संरक्षण में उक्त क्षेत्रों के साथ अभी भी बहरोल, बादरी आदि अंचलों में जारी है। उनका वन पर्यावरण क्षेत्र में किया जा रहा कार्य सराहनीय है। उनकी वन्य प्राणियों तथा वनों की सुरक्षा में बड़ी भूमिका रही है।
पता- लक्ष्मी नारायण सैनी का बगीचा, गोपालगंज, सागर ४७०००१

श्री सुनील दुबे

उपनाम - वृक्ष मित्र
शिक्षा- बी. ए. मार्शल आर्ट, फोटोग्राफी पुरस्कार व सम्मान-शताधिक संस्थाओं द्वारा । अभिरूचि-पर्यावरण: वृक्षारोपण कार्य एवं औषधीय पौधों की कार्यशाला। निःशुल्क सेवा काय- सुरूचि नगर उद्यान एवं कई संस्था परिसरों में निशुल्क औषधी पौधरोपण, शालाओं में शिक्षण सामग्री और बेग बांटना, राशन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड निःशुल्क बनबाना एवं लोगों व पशुओं का ईलाज। विशेष-कोरोना महामारी के दौरान पीडितों को निशुल्क भोजन व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई।
सम्पर्क- १६ सुरूचि नगर, कोटरा रोड, भोपाल;

श्रीमती गिताताई महाकालकर

जन्म- २ जून १९५५
सेवा- मेडिकल इंचार्ज, मेडिकल कॉलेज आफ नागपुर (सेनि जून १९९३)
सहभाग- धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक कार्य में अग्रसर
लेखन- धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक कार्य में अग्रसर
लेखन- धार्मिक, सामाजिक विषयों पर
उपाध्यक्षा- इंडियन जर्नलिस्ट फेडरेशन, नागपुर शहर।
निवास- प्लाट नं २ पार्वती नगर पोस्ट ऑफिस के पास, पार्वती नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)

राष्ट्रीय गोवर्धनदास मेहता साहित्य सम्मान

१९२०-२०१५

श्री गोवर्धनदास मेहता की स्मृति में स्थापित है सम्मान

जन्म- आष्टा (सीहोर) ननिहाल में। पिता स्व. श्री चतुर्भुज मेहता, माता स्व. श्रीमती पार्वती बाई। शिक्षा- स्नातकोत्तर (हिन्दी), साहित्य रत्न, प्रभाकर भाषा ज्ञान-हिन्दी, फारसी, उर्दू व अंग्रेजी।

पत्रकारिता में प्रवेश- सन् १९४२-४३ से। सम्पादन कार्य-दैनिक विश्वमित्र दिल्ली/बम्बई, दैनिक वीर अर्जुन, नई दिल्ली, दै.जागरण, भोपाल/इन्दौर, दै.भास्कर झांसी/भोपाल (प्रधान सम्पादक रहे), भोपाल समाचार के प्रधान सम्पादक, साप्ताहिक नया संसार (लखनऊ), न्यूज एजेंसी यूनाटेड ग्रेस सर्विस नई दिल्ली, दैनिक निर्दलीय के सलाहकार संपादक, म.प्र. लेखक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा साहित्य परिषद विदिशा के संस्थापक रहे। पहली पुस्तक 'लेखनी के रंग' निर्दलीय प्रकाशन से प्रकाशित।

प्रमुख सम्मान- लाल बलदेव सिंह पत्रकारिता सम्मान (माधराव सप्रे संग्रहालय), सारस्वत सम्मान (म.प्र. लेखन संघ), आचार्य एवं कला मनीषी (कला मंदिर), दैनिक भास्कर के प्रकाशन के पचास वर्ष पूर्ति के अवसर पर विशिष्ट सम्मान, विदिशा साहित्य परिषद द्वारा साहित्य सम्मान, भीष्म सिंह चौहान स्मृति साहित्य सम्मान।

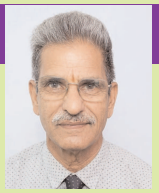

सम्मान प्रवर्तक श्री राजकांत मेहता

जन्म- ६ जून १९५६ माता-पिता: स्व. श्रीमती पार्वती देवी, स्व. पं. गोवर्धन दास मेहता। पत्नि- श्रीमती शिवराज मेहता, पुत्र- ईशान व मानस, शिक्षा - स्नातकोत्तर (दर्शन शास्त्र), सेवायें- अनुभाग अधिकारी सा. प्रशासन, राज्य मंत्रालय (१९८१-२०२१)।

रूचियाँ- लेखन, पुस्तक समीक्षा व काव्य सृजन, निर्दलीय व अन्य समाचार पत्र-पत्रिका में प्रकाशित योजना लेखन व पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे बढ़ना

पुरस्कार- पूर्व मुख्य सचिव डा. सुशील चंद्र वर्मा स्मृति पुरस्कार तत्कालीन मुख्यमंत्री के हाथों पूर्व प्रधानमंत्री श्री वाजपेयी के जन्मदिन पर मंत्रालयीन गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिये। निवास- तुलसी नगर, भोपाल

इस वर्ष यह सम्मान श्रीमती सरस्वती मल्लिक, श्रीमती उषा प्रारब्ध और श्रीमती आशा लता दुबे को दिया जा रहा है।

श्रीमती सरस्वती मल्लिक

जन्म- १ जनवरी १९५५ पोस्ट- शिवनगर (जिला मधुबनी) बिहार। पिता - स्व. श्री ब्रह्मदेव नारायण कर्ण, पति - श्री शशिकांत मल्लिक। शिक्षा- बीएससी, बीएड, एम ए इंग्लिश। व्यवसाय- से.नि. अध्यापिका, केंद्रीय विद्यालय ।

सम्मान- निर्दलीय प्रकाशन द्वारा विश्व साहित्य सम्मान २०२४ से अलंकृत। अन्य कई साहित्यिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा समय-समय पर सम्मानित। प्रकाशन- एकल काव्य संग्रह (अंतर्मन), भारत कथा माला, 'बालमन की कहानियाँ बिहार' (कथा संग्रह)। अनेक साझा काव्य संग्रहों में भी रचनाएं।

पता- परसौनी, मधुबनी ,बिहार

श्रीमती उषा प्रारब्ध

जन्म-१५ जुलाई, १९६१

जन्म स्थान- कदवाली बुजुर्ग, तह. सांवेर, जिला-इंदौर।

साहित्य सृजन- पत्र संपादक के नाम लेखन से शुरुआत। दिवंगत नन्हे बेटे प्रारब्ध की स्मृति ने लिखने को प्रेरित किया।

प्रकाशन- पुस्तक 'रंगों की खोज में' (२०११)। दूरदर्शन, आकाशवाणी से रचनाएं प्रसारित, निर्दलीय सहित देश की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं, में लेख, आलेख, कविता, कहानी सहित रचनाओं (मालवी-निमाड़ी में भी) का प्रकाशन।

संप्रति-शासकीय सेवा (से.नि.)।

निवास- नेहरू नगर, कोटरा, भोपाल

श्रीमती आशा लता दुबे

जन्म- १६ दिसंबर १९५५ देवरी (सागर), शिक्षा-स्नातकोत्तर (अर्थ शास्त्र, हिन्दी) आयुर्वेदरत्न, बिशारद आदि

लेखन विधा-संस्मरण, लघुकथा, यात्रा वृत्त, काव्य रचना

सम्मान/पुरस्कार- नारी शक्ति सम्मान २०२५, स्त्री शक्ति सम्मान- २०२६ एवं कई अन्य संस्थाओं द्वारा सम्मानित व पुरस्कृत।

पता-शिवा रायल पार्क, डीएक्स ७४ फेस वन, सलैया, भोपाल, पिन कोड- ४६२०४७

राष्ट्रीय महादेवी वर्मा पुष्पेंद्र कविता सम्मान

महादेवी वर्मा की स्मृति में स्थापित है सम्मान

आधुनिक हिन्दी की सबसे सशक्त कवयित्रियों में से एक महादेवी वर्मा (२६ मार्च १९०७ फ़र्रुख़ाबाद ११ सित. १९८७) हिन्दी भाषा की कवयित्री थीं। पिता श्री गोविंद प्रसाद वर्मा, माता हेमरानी देवी। वे हिन्दी साहित्य में छायावादी युग के चार प्रमुख स्तम्भों में से एक मानी जाती हैं। उन्हें आधुनिक मीरा के नाम से भी जाना जाता है। कवि निराला ने उन्हें हिन्दी के विशाल मन्दिर की सरस्वती भी कहा। उन्होंने अध्यापन से अपने कार्यजीवन की शुरूआत की और अन्तिम समय तक वे प्रयाग महिला विद्यापीठ की प्रधानाचार्या बनी रहीं। शिक्षा- इन्दौर में मिशन स्कूल से प्रारम्भ हुई। विवाहोपरान्त क्रास्थवेट कॉलेज इलाहाबाद में पढ़ाई की।

सम्मान के प्रवर्तक श्री पुष्पेंद्र वैश्य

पुष्पेंद्र कविता शिखर सम्मान मूलरूप से श्री पुष्पेंद्र ने अपने पिता डॉ. राम घुलाम वैश्य 'रघु' की स्मृति में आरंभ किया जिसे अब डॉ. रघु के साथ ही प्रसिद्ध कवयित्री महादेवी वर्मा के नाम से जाना जाएगा।

वस्तुतः डॉ. रघु ने निर्दलीय प्रकाशन के सहयोग से राष्ट्रीय पुष्पेन्द्र कविता शिखर सम्मान की स्थापना की थी जो वर्ष २०१५ से श्रीमती रामपती वैश्य की स्मृति में प्रतिवर्ष दिया जाता रहा तथा उनके देहावसान के उपरान्त उनके पुत्र श्री पुष्पेन्द्र वैश्य ने इस अलंकरण को जारी रखा है जो जीवन बीमा निगम भोपाल में वरिष्ठ अधिकारी हैं।

संपर्क-डीलक्स, एमआईजी ए-२३६ मप्र गृहनिर्माण मंडल कॉलोनी, कटारा हिल्स, भोपाल

टीप- इस वर्ष यह सम्मान श्रीमती सुरेखा खरे, श्रीमती शुभा वर्मा एवं श्रीमती यशोधरा भटनागर को दिया जा रहा है।

श्रीमती सुरेखा खरे

जन्म -२ नवंबर १९५८
शिक्षा - स्नातकोत्तर (राजनीति शास्त्र), विद्या वाचस्पति, उज्जैन विद्यापीठ

लेखन - कविता, लघुकथा, गीत, काव्य नाटक लेखन व मंचन, भजन, कहानी, लेख, व्यंग्य आदि।

प्रकाशन- छंदावली, वर्णावली, जिंदगी जिंदाबाद, (कोरोना काल) छंदवद्ध वृहद हिंदी व्याकरण आदि साझा संकलनों में रचनाएं।

प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में रचनाओं का प्रकाशन। नागपुर आकाशवाणी से कविता-गीतो व लधुकथाओं का प्रसारण। छंद रसावली का सृजन।

सम्मान एवं पुरस्कार- मैजिक बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड से लगातार तीसरी बार सम्मानित। इसके अलावा कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित।

निवास -क्लासिक गगन अपार्टमेंट, हिंगना रोड, नागपुर

श्रीमती शुभा वर्मा

जन्म- १० अगस्त १९६२
शिक्षा- एमए, बीएड

सेवाएं/अनुभव- भारतीय एक्सा कंपनी में ऑनलाइन कार्यरत, सलाहकार नीवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी में।

रुचियां- अध्यात्म, संगीत, गायन एवं पर्यटन। विशेष रूप से रेकी में दीक्षित। उपचार भी देती हैं।

विशेष- मेरे बाबा स्वर्गीय श्री आनंदी प्रसाद श्रीवास्तव जो कि स्वर्गीय श्री हरिवंश राय बच्चन जी के साथ काव्य सृजन करते थे। दादी श्रीमती शीला श्रीवास्तव भी कवयित्री हैं।

पता- मुट्ठीगंज, प्रयागराज

डॉ. यशोधरा भटनागर

जन्म- ग्वालियर,मध्यप्रदेश

सेवाएं/अनुभव- सेंट मेरीज़ कॉन्वेंट सी.सै.स्कूल देवास से हिंदी विभाग प्रमुख के रूप में सेवानिवृत्त।

प्रकाशित पुस्तकें- एलबम, एक मुठ्ठी मिट्टी, खिड़की (लघुकथा संग्रह), तरंगिणी, रणवीर, मुठ्ठी में चाँद (काव्य संग्रह), पथ के पन्ने (यात्रा वृत्तांत)। रचनाएं सुप्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित।

सम्मान- लघुकथा विधा एवं काव्य संग्रह प्रकाशन पर कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित, मप्र लेखक संघ का कमला चौबे स्मृति लेखिका सम्मान २०२५, संप्रति- निवास-देवास

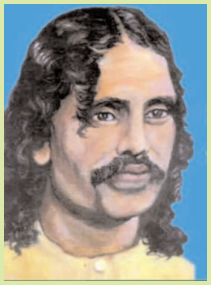

भारतेंदु हरिश्चंद्र की स्मृति में स्थापित है सम्मान

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म ९ सितंबर १८५० को हुआ। उन्होंने ६ जनवरी १८८५ को देह त्याग किया ऐसा कहा जाता है। वे हिन्दी में आधुनिकता के पहले रचनाकार थे। इनका मूल नाम हरिश्चन्द्र था। भारतेन्दु उनकी उपाधि थी।

भारतेंदु हरिश्चंद्र का कार्यकाल युग की सन्धि पर खड़ा है। उन्होंने रीतिकाल की विकृत सामन्ती संस्कृति की पोषक वृत्तियों को छोड़कर स्वस्थ परम्परा की भूमि अपनाई और नवीनता के बीज बोये। हिन्दी साहित्य में आधुनिक काल का प्रारम्भ भारतेन्दु हरिश्चन्द्र से माना जाता है। भारतीय नवजागरण के अग्रदूत के रूप में प्रसिद्ध भारतेन्दु जी ने देश की गरीबी, पराधीनता, शासकों के अमानवीय शोषण के चित्रण को अपने साहित्य का लक्ष्य बनाया। हिन्दी को राष्ट्र-भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने की दिशा में उन्होंने अपनी प्रतिभा का उपयोग किया। ब्रिटिश राज की शोषक प्रकृति का चित्रण करने वाले उनके लेखन के लिए उन्हें युग चारण माना जाता है।

भारतेन्दु बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। हिन्दी पत्रकारिता, नाटक और काव्य के क्षेत्र में उनका बहुमूल्य योगदान रहा। हिन्दी में नाटकों का प्रारम्भ भारतेन्दु हरिश्चन्द्र से माना जाता है।

भारतेन्दु के नाटक लिखने की शुरुआत बंगला के विद्यासुन्दर (१८६७) नाटक के अनुवाद से हुई। यद्यपि नाटक उनके पहले भी लिखे जाते रहे किन्तु नियमित रूप से खड़ीबोली में अनेक नाटक लिखकर भारतेन्दु ने ही हिन्दी नाटक की नींव को सुदृढ़ किया।

सम्मान के प्रवर्तक
निर्दलीय प्रकाशन भोपाल/नई दिल्ली

राष्ट्रीय भारतेंदु हरिश्चंद्र जनभाषा शिखर सम्मान की स्थापना निर्दलीय प्रकाशन ने आधुनिक हिंदी साहित्य के पितामह के रूप में ख्यात भारतेंदु हरिश्चंद्र द्वारा प्रवर्त हिंदी भाषा को विश्व व्यापी जनभाषा के रूप में लोकप्रियता प्रदान किए जाने की दृष्टि से की है। निर्दलीय प्रकाशन के ५१वें स्थापना वर्ष २०२४ से यह सम्मान देना आरंभ किया गया है।

टीप- इस वर्ष यह सम्मान श्री हरिकृष्ण 'हरि', श्रीमती शीला श्रीवास्तव एवं श्री अरविंद श्रीवास्तव को दिया जा रहा है।

श्री हरि कृष्ण 'हरि'

जन्म-२ जून १९५४, ग्राम सेरसा (दतिया)
पिता/माता- स्व. श्री नंदूराम/श्रीमती रानी बाई।
पत्नी- श्रीमती राजकुमारी प्रजापति
पुत्र- श्री विशाल कुमार
शिक्षा- स्नातक। मूर्तिकला एवं माटीकला में दक्ष, विद्या वाचस्पिति, साहित्य महामहोपाध्याय।
सेवाएं/ अनुभव- जल संसाधन विभाग में लेखापाल (सेनि)
प्रकाशित कृतियां- नौ पुस्तकें प्रकाशित
विधा- बुंदेली/खड़ी बोली
दायित्व- सचिव, मप्र लेखक संघ, दतिया इकाई
पता- एकता सदन, उन्नाव मार्ग, दतिया

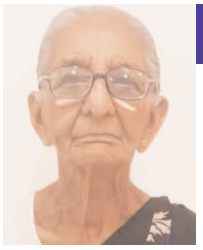

श्रीमती शीला श्रीवास्तव

जन्म - २१ अगस्त १९३८
पिता- स्व. लक्ष्मणप्रसाद श्रीवास्तव
पति- स्व. ओम प्रकाश श्रीवास्तव,
शिक्षा: इंटरमीडिएट, विशारद ,
अनुभव- लक्ष्मी बाई कन्या पाठशाला झाँसी में शिक्षिका, आजीवन सदस्य -मप्र हिंदी लेखिका संघ और बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र भोपाल।
लेखन- हिंदी/ बुंदेली भाषाओं में साहित्य की सभी विधाओं में
प्रकाशन- शब्दों का हार (कविता संग्रह) निराला बचपन (बाल कविता संग्रह) मेरा क्या कसूर (कहानी संग्रह) ।
विशेष- 'निर्दलीय' सहित प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में रचनाओं का प्रकाशन। सम्मान- कई प्रमुख संस्थाओं द्वारा सम्मानित
संपर्क-बी४१३ सागर लैंडमार्क,अयोध्या बायपास भोपाल-४६२०१०

श्री अरविंद श्रीवास्तव

जन्म तिथि- २० जुलाई १९७१
शिक्षा- एम. ए. (हिन्दी साहित्य) एम. एड., वर्तमान पेशा- शिक्षक
अभिरुचि- पढ़ना, पढ़ाना
विधा - कविता, गीत, कहानी, निबंध, लेख, विचार, समीक्षा आदि हिन्दी और बुन्देली में । सम्मान - साहित्य श्री सम्मान, मध्यप्रदेश लेखक संघ, राष्ट्रीय साहित्य वारिधि सम्मान, निर्दलीय, भोपाल/नई दिल्ली।
प्रकाशन- पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित।
निवास- १७३ अर्थ डाइनेस्टी, सोहागपुर, कोलार, भोपाल

योग महर्षि अरविंद घोष की स्मृति में स्थापित है सम्मान

प्रचलित नाम- अरविंद। जन्म - कलकत्ता, बंगाल प्रेसीडेंसी , भारत में १५ अगस्त १८७२ को एक बंगाली कायस्थ परिवार में हुआ, जो वर्तमान पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के कोन्नगर गाँव से जुड़ा था । उनके पिता कृष्ण धुन घोष उस समय बंगाल के रंगपुर में सहायक सर्जन, बाद में खुलना के सिविल सर्जन और ब्रह्मो समाज धार्मिक सुधार आंदोलन के सदस्य थे। उनकी मां स्वर्णलता देवी के पिता श्री राजनारायण बोस भी समाज में एक अग्रणी व्यक्ति थे। अरबिंदो के दो बड़े भाई-बहन थे बिनोयभूषण और मनमोहन , एक छोटी बहन सरोजिनी और एक छोटा भाई बरिंद्र कुमार थे।

युवा अरबिंदो को अंग्रेजी बोलते हुए पाला गया था, लेकिन नौकरों से संवाद करने के लिए वे हिंदुस्तानी का इस्तेमाल करते थे। उनके पिता ब्रिटिश संस्कृति को श्रेष्ठ मानते थे। उन्हें और उनके दो बड़े भाई-बहनों को दार्जिलिंग में अंग्रेजी बोलने वाले लोरेटो हाउस बोर्डिंग स्कूल में भेजा गया, कुछ हद तक उनके भाषा कौशल को सुधारने के लिए और कुछ हद तक उन्हें मानसिक बीमारी से ग्रस्त उनकी माँ से दूर रखने के लिए। दार्जिलिंग भारत में एंग्लो-इंडियन का केंद्र था और स्कूल का संचालन आयरिश नन करती थीं। श्री अरबिंदो एक भारतीय दार्शनिक , योगी , महर्षि , कवि और राष्ट्रवादी थे । वे एक पत्रकार भी थे , जिन्होंने वंदे मातरम जैसे समाचार पत्रों का संपादन किया तथा स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुए किंतु १९१० में एक आत्मिक योगी एवं आध्यात्मिक सुधारक बन कर पांडिचेरी में आश्रम स्थापित किया जहां उनका निधन ५ दिसम्बर १९५० को हुआ।

सम्मान के प्रवर्तक निर्दलीय प्रकाशन भोपाल/नई दिल्ली

राष्ट्रीय महर्षि अरविंद योग साधना शिखर सम्मान की स्थापना निर्दलीय प्रकाशन ने वर्ष २०२४ से अरविंद की योग साधना को ध्यान में रखते हुए की है ताकि भारतवासियों को योग गतिविधियों को अपनाने एवं बढ़ावा देने हेतु प्रेरित किया जा सके।

इस वर्ष यह सम्मान योगाचार्य श्री अशोक कुमार जैन, श्री चिंतन त्रिवेदी एवं श्रीमती लीना त्रिवेदी को दिया जा रहा है।

योगाचार्य अशोक कुमार जैन

जन्म- १४ मई १८५१, ग्राम पोचानेर जिला-शाजापुर (मध्यप्रदेश)
ब्रह्मलीन-मां/पिता- श्रीमती सुगन बाई, खुशीलालजी, पत्नी- ब्रह्मलीन मनोरमा जी
पुत्र-पुत्री- श्री दीपक जैन, श्री प्रकाशचंद्र जैन, श्री राकेश जैन, पुत्री/दामाद: श्रीमती ज्योति/रजनीश जैन
शिक्षा- इंटरमीडियट (भोपाल में वर्ष १९६२ से)
पेशा: वस्त्र उद्यम,ट्रेडिंग कंपनी, जैन कटपीस,
विशेष- चार योगाभ्यास केंद्रों का संचालन, निशुल्क प्रशिक्षण
योगाभ्यास- डॉ के एम गांगुली के पास एक दशक तक शिक्षण।
योगगुरु- योगाचार्य डॉ. के एल गांगुली (ब्रह्मलीन) तथा योगाचार्य श्री फूलचंद जैन (संप्रति ९५ वर्ष)
निवास- १३ एक बी सेक्टर, विजय नगर, लालघाटी, भोपाल

श्री चिंतन त्रिवेदी

शिक्षा- स्नातकोत्तर (योग), प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रम, एक्यूप्रेशर
विशेष- स्वास्थ्य शिविरों में योग की सभी विधियों में शिक्षण-प्रशिक्षण, विभिन्न संगोष्ठियों में भागीदारी
सम्मान- मंगोलियो योग फेडरेशन, भारतीय दूतावास द्वारा प्रशंसा पत्र, अंतरराष्ट्रीय थैरापिस्ट रिसर्च एसोसिएशन, नोएडा द्वारा भारत भूषण अवॉर्ड, विश्व आरोग्य संवर्धन संस्थान दिल्ली के डॉक्टरेट अवॉर्ड उत्सव में गेस्ट ऑफ ऑनर अवार्ड, भारतीय योग थैरापिस्ट संस्था (हरियाणा) द्वारा योग शिक्षक व थैरापिस्ट अवॉर्ड सहित कई संस्थाओं द्वारा प्रशंसित।
पता- ३ जीवन नगर, रैया सर्कल, राजकोट- ३६०००७

श्रीमती लीना त्रिवेदी

शिक्षा- स्नातकोत्तर (योग), प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रम।
संप्रति-गुजरात एवं देश के कई योग व आयुर्वेद केंद्रों तथा नैसर्गिक उपचार ग्रहों से जुड़कर योग की सभी विधाओं के साथ ही प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षण-प्रशिक्षण।
विशेष- संगोष्ठियों में भागीदारी,
सम्मान- मंगोलियो योग फेडरेशन, भारतीय दूतावास द्वारा प्रशंसा पत्र, अंतरराष्ट्रीय थैरापिस्ट रिसर्च एसोसिएशन, नोएडा द्वारा भारत भूषण अवॉर्ड, भारतीय योग थैरापिस्ट संस्था (हरियाणा) द्वारा योग शिक्षक व थैरापिस्ट अवॉर्ड सहित कई संस्थाओं द्वारा प्रशंसित।
पता- ३ जीवन नगर, रैया सर्कल, राजकोट- ३६०००७

जिनकी स्मृति स्थापित है यह सम्मान

श्री बालकवि बैरागी

(मूल नामः नंदराम दास बैरागी)

हिन्दी कवि-लेखक एवं राजनीतिज्ञ श्री बालकवि बैरागी का जन्म १० फरवरी १९३१ को मंदसौर की मनासा तहसील के रामपुरा गाँव में हुआ। शिक्षा-विक्रम विश्वविद्यालय से हिंदी में एमए। मप्र सरकार में मंत्री तथा लोकसभा के सदस्य रहे। बचपन से ही काव्य लेखन तथा काव्य- मंचों पर लोकप्रिय रहे। मुख्य काव्य-संग्रह हैं- गौरव-गीत, दरद दीवानी, दो टूक, भावी रक्षक देश के आदि। श्री बालकवि बैरागी ने एक साक्षात्कार में स्वयं बताया कि मेरी कविता पर तीन महाकवियों का सीधा प्रभाव है- स्व. पं. भवानी प्रसाद मिश्र, स्व. राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर और डा. शिवमंगल सिंहजी 'सुमन'। वैसे ही मेरे गद्य के शिल्पी रहे सर्वश्री धर्मवीर भारती, महावीर अधिकारी, राहुल बारपुते एवं राजेन्द्र माथुर जैसे महान पत्रकार। मैं वैसे अपने गद्य के मामले में सम्पादकाचार्य पं. श्री कन्हैयालालजी मिश्र 'प्रभाकर' (स्वर्गीय) का सीधा 'एकलव्य' हूँ।

श्री बैरागी के मंत्रित्वकाल में उनके निवास पर नवोदित साहित्य परिषद की ओर से निर्दलीय प्रकाशन के संस्थापक संपादक कैलाश आदमी द्वारा राष्ट्रकवि रामधारी से सिंह दिनकर के सम्मान में ऐतिहासिक काव्यगोष्ठी आयोजित की गई जिसका संचालन श्री आदमी ने किया। इस गोष्ठी में डॉ. प्रभु दयाल अग्निहोत्री, डॉ. चंद्र प्रकाश वर्मा, दुष्यंत कुमार त्यागी, जीवन लाल वर्मा विद्रोही सहित तत्कालीन सभी प्रमुख कवियों ने हिस्सा लिया।

अधिगमन-१३ मई २०१८।

सम्मान के प्रवर्तक निर्दलीय प्रकाशन भोपाल/नई दिल्ली

राष्ट्रीय बालकवि बैरागी विद्या वर्धन शिखर सम्मान की स्थापना निर्दलीय प्रकाशन ने वर्ष २०२४ से श्री बाल कवि बैरागी के साहित्यिक क्षेत्र में दिए गए योगदान को ध्यान में रखते हुए की है ताकि साहित्य साधकों को समय-समय पर सम्मानित किया जा सके तथा नए रचनाकारों को साहित्यिक गतिविधियों को अपनाने एवं बढ़ावा देने हेतु प्रेरित किया जा सके।

इस वर्ष यह सम्मान श्रीमती सोनिया नायडू, इंजी. हरिप्रकाश गुप्ता 'सरल' एवं श्रीमती साबिरा रानीवाला को दिया जा रहा है।

श्रीमती सोनिया नायडू

जन्म २ दिसंबर १९७८
पिता/माता - रजत कुमार घोष, चीनू घोष
पति - स्वर्गीय शैलेंद्र नायडू
शिक्षा- पोस्टग्रेजुएट
लेखन विधा - कविता, ग़ज़ल, कहानी आदि
उपलब्धियां - प्रेरणा साहित्य संगम मंच दिल्ली, भिलाई वाणी एस .एच .एम . वी . फाउंडेशन, तेलंगाना, साहित्य संगम बुक्स बोकारो , अलग-अलग साहित्यिक मंचों में कवि गोष्ठियों में रचना पाठ।
योग्यताएं - शिक्षिका, पशु संरक्षक, समाजसेवा, अदाकारा, नृत्यांगना, गायिका एवं कला क्षेत्र रंगमंच थिएटर से २५ साल से जुड़ी हुई ।
पता- ग्रीन वैली आइरिस ९६, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) ।

श्री हरि प्रकाश गुप्ता 'सरल'

व्यवसाय - अधीक्षण अभियंता (सेनि) छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी
शौक- लिखना और पढ़ना, कवि गोष्ठियों एवं सम्मेलनों में शामिल होना। प्रकाशन- एकल काव्य संग्रह ४ और सांझा काव्य संग्रह ७२ प्रकाशित
सम्मान-सखी साहित्य परिवार, आगमन , उदीप्त प्रकाशन, दुर्ग फाउंडेशन, नर्मदा प्रकाशन, प्रजातंत्र का स्तंभ अनुराधा प्रकाशन , लम्हे जिंदगी के , युग फाउंडेशन और काशी हिंदी विद्यापीठ वाराणसी, अंतरराष्ट्रीय ठहाका महोत्सव उज्जैन और राष्ट्रीय हिंदी साहित्य बहुउद्देशीय संस्थान, भाव्या फाउंडेशन जयपुर, जगदीश साहित्य संस्थान प्रयागराज द्वारा सम्मानित।
पता- भिलाई , छत्तीसगढ़

श्रीमती साबिरा रानीवाला

जन्म-२० अगस्त १९७२, उदयपुर (राजस्थान)
शैक्षणिक योग्यता- कला स्नातक
रूचि- शायरी, गज़ल एवं गीत लेखन
अनुभव- गज़ल एव शायरी लेखन कार्य एक साल से अनवरत।
प्रेरणा स्त्रोत- सुश्री निर्मल गर्ग, पूर्व प्राचार्य
प्रकाशन- निर्दलीय सहित देश की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में रचनाओं का प्रकाशन
वर्तमान पता- खरोल कोलोनी, शिव बाड़ी,
उदयपुर (राजस्थान)
मेल- isabirapalanawala97@gmail.Com

राष्ट्रीय हुकुम पाल सिंह विकल शिक्षा साहित्य सम्मान

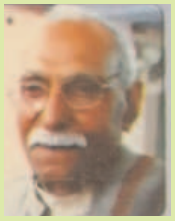

डॉ. हुकुम पाल सिंह 'विकल' की स्मृति में स्थापित है सम्मान

जन्म-१ जनवरी १९३५
गाँव जिरोली डोर (अलीगढ़)

शिक्षा-स्नातकोत्तर (हिन्दी, संस्स्कृत, भूगोल) पीएचडी

सेवाएं-भोपाल राज्यांतर्गत शिक्षा विभाग में शालेय शिक्षक दिसंबर १९५४ से। १९९५ में प्राचार्य पद से निवृत्त। म.प्र. माध्यमिक शिक्षा मंडल पाठ्य पुस्तक समिति के सदस्य रहे। सेवानिवृत्ति के पूर्व से ही निर्दलीय प्रकाशन के संरक्षक सह सलाहकार के रूप में सेवाएं देते रहे।

लेखन विधा-काव्य सृजन, निबंध, समीक्षा, आमुख लेखन आदि।

काव्य कृति- 'देती है आवाज नदी' प्रकाशित

साहित्यिक अवदान- वे हिंदी साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय रहे और विशेष रूप से नवगीत या प्रगतिशील काव्यधारा से संबंधित कार्यक्रमों में भाग लेते रहे। भोपाल में साहित्यकारों के बीच एक प्रतिष्ठित व सम्मानित नाम रहा है। फरवरी २०१३ में, वे मायाराम सुरजन स्मृति भवन (मध्यप्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन) में आयोजित एक काव्य चर्चा कार्यक्रम में वक्ता के रूप में शामिल हुए थे, जहाँ उन्होंने विजय अग्रवाल की कविताओं पर अपने विचार व्यक्त किए। पहचान- उन्हें वरिष्ठ कवि और साहित्यकार के रूप में जाना जाता है।

विशेष- उन्होंने रायसेन जिले के बरेली व उदयपुरा क्षेत्र की शालाओं में सेवाएं दी। सेवा निवृत्ति के पूर्व भोपाल जिले के बैरसिया तहसील मुख्यालय स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य रहे।

सम्मान के प्रवर्तक
निर्दलीय प्रकाशन भोपाल/नई दिल्ली

राष्ट्रीय हुकुमपाल सिंह विकल शिक्षा साहित्य सम्मान की स्थापना निर्दलीय प्रकाशन ने वर्ष २०२४ से श्री हुकुमपाल सिंह विकल के साहित्यिक क्षेत्र में दिए गए योगदान को ध्यान में रखते हुए की है ताकि साहित्य साधकों को समय-समय पर सम्मानित किया जा सके तथा नए रचनाकारों को साहित्यिक गतिविधियों को अपनाने एवं बढ़ावा देने हेतु प्रेरित किया जा सके।

इस वर्ष यह सम्मान श्रीमती रमा निगम (बंगलुरू), श्रीमती तरूणा चौहान एवं श्रीमती प्रमिला विनोद चतुर्वेदी (भोपाल) को दिया जा रहा है।

श्रीमती रमा निगम

जन्म- १५ अगस्त १९६२, पति - स्व. सुधीर कुमार निगम, पुत्र अधिवक्ता (बेंगलुरू),
शिक्षा- एम-ए.(अर्थशास्त्र) बी एड,एल एल.बी। व्यवसाय- भारत संचार निगम से सेवा निवृत,महिला उत्पीड़न विभाग की सदस्य के रूप में पांच वर्ष से अधिक का अनुभव। टेलीकॉम वर्किंग वुमन ऑर्गनाइजेशन में एक्जीक्युटिव मेम्बर।
संप्रति-साहित्यकार। पूर्व साहित्य संपादक निर्दलीय मासिक पत्रिका एवं वर्तमान में उप संपादक मेहरा दर्शन समाचार पत्र। देश के विभिन्न समाचार पत्र पत्रिकाओं में लेखन का कार्य। भारतीय पत्रकार महासंघ में प्रदेशाध्यक्ष रहीं। संस्कार सेना में प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ।भारत तिब्बत सहयोग मंच भारत, मध्य- भारत - प्रांत उपाध्यक्ष।
विशेष- देश की कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से सम्मान प्राप्त।
निवास- अवधपुरी, भोपाल

श्रीमती तरूणा चौहान

श्रीमती तरुणा चौहान
जन्म- १७ दिसंबर १९७२
पिता/माता - मदन लाल जी, विमला जी
पति - राकेश चौहान जी
बेटा - मीमोह चौहान, बेटी - मीमांसा
शैक्षिक योग्यता - स्नातकोत्तर (समाजशास्त्र), संगीत शिक्षा - गन्धर्व विश्वविद्यालय, लय तरंग ग्रुप कराओके क्लास
व्यवसाय - शिक्षिका, शासकीय नवीन विद्यालय, चूना भट्टी, भोपाल

श्रीमती प्रमिला विनोद चतुर्वेदी

जन्म तिथि- १ जनवरी १९८०
पिता-श्री जगदीश प्रसाद मिश्र
माता - श्री मती कमला मिश्रा
पति - श्री विनोद चतुर्वेदी
पुत्र - स्वास्तिक चतुर्वेदी, पुत्री - डॉक्टर स्वाति चतुर्वेदी / डॉक्टर श्रद्धा चतुर्वेदी, शिक्षा- स्नातकोत्तर (हिन्दी)
सेवाएं/अनुभव- हिंदी शिक्षिका मानसरोवर विद्यालय
रुचि- प्रेरणास्पद लेखन, गीत, कविता, सुविचार
संपर्क- ८८७१४१७५७९

राष्ट्रीय समाज गौरव शिखर सम्मान

जिनकी स्मृति में यह सम्मान स्थापित है

श्री गब्बरसिंह मारण द्वारा अपने माता-पिता - स्व. श्रीमती सावित्री मारण एवं स्व. प्रभुलाल मारण (कृषक एवं समाजसेवी) की स्मृति में स्थापित

सम्मान के प्रवर्तक
श्री गब्बर सिंह मारण

जन्म: १२ दिसंबर १९७५ रातीबड़ (भोपाल)
पिता - स्व. प्रभुलाल मारण (कृषक सह समाजसेवी)
मां: स्व. श्रीमती सावित्री मारण (गृहणी)
पेशा: समाजसेवा, भू उद्यमी
विशेष: निर्दलीय समाचार पत्र समूह सह प्रकाशन तथा दृष्टि जन संगठन द्वारा प्रतिवर्ष आहूत होने वाले शिविरों से बीते करीब ३० वर्ष से संबंद्धता तथा परिजनों की सहभागिता भी कराई। संबंधियों को तन-मन-धन से सहयोग प्रदत्त कर रोजगार में लगाया तथा आवास प्रबंध किया।
परिवार: पत्नी श्रीमती सुनीता मारण (गृहणी)
पुत्री: कुमारी भारती मारण (आहार व पोषण विशेषज्ञ)
पुत्र: कुमार विस्मित मारण (जिला व उच्च न्यायालय जबलपुर से संबंद्ध, वरिष्ठ युवा अधिवक्ता)
सम्मान: सामाजिक प्रतिबद्धता व निर्दलीय को अवदान स्वरूप निर्दलीय वार्षिकोत्सव में करीब १२ वर्ष पूर्व विभूषित तथा उद्यमी एवं जातीय सामाजिक संगठनों से सम्मानित।
विदेश यात्रा: सिंगापुर, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात व नेपाल प्रवास किया।
निवास: ग्राम रातीबड़, तहसील हुजूर, भदभदा बिल्किसगंज मार्ग, जिला भोपाल ४६२०४४

इस वर्ष यह सम्मान डॉ शशांक झा, श्री जितेंद्र चतुर्वेदी एवं श्री सुरेश दीपके को दिया जा रहा है।

डॉ. शशांक झा

पद- आयुर्वेदाचार्य और चिकित्सा विशेषज्ञ
योग्यता- एम.डी. (कायचिकित्सा) आयुर्वेद की एक प्रमुख शाखा है जिसमें दवाओं और विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के जरिए आंतरिक रोगों का इलाज किया जाता है।
कार्यक्षेत्र- वे भोपाल स्थित शासकीय आयुर्वेद अस्पताल और आयुष विभाग के विभिन्न प्रोजेक्ट्स व चिकित्सा केंद्रों से जुड़े हैं।
विशेष- कोविड-१९ के दौरान क्लिनिकल ट्रायल- कोरोना महामारी के दौरान प्रदेश आयुष विभाग द्वारा तैयार किए गए विशेष आयुर्वेदिक काढ़े के क्लीनिकल ट्रायल शोध कार्य में डॉ. झा बतौर आयुर्वेद विशेषज्ञ शामिल थे।

श्री जितेंद्र चतुर्वेदी

जन्म- २१ मई १९८७
पिता- स्व. श्री श्याम सुंदर चतुर्वेदी
माता-श्रीमती गिरजा चतुर्वेदी
पत्नी-श्रीमती गीता चतुर्वेदी
शिक्षा- स्नातकोत्तर (वाणिज्य, व्यापार प्रबंध एवं समाजकार्य), सेवाएं- विकासखंड प्रबंधक आजीविका मिशन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मप्र शासन, ओबेदुल्लागंज (जिला रायसेन), रुचियां- सामाजिक कार्य, सम्मान- जिला पंचायत रायसेन द्वारा शासकीय सेवा में उत्कृष्टता हेतु प्रशंसा पत्र व रवींद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में सम्मानित, पता- एमआईजी ७ कान्हा कुंज, कोलार मार्ग, भोपाल

श्री सुरेश दीपके

उम्र-५०
पिता- नामदेव दीपके
कार्य- वर्ल्ड विजन इंडिया एजेंसी के मातहत ८ वर्ष से स्वास्थ्य स्वयं सेवक। पिपलानी, अन्ना नगर व कोलार क्षेत्रस्थ झुग्गियों में जाकर गर्भवती और धात्री माता के पतियों को जानकारी देना व सलाह देना। पतियों को भी सलाह देना कि पत्नी और शिशु की देखभाल कैसे करें। विशेष- एम्स हॉस्पिटल के पास बाबा नानक प्रेरणा सेवा समिति द्वारा जरूरतमंदों के हितों हेतु चल रही लंगर सेवा में निस्वार्थ सेवा कार्य।
पता- ४०८ न्यू शिव नगर, आनंद नगर, भोपाल

राष्ट्रीय जय प्रकाश-प्रभावती आदर्श दाम्पत्य सम्मान

जयप्रकाश नारायण-प्रभावती की स्मृति में स्थापित है सम्मान

भारत रत्न श्री जयप्रकाश नारायण का जन्म ११ अक्टूबर, १९०२ को सिताब दियारा (बिहार) में। प्रभावती जी के साथ विवाह अक्टूबर १९२० में। वे १९२२ में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गये, जहाँ उन्होंने १९२२-१९२९ के बीच कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय-बरकली, विसकांसन विश्वविद्यालय में समाज-शास्त्र का अध्ययन किया। मंहगी पढ़ाई के खर्चों को वहन करने के लिए उन्होंने खेतों, कम्पनियों, रेस्त्रा में काम किया। १९४८ में उन्होंने कांग्रेस के समाजवादी दल का नेतृत्व किया और बाद में गांधीवादी दल के साथ मिलकर समाजवादी सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना की। १९ अप्रैल, १९५४ को गया उन्होंने विनोबा भावे के सर्वोदय आन्दोलन के लिए जीवन समर्पित। देहावसान ८ अक्टूबर, १९७९।

सम्मान के प्रवर्तक
निर्दलीय प्रकाशन भोपाल/नई दिल्ली

जय प्रकाश-प्रभावती सफल दाम्पत्य शिखर सम्मान की स्थापना निर्दलीय प्रकाशन ने श्री जयप्रकाश नारायण- श्रीमती प्रभावती के सफल दांपत्य जीवन के उपलक्ष्य में शुरू किया है। वे अपनी पत्नी प्रभावती के साथ वर्ष १९७२ में भोपाल आए तब निर्दलीय प्रकाशन के संस्थापक संपादक श्री कैलाश आदमी ने तरूण शांति सेना के संगठक एवं गांधी शांति प्रतिष्ठान के कार्यकर्ता के रूप में रेलवे स्टेशन से अगुआई की तथा भोपाल में उनकी जनसभाएं कराईं तथा चंबल घाटी और विंध्य क्षेत्र के बागियों-दस्युओं के आत्मसमर्पण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस वर्ष यह सम्मान श्री मोहन दीक्षित-श्रीमती गीता कड़वे और श्री समर बहादुर-श्रीमती अर्पणा आर्या को दिया जा रहा है।

श्री मोहन दीक्षित

विधि, सामाजिक न्याय एवं गांधीवादी विचारों के माध्यम से समाज में जागरूकता, समानता और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करना तथा अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने हेतु सतत कार्य।

वर्तमान दायित्व- कार्यालय मंत्री, मध्य प्रदेश सर्वोदय मंडल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, खुदाई खिदमतगार एवं नई तालीम, संस्थापक- मध्य प्रदेश लॉ सर्किल। न्याय मैत्री फैलोशिप में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के १० युवा वकीलों के लिए मेंटर के रूप में कार्यरत। कार्य अनुभव- पिछले ७-८ वर्षों से अधिवक्ता के रूप में सक्रिय कार्य। युवाओं को सामाजिक, राजनीतिक जागरूकता एवं अधिकार आधारित आंदोलनों से जोड़ने का कार्य।

पता- एच.आई.जी. १०९, क्वालिटी होम्स, कोलार, भोपाल

श्रीमती गीता कड़वे

कार्य/अनुभव- सामाजिक एवं राजनीतिक विकास के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाना। संवैधानिक मूल्यों के माध्यम से जनजागरुकता को सशक्त बनाना, महिला सशक्तिकरण एवं युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना, समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों एवं भागीदारी को मजबूत करना। वर्तमान दायित्व- राष्ट्रीय सचिव एवं महाराष्ट्र प्रभारी, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भोपाल संभाग प्रभारी, मप्र युवा कांग्रेस, राज्य समन्वयक एवं मध्य प्रदेश प्रभारी, शक्ति अभियान, पूर्व में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की राष्ट्रीय संयोजक।

पता - ग्राम सिराठा, ब्लॉक पांढुर्णा (छिंदवाड़ा) 480334

श्री समर बहादुर

साहित्यिक उपनाम- सरोज
पेशा- वरिष्ठ अधिवक्ता सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय ।
शिक्षा- एमएस.सी, एलएल.बी इलाहाबाद। लेखन-गद्य-पद्य ।
विशेष- बार काउंसिल ऑफ इंडिया ट्रस्ट में राज्य की ओर से प्रतिनिधि । केंद्र सरकार, राज्य सरकार के अधिवक्ता।
साहित्य सृजन- निर्दलीय एवं हिमालय का संदेश सहित प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में विशेषकर विधिक लेख और कविताओं का प्रकाशन। विशेष- अंतरराष्ट्रीय मंच पर काव्य पाठ।
निवास-प्रयागराज।

श्रीमती अर्पणा आर्या

पिता- श्री हीरा लाल, माता- सुखदा इंदु आर्या
पति- श्री समर बहादुर (वरिष्ठअधिवक्ता)
शिक्षा- स्नातकोत्तर (प्राचीन इतिहास, हिन्दी,शिक्षा) स्नातक- संस्कृत (एकल-विषय)
कार्यानुभव-प्रवक्ता (हिन्दी), द्वारका गर्ल्स इंटर कॉलेज, प्रयागराज
सम्मान- निराला साहित्य सम्मान सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सम्मानित। लेखन कार्य-मैंने जो लिखा, हिमालय सा ज्वालामुखी। निवास-प्रयागराज

जिनकी स्मृति में स्थापित है सम्मान

डॉ. ब्रह्म देव शर्मा (डॉ. बी.डी. शर्मा)

जन्म- १६ जून, १९३१

सेवा/अनुभव- १९५६ बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के चर्चित अधिकारी, लेखक और अग्रणी सामाजिक कार्यकर्ता, जिन्होंने अपना जीवन आदिवासी और हाशिए पर रहने वाले लोगों के संविधान में प्रदत्त अधिकारों को मुहैया कराने के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयुक्त (1986-1991) के रूप में कार्य किया और भारत में आदिवासी कल्याण नीतियों को आकार देने हेतु भारत जन आंदोलन की स्थापना कर उसके माध्यम से संघर्षपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने अविभाजित बस्तर (मध्य प्रदेश) के जिलाधीश के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के लिए विशिष्ट विकास निधि आवंटित करने हेतु जनजातीय उप-योजना रणनीति की अवधारणा प्रस्तुत की और १९८१ से १९८६ तक उत्तर-पूर्वी पहाड़ी विश्वविद्यालय (शिलांग) के कुलपति के रूप में कार्य किया। जनजातीय कानून के जनक डॉ. शर्मा ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति निगम के शीर्ष पद पर आसीन होकर दो ऐतिहासिक कानूनों के मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें पीईएसए- पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, १९९६ एवं एफआरए अनुसूचित जनजातियां और अन्य पारंपरिक वनवासी (वन अधिकार मान्यता) अधिनियम, २००६ उल्लेखनीय हैं। वे एक विपुल लेखक और मानवविज्ञानी थे जिन्होंने ग्रामीण संकटों और स्वदेशी अधिकारों पर कई पुस्तकें लिखीं। उनका निधन ६ दिसंबर, २०१५ को हुआ।

सम्मान के प्रवर्तक
निर्दलीय प्रकाशन भोपाल/नई दिल्ली

डॉ. ब्रह्मदेव शर्मा निर्दलीय प्रकाशन भोपाल/नई दिल्ली के सलाहकार सह संरक्षक रहे। प्रकाशन का कार्यालय उनके नई दिल्ली स्थित निवास पर रहा। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी पद पर रहते हुए शासकीय विश्राम गृहों में ना रुकते हुए प्रायः मेरे निवास पर ही रुकते थे तथा अपने छत्तीसगढ़ अंचल प्रवास में मुझे साथ ले जाते थे। नर्मदा बचाओ आंदोलन एवं जमीन से जुड़े कई आंदोलनों में उनकी अहम भूमिका रही तथा इस दौरान भी वे मुझे अहमियत देते रहे। - कैलाश आदमी

इस वर्ष यह सम्मान डॉ. एस. सूर्यप्रकाश (परिचय पृष्ठ ७ पर), श्री रोहित शर्मा एवं डॉ. शिव कुमार मिश्र 'अलग' को दिया जा रहा है।

श्री रोहित शर्मा

पिता/माता- श्री रवेन्द्र प्रसाद शर्मा/ श्रीमती आशा शर्मा

पत्नी-श्रीमती सोनम शर्मा, बच्चे- सुश्री परिधि शर्मा एवं महेंद्र शर्मा

वर्तमान पद एवं पता- उप-कुलसचिव, राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय भोपाल

अनुभव - राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में परीक्षा प्रशासन का १६ वर्षों का व्यापक और गहन अनुभव।

प्रबंधन - कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट कार्यालय की स्थापना के समय से ही परीक्षा के कुशल संचालन, प्रबंधन और परीक्षा परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका।

सदस्यता- केंद्र सरकार के विभिन्न संगठनों और अन्य बाहरी संस्थानों की विविध प्रशासनिक व शैक्षणिक समितियों में सदस्य के रूप में सक्रिय योगदान।

सम्मान / उपलब्धियाँ - उत्कृष्ट प्रशासनिक सेवाओं के लिए विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा सम्मानित।

शिक्षा-एमसीए, एमसीएलआईएस (सायबर सुरक्षा)

रुचियाँ - पुस्तक पढ़ना और जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता/सामाजिक कार्य करना।

उद्देश्य - अपनी निष्ठा और प्रतिबद्धता के माध्यम से उच्च शिक्षा प्रशासन की उत्कृष्टता एवं संस्थागत विकास में निरंतर योगदान देना।

पता- राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय, केरवा डैम रोड, भोपाल, मध्य प्रदेश - 462044

ई-संपर्क (मेल) dr@nliu.ac.in

डॉ. शिव कुमार मिश्र 'अलग'

शिक्षा: पीएच.डी., स्नातकोत्तर (हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान) विधि स्नातक।

सेवानुभव-से.नि. संयुक्तायुक्त भू.अ.ग्वा. (म. प्र.शासन)

प्रकाशन-निर्दलीय सहित देश के प्रमुख समाचार पत्र-पत्रिकाओं में अनेक जन उपयोगी रचनाओं का प्रकाशन

पता-१११, सरस्वती नगर, वि वि.मार्ग, ग्वालियर

जिनकी स्मृति में स्थापित है सम्मान

पं. ओम प्रकाश चौरसिया

जन्म-१५ फरवरी १९४६ सागर, मध्यप्रदेश में। संगीत की ओर रुझान अपने मामा श्री मदन चौरसिया की प्रेरणा से। हारमोनियम और तबले की आरम्भिक शिक्षा प्रताप मास्टर के सन्निध्य में। तत्पश्चात कला व संगीत में स्नातक, तबला, स्नातकोत्तर संगीत, गायन की शिक्षा तथा पं. लालमणि मिश्र के सान्निध्य में शततंत्री वीणा (संतूर) का गहन प्रशिक्षण। भारत सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा संतूर की उत्पत्ति और विकास विषयक शोध कार्य के लिए फेलोशिप। देश-विदेश की अनेक प्रतिष्ठित सांगीतिक समारोहों में शिरकत। वृन्दगान और वृन्दवादन की मौलिक रचनाएँ, प्रयोग और निर्देशन। सांस्कृतिक संस्था मधुकली की स्थापना। आकाशवाणी और दूरदर्शन में संतूर के 'ए' ग्रेड के कलाकार और कंपोज़र। संपादन - श्रुति और स्मृति, शास्त्रीय संगीत और नवाचार, संगीत और समाज, वीणा-वाणी। संगीत निर्देशन- टेलीफिल्म 'ग्वालियर घराना', द सेक्रेड अर्थ, आज़ादी का महासमर। नाटक - चंदा बेड़नी, आगरा बाजार, कबीरा खड़ा बाज़ार में, जगर मगर अंधेर नगर, सलोनी गौरैया। ऑडियो कैसेट - देश गीतांजलि वंदेमारतम्, श्री गुरु चरण वंदना। उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत अकादेमी भोपाल में संचालक रहे। ७१ वर्ष की आयु में निधन।

सम्मान की प्रवर्तक
श्रीमती संध्या चौरसिया

पत्नी स्व. ओमप्रकाश चौरसिया।

शिक्षा- स्नातक
दिल्लीविश्वविद्यालय
आईसीडब्ल्यू आई
स्नातकोत्तर- दूरस्थ शिक्षा ।
सेवा/अनुभव- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से उप सचिव पद से सेवा निवृति उपरांत कंसलटेंट, ऑल इण्डिया कौंसिल ऑफ़ टेक्निकल एजुकेशन ।
निवास- आकृति गार्डन, पुलिस पेट्रोल पंप के सामने, भोपाल

इस वर्ष यह सम्मान श्रीमती दुर्गा सुनील मिश्रा, श्री प्रबुद्ध मिश्रा और श्री धर्मेंद्र कुमार मिश्रा को दिया जा रहा है।

श्रीमती दुर्गा मिश्रा

शिक्षिका,समाज सेविका व कलाकार
शिक्षा: स्नातकोत्तर (राजनीति विज्ञान, कथक नृत्य), बी.एड., संगीत भास्कर एवं संगीत प्रभाकर, लाइट म्यूजिक में सीनियर डिप्लोमा। उपलब्धियां: राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय रासेयो पुरस्कार, स्वयं सिद्धा सम्मान, भोपाल रत्न सम्मान। खजुराहो नृत्य महोत्सव 2024 में कथक नृत्य के विश्व रिकॉर्ड में सम्मिलित।
समय समय पर दूरदर्शन पर कार्यक्रमों का प्रसारण
निवास- भोपाल

श्री प्रबुद्ध मिश्रा

आयु- २४ वर्ष
पिता- श्री मुन्नालाल मिश्रा
विशेष- युवा जगत का वह स्टार है जिसने कम उम्र में अपने मधुर कंठ से गीत, भजनों के माध्यम से प्रदेश में यश, कीर्ति व सम्मान अर्जित किया है। संभागीय संगीत प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान तथा जिला अवॉर्ड प्राप्त किया है। संगीत के भजनों की पांच कैसेट जारी हुई है। सारे देश में प्रख्यात बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भजन, गीत गायन में ख्याति प्राप्त हुई। फिल्मी दुनिया के कलाकारों के साथ गिटारवादन में खूब सराहना मिली है। देश के अनेक मंचों एवं दूरदर्शन व आकाशवाणी पर अपनी प्रस्तुतियां दे चुके हैं। निवास- भैरोंबाबा मोहल्ला, टीकमगढ़

श्री धर्मेंद्र कुमार मिश्रा

पिता- विश्वनाथ मिश्रा
पेशा- आजीविका मिशन में प्रबंधक विकास खंड जवेरा (दमोह)
अभिरूचि- रंगकर्म, मंच संचालन, साहित्यधर्मी/कलाप्रेमी, नुक्कड़ नाटकों का मंचन, भारत सरकार की सान्ग एंड ड्रामा डिवीजन में आकस्मिक कलाकार के रूप में उत्कृष्ट कार्य।
अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर उत्कृष्ट कार्य हेतु जिला प्रशासन एवं नेहरू युवा केंद्र से सम्मानित।
निवास- टीकमगढ़

राष्ट्रीय संत माधवानंद विशिष्ट गौरव शिखर सम्मान

जिनकी स्मृति में स्थापित है सम्मान

ब्रह्मलीन माधवलाल जी माधवानंद

जन्म: वर्ष १९०७, ग्राम डुंगासरा, तहसील नई सराय, जिला अशोकनगर, मध्यप्रदेश, देहावसान: निर्जला एकादशी, वर्ष १९९९, अशोक नगर/अंतिम संस्कार-भोपाल।

पेशा: सेवानिवृत्त गिरदावर (राजस्व निरीक्षक), निर्दलीय समाचार पत्र समूह सह प्रकाशन के प्रणेता। परिवार: पत्नी स्व. दाखाबाई, पुत्र: कैलाश आदमी, पुत्र वधु: स्नेह प्रवीण, पौत्र: प्रिंस अभिशेख अज्ञानी, पौत्रियां: विजयलक्ष्मी एवं आस्था।

वृत्ति: आध्यात्मिक, राधा स्वामी सत्संग व्यास, मानस योग साधना समिति, महर्षि महेश योगी व आचार्य रजनीश (ओशो) आदि से संबद्ध रहे। ताउम्र ध्यान साधना में रत रहे।

विशेष: पैतृक निवास स्थान शासकीय कन्या विद्यालय हेतु २४ दिसंबर १९८३ को दान।

जिन्हें सम्मानित किया जा रहा है-

श्री राजकुमार सिंह सिकरवार

स्वामी-आरके एस्टेट,
मुख्य काम- फार्म हाउस प्लॉट्स, कृषि भूमि, आवासीय प्लॉट्स की खरीद-बिक्री। वे मुख्य रूप से भोपाल के आसपास के ग्रामीण और अर्ध शहरी इलाकों में प्रॉपर्टी दिखाते/दिलाते हैं।
मुख्य कार्यालय- पूजा कॉलोनी / फंदा कला, इंद्रा कॉलोनी, खजूरी सड़क, भोपाल (मध्य प्रदेश)

श्रीमती आशा ताई आकोटकर

उत्तम गृहणी, सामाजिक कार्यकर्ता हैं ही बावजूद इसके समाज कार्य के सिलसिले में दो बार लंदन होकर आई हैं। पता-प्लॉट न आर एच ४७, फ्लॅट नं ७, संभाजी नगर, चिंचवड (पुणे), महाराष्ट्र

श्रीमती कांचन ताई

पूरा नाम- कांचनताई केशवराव बोडस
उम ७१ वर्ष, सेनि शिक्षिका, साहित्य बालसंगोपन, युवा मार्गदर्शक एवं सामाजिक कार्यकर्ता निवास- नागपुर

कुमार युवराज कौशल

जन्म-४ अगस्त २००९, पिता श्री धर्मेंद्र कौशल, माता-स्व. श्रीमती साधना कौशल। आत्मकथ्य - 'मैं मेरा समय' काव्य लेखन (हिंदी, अंग्रेज़ी व शायरी लेखन), हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत व सुगम संगीत गायन तथा हारमोनियम वादन व वैदिक शास्त्रों का अध्ययन। पता - ए ४८०, मीनाल, भोपाल

श्री राजेंद्र चतुर्वेदी 'लालजी'

पिता- श्री दामोदर प्रसाद चतुर्वेदी
शिक्षा- स्नातकोत्तर, सेवाएं- विपणन संघ में निरीक्षक पद पर रहते हुए, रंगकर्मी हैं। विशेष कवि सम्मेलनों में सहभागिता, दूरदर्शन आकाशवाणी कलाकार हैं। विरासत कला मंच के सक्रिय पदाधिकारी हैं। रामलीला में भी किरदार निभाते हैं।
निवास- भैरो बाबा गली, टीकमगढ़

कुमारी मिहुं अग्रवाल

पूरा नाम-मिहुं मनोज अग्रवाल
जन्म-२२ जनवरी २०११, नागपुर
पिता/माता-मनोज- सौ. मेघा।
रुचियां: काव्य सृजन, शास्त्रीय गायन, बांसुरी व हार्मोनियम वादन, मॉडलिंग। विदर्भ की राइजिंग स्टार २०२३ की विनर।
पता: ४० वी एच बी शांति नगर, नागपूर ४४०००२

विशिष्ट साहित्य सम्मान-२०२६

सम्मान प्रवर्तक: श्री चंद्र किशोर श्रीवास्तव 'चंदन', कटनी

जिन्हें ये सम्मान दिया जा रहा है-

श्री मुकेश त्रिपाठी

जन्म- १ जनवरी १९८४, पिता: स्व. श्री तुलसीराम त्रिपाठी, लेखन: साहित्य की विभिन्न विधाओं में वर्ष २००१ से निरंतर सृजन, प्रकाशन/प्रसारण: देश की शीर्षस्थ साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं में कविताओं का प्रकाशन, आकाशवाणी के जबलपुर व शहडोल केंद्र से प्रसारण।
संपर्क- प्रज्ञा विहार कालोनी, वार्ड १३, सिहोरा (जबलपुर)

श्री नारायण प्रसाद तिवारी

पिता: स्व. श्री जीपी तिवारी
शिक्षा: स्नातकोत्तर (गणित)
पेशा: शिक्षक
सृजन विधा- गीत, गजल
पता: वार्ड नं. ८, ब्राह्मणपुरा, सिहोरा (जबलपुर)

जिनकी स्मृति में स्थापित है यह सम्मान

उमरिया (म.प्र.) निवासी रामनरेश जी मिश्र ने साहित्यिक संस्था 'वातायन' की स्थापना कर नगर में साहित्यिक गतिविधियों को शिखर तक पहुंचाया। उनके देहावसान के बाद उनके सुपुत्र श्री अनिल कुमार मिश्र ने उनके साहित्य कर्म को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठा रखा है। तद्नंतर उन्होंने निर्दलीय प्रकाशन के सहयोग से पिताश्री की स्मृति में राष्ट्रीय सुर वातायन प्रसून शिखर सम्मान की स्थापना की।

सम्मान के प्रवर्तक : श्री अनिल कुमार मिश्र

जन्म - ३१ मार्च १९५८
शिक्षा - एडवांस इले. इंजी., एम. ए. (समाजशास्त्र, हिंदी)
अभिरुचि - बैडमिंटन, भ्रमण, साहित्य सृजन, पर्यावरण संरक्षण, साहित्य एवं हिंदी भाषा के उन्नयन के लिए कार्य।
संप्रति - कोल माइंस उमरिया से विद्युत पर्यवेक्षक पद से सेवा निवृत्ति पश्चात साहित्य और हिंदी भाषा उन्नयन में लगे हैं।
सम्मान - देश की प्रमुख संस्थाओं द्वारा सम्मानित।

इस वर्ष राष्ट्रीय सुर वातायन प्रसून शिखर सम्मान श्री सुरेश पटवा, श्री राहुल श्रीवास्तव 'राजू', श्री संजय सोनी एवं श्री आलोक श्रीवास्तव को दिया जा रहा है।

श्री सुरेश पटवा

पूरा नाम-सुरेश चंद्र पटवा
जन्म- १० जून १९५२ सुहागपुर
शिक्षा- स्नातकोत्तर (वाणिज्य)
प्रकाशित कृतियां- अब तक २७ पुस्तकें
सम्मान- अब तक १४ सम्मान प्राप्त
वृत्ति- निरंतर अध्ययन और लेखन के साथ दुष्यंत कुमार स्मारक संग्रहालय में संयुक्त सचिव, कला मंदिर में उपाध्यक्ष, वनमाली सृजन केंद्र व भोपाल साहित्य संस्थान से जुड़े हैं।
विशेष- साहित्य समीक्षा व मंच संचालन में सक्रिय, नर्मदा परिक्रमा और सम्पूर्ण सतपुड़ा भ्रमण के अलावा मोटर साइकल से सिक्किम, भूटान, नेपाल और उत्तराखंड की यात्रा। उन्होंने कार द्वारा कलकत्ता से कन्या कुमारी- द्वारकापुरी तक समुद्रतटीय यात्रा के अलावा अमेरिका, यूरोप, मध्यपूर्व एशियाई देशों में जा चुके हैं। संपर्क- रोज ३६७ न्यू मिनाल, भोपाल २३

सुश्री अदिति तिवारी

उपनाम- राजनन्दिनी, घराना- लखनऊ घराना
कथक गुरु- श्रीमती कविता तिवारी
कथक नृत्यशाला-नृत्य वाटिका- इन्दौर
कथक में अनुभव- ८ वर्ष (कथक विशारद सम्पूर्ण - अभा गंधर्व महाविद्यालय मण्डल मुम्बई) शिक्षा- बी.ए. आनर्स (अध्ययनरत)। अवार्ड- 1. अभा सांस्कृतिक संघ पूणे द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय कथक नृत्य प्रतियोगिता दुबई २०१८-१९ (प्रथम पुरस्कार) सहित कई पुरस्कार। विशेष: कथक मार्गदर्शिका पुस्तक (२०२६) निर्दलीय प्रकाशन द्वारा प्रकाशित। संप्रति: इंदौर

श्री बीएल गोहिया

जन्म: ०४ मार्च १९५१, अहमदपुर, जबलपुर
माता/पिता: श्रीमती तारादेवी/श्री रामप्रसाद
जीवन साथी: श्रीमती मीरादेवी गोहिया
सेवाएं: शिक्षा विभाग
प्रकाशन: शब्दों के हरकारे (काव्य संग्रह २०२५)
आत्मकथ्य: मूलत: मैं कवि नहीं हूं, काव्य संबंधी ज्ञान मुझमें नहीं है। साहित्य सृजन ईश्वरीय अनुकंपा व गुरुकृपा से
आश्रय: २१/ फेस ०१ रिवेयरा टाउन, भोपाल ४६२ ००३

श्री संजय सोनी

जन्म-१९७०, भोपाल
शिक्षा- स्नातक
विशेष-रत्न व्यापार एवं आयुर्वेद
सेवाएं/अनुभव- रत्न व्यापार के साथ ही आयुर्वेद विषयक सलाह के माध्यम से विगत तीन दशकों से जनसेवारत।
पता- २३ गुरु नानक परिसर, न्यू मार्केट, भोपाल ४६२ ००३

श्री आलोक श्रीवास्तव

जन्म- २९ मार्च १९८३, भोपाल, शिक्षा- अभियांत्रिकी। कार्यक्षेत्र- दो दशकों (लगभग 20 वर्षों) से अधिक समय से ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय हैं।
मुख्य विधाएं- वैदिक ज्योतिष। वे कुंडली विश्लेषण, ग्रहों के गोचर और जीवन के विभिन्न पहलुओं (जैसे करियर, स्वास्थ्य और विवाह) पर ज्योतिषीय मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। वे वास्तु शास्त्र में भी निपुण हैं। आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों के लिए वास्तु सुधार, दिशा-दोष निवारण और ऊर्जा संतुलन के क्षेत्र में उनकी गहरी पकड़ और सक्रिय भागीदारी है।
पता- अयोध्या बायपास मार्ग, भोपाल

१. श्रीमती प्रिया भारद्वाज, अमेरिका (परिचय पृष्ठ-१०) २. श्री विनोद कुमार विश्वकर्मा, नेपाल (परिचय पृष्ठ-१०) ३. श्री शालिक राम काफ्ले, नेपाल (परिचय पृष्ठ-१०) और ४. श्रीमती बिमला प्रधान जोशी (परिचय पृष्ठ-९ पर)

५. डॉ. वीर बहादुर महतो, नेपाल

प्रकाशित- लोककथा संग्रह चिनगारी (हिन्दी), मगही भाषा के लोकबार्ता, मगही हस्तकला, मगही साहित्यके इतिहास, गौशाला दर्पण, नेपाली लोकवार्ता कोष, मगही भाषा के प्रतिनिधि कविता संग्रह, आधुनिक मगही भाषा ब्याकरण आदि दस कृतियां। अध्ययन अनुसन्धान- पिछडावर्ग के संस्कृति तथा जनजीवन अनुसन्धान, जातजाति मे दहेज प्रथा आदि। १३ देशों का भ्रमण। सम्पर्क- ९८५१२०८१४७

६. श्री डिल्ली राम शर्मा संग्रौला, नेपाल

विभागीय प्रमुख, संस्कृत, पत्रकारिता तथा हिंदी त्रिभुवन विश्वविद्यालय, पद्म कन्या बहुमुखी कैंपस बागबाजार, काठमांडू
शिक्षा- स्नातकोत्तर (कला, शिक्षा) एमफिल
प्रकाशन- काव्य संकलन 'प्रयास', जर्नलों में अनुसंधानात्मक आलेख। हिंदी-नेपाली, नेपाली-हिंदी अनुवाद, संपादक 'दि पब्लिक'। पता: कमल गाँवपालिका 6, झापा, कोशी

७. श्री राधेश्याम विश्वकर्मा, नेपाल

जन्म- १८ जनवरी १९६४ (वि.सं. २०२०/१०/०४
पिता- स्व. श्री नथुनी विश्वकर्मा
भाषा- नेपाली, मैथिली, हिंदी, अंग्रेजी, भोजपुरी, थारू, शिक्षा- अन्तरस्नातक १९८५, स्नातक १९८७
अनुभव- वरिष्ठ सिनेमैटोग्राफर, चलचित्र एवं वृत्तचित्र निर्देशक नमस्ते विजन, मेघा फिल्म, हिमालय फिल्म प्रोडक्शन, यंग नेपाल टेलीविजन जैसे प्रोडक्शन हाउस में सिनेमैटोग्राफर के रूप में कार्यानुभव। कार्यकारी निदेशक- दि सोशलिस्ट पत्रिका, ह्वाइट फिल्म्स, चित्रों में निर्देशन व छांयाकन
पता- सिरहा नगरपालिका वार्ड १, जिला सिरहा, मधेश प्रदेश

८. श्री प्रभात सागर सिंह प्रधान, नेपाल

जन्म- २५ अप्रैल १९५७ शिक्षा- अंतर स्नातक २०३३, स्नातक २०३६, कार्यानुभव- नेपाली फिल्म में अभिनय व निर्देशन प्रकाशन- नेपाली भाषा के पत्र-पत्रिकाओं में आलेख, कविताएं। हिंदी व अंग्रेजी साहित्य में भी दखल। विशेष: अप्शन नेपाल के सलाहकार, अन्य कई संगठनों के पदाधिकारी, नेपाल सरकार व संस्थाओं की संगोष्ठियों में सक्रिय, विशेष- नेपाल के २० जिलों व भारत के कई राज्यों का भ्रमण, पता- जिला सिरहा, मधेश प्रदेश

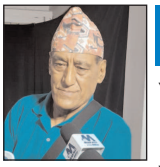

९. श्री बाबू राम श्रेष्ठ,नेपाल

प्रकाशित कृति- दादा भजन संग्रह, वर्षो का थोपा, प्रत्येक पलको, समय की हुरी, कोरोनावायरस के समय की कविताएँ , वर्षा की संकलित, प्रहरी में ३२ वर्ष, खेवाङ डायरी, धार्मिक व सांस्कृतिक यात्रा सहित डेढ़ दर्जन पुस्तकें। कई संस्थाओं के सदस्य। पदक/सम्मान - कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित।
संपर्क- ९८४२०३९६९४, ९८०७०९४९६५

१०. श्री चंद्र कुमार सचेतक

पूरा नाम- चंद्रकुमार रामुदामु 'सचेतक'
जन्म- २५ दिसंबर १९६८ राजबारी, दार्जिलिंग
शिक्षा- स्नातकोत्तर, एमडी, पीएचडी
रुचियां- साहित्य अध्ययन, लेखन, समालोचना।
गंतव्य- गद्य-पद्य की पुस्तकें प्रकाशित करने का इरादा है।
पता- प्लाट सी.-२, ब्लाक-सी, बोधी अपार्टमेंट, सांई नगर, सुकना पार्ट-१, ब्लाक- सुकना, जिला दार्जिलिंग, पं. बंगाल

११. सुश्री सुभद्रा बम्जन

जन्म- २१अप्रैल १९६५, मङ्पु, दार्जिलिंग
माता/पिता स्व. सुकमाया शेर्पा/ गंगा बहादुर
शिक्षा- स्नातक, पेशा- शिक्षण, साहित्यिक लेखन- प्रथम रचना- बाल कविता दीपिका हस्तलिखित पत्रिका (१९७५) में। ६ पुस्तकें प्रकाशित। सह-संपादन- भारतेली नेपाली प्रगतिवादी साहित्य (सोनितपुर, असम) पदाधिकारी/सदस्य- अध्यक्ष- मङ्पु साहित्य संस्थान, सदस्य- नेपाल साहित्य सम्मेलन, दार्जिलिंग, देवकोटा संघ, शिलगढ़ी, त्रिफला राष्ट्रीय पुस्तकालय, नेपाल।

१२. श्री मुक्ति नाथ शर्मा

जन्म-४ जुलाई १९६४, उप नाम - 'शोशित' शिक्षा - कला स्नातक, कृति - कविता संग्रह - मनरमफ २००९, दोछाया २०२४, निबन्ध संग्रह - प्रकरण - २०१२, शोशितका शब्दहरु, मुक्तक संग्रह- २०२५, रुवाई सङ्ग्रह - प्रत्यञ्चा - २०२६
ठेकाना - सुन्तले बस्ती, हुलाक पुलबजार, बिजनबारी जिल्ला - दार्जिलिङ पश्चिम बङ्गाल ।

१३. श्री एनपीएस निरौला 'रटन'

जन्म- १ सितंबर १९५५
कृतिहरू- समय को वक्रपन (उपन्यास), पढ़ेपछिका कुराहरू (पुस्तक परिचर्चा) श्रवणी (नाटक संग्रह), केही व्यक्ति र व्यक्तित्वहरू (व्यक्ति परिचय), पाठानुभूति (परिचर्चा), यात्रानुभूति (यात्रा संस्मरण), पत्र-पत्रिका।
सम्मान- गोर्खा जन पुस्तकालय, खरसाड, जागृति परिवार, नमस्ते साहित्य परिषद, दुलियाजान कला साहित्य मंच।
पुरस्कार- अखिल भारतीय नाट्य लेखन प्रतियोगिता (एआईआर) दिल्ली।
निवास- गंगटोक (सिक्किम)

१४. श्रीमती सावित्री प्रधान

जन्म २९ नवंबर १९६८
विवाह- श्री एनपीएस निरौला से विवाहित
सेवाएं- लोकभवन (राजभवन) में कार्यरत।
रुचियां- गद्य, पद्य में समसामयिक विषयों पर लेखन।
विशेष- गृहकार्य में निपुण। साहित्यिक व सामाजिक संगठनों के क्रियाकलापों में अनवरत सहयोग व भागीदारी।
निवास- गंगटोक (सिक्किम)

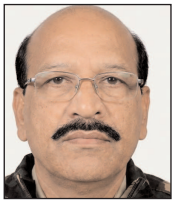

१५. श्री रमेश चंद्र चंसौरिया

जन्म- २७ अप्रैल, ग्राम धरोन, जनपद- कवरई (महोबा) उप्र।
शिक्षा- स्नातक (विज्ञान व गणित)
सेवाएं- सन १९६९-७० में पुलिस अधिकारी के रूप में पदस्थापना। तदनंतर भोपाल स्थानांतरित। पदोन्नतियां सुबेदार, रक्षित निरीक्षक से उप पुलिस अधीक्षक (प्रथम श्रेणी पुलिस अधिकारी)। रूचियां- १९८० से निरंतर लेखन।
प्रकाशन-'काव्य दर्पण' (काव्य संग्रह) वर्ष २०२५ में प्रकाशित
संपर्क- ३४, रायल भगवान एस्टेट, गेहूंखेड़ा, कोलार मार्ग, भोपाल- ४६२०४२

१६. श्री केशव चरण दुबे

जन्म-२२ अगस्त १९४८, ग्वालियर
शिक्षा- स्नातक (गणित),
सेवाएं- महालेखाकार कार्यालय म.प्र में लेखा अधिकारी पद से सेवानिवृत्त। पीएनटी आडिट, हाऊसिंग बोर्ड, इरिगेशन डिपार्टमेंट और प्रधानमंत्री सड़क योजना में डेप्यूटेशन पर लेखाधिकारी के पद पर कार्य किया ।
पता- ७४, शिवा रायल पार्क फेस- वन सलैया, भोपाल
पिन- ४६२०४७

१७. श्रीमती उषा सक्सेना

जन्म: ३० अगस्त, १९४५ छतरपुर, माता: श्रीमती राजा बेटी, पिता: श्री राम नारायण लाल सक्सेना (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी), पति: श्री घनश्याम दास, शिक्षा: स्नातकोत्तर (राजनीति शास्त्र एवं संस्कृत)
अनुभव: भू.पू. सहायक प्राध्यापक, बैकुंठपुर (सरगुजा)
प्रकाशन- उपन्यास 'खजुराहों के कलातीर्थ' सहित आठ पुस्तकें
संप्रति (निवास)- मुंबई

१८. श्री श्रीनिवासन अय्यर

जन्म- वर्ष १९५४। कहने को दाक्षिणात्य मगर बाल्यकाल में लेकर अब तक राजस्थान की भूमि ने अकेलेपन में माँ का प्रा उत्पंग दिया।
शिक्षा- एम.ए. संस्कृत व चित्रकला, एम.फिल., पी एच.डी. की उपाधि। विशेष- दो दशकों से कविता कोलाज की एक स्वतःस्फूर्त विधा में अनवरतरूप से प्रयोगरत। प्रकाशन- करीब ५० से अधिक पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाओं का आवरण अभिकल्पन। कला प्रदर्शनियों में कृतियां प्रदर्शित। प्रसारण- दो दशकों से आकाशवाणी उदयपुर से । सम्प्रति- अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय, उदयपुर।

१९. श्री सुरेश सोनपुरे 'अजनबी'

जन्म-१२ अगस्त १९६२, पिता- स्व. श्री सुन्दरलाल
शिक्षा- बी.एस.सी. (प्रथम), आई.टी.आई., वैद्य विशारद, डिजिटल फोटो एडीटिंग, डिप्लोमा इन फोटोग्राफी
व्यवसाय- सेनि अधिकारी (प्रचार एवं जन सम्पर्क) भेल, भोपाल
प्रकाशन- अग्निपथ विशाला, रसोपासना, पीढ़ियों के द्वन्द, भेल भारती, कैलाश चन्द्र पंत अभिनन्दन स्मारिका, प्रयास, कर्मनिष्ठा, पर्यवेक्षिका, गृह मंत्रालय भारत सरकार की पत्रिका राजभाषा भारती में रचनाओं का प्रकाशन। कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित।
स्थाई पता- २७ रविदास नगर, नरेला शंकरी भोपाल ४६२०२२

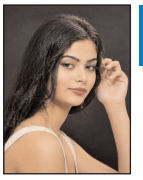

२०. सुश्री कवीशा वर्मा

जन्म- २८ जून २००५, बरेली (उत्तरप्रदेश)
शिक्षा- कला स्नातक (प्रोग्राम), रुचियां- नृत्य, कला, लेखन, सामाजिक कार्य, फैशन, मॉडलिंग, पशु प्रेम आदि, पुस्तकें प्रकाशित - मेटानोइया (जिगर की यात्रा), अनाम कारा और वाबी-साबी ड्रीम्स। विशेष- २०२२ में मिस इंडिया यूनिवर्स (ग्लेन गाइडेंस, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र)
भावी योजना- आवारा पशुओं के लिए संरक्षण गृह निर्माण हेतु गैर लाभकारी संस्थान की स्थापना, संप्रति- काशीपुर (उत्तराखंड)
इंस्ट्राग्राम- the-wabisabi-writer-

२१. श्री निशांत शुक्ला

जन्म-१ सितंबर १९८९, माता व पिता-श्रीमती सुमन शुक्ला, श्री अश्वनी कुमार शुक्ल
शिक्षा -स्नातक, लेखन विधा- गद्य व पद्य में विभिन्न विधाओं में लेखन। सेवाएं- उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजलेंस मुख्यालय), उ.प्र.पु. में मुख्य आरक्षी। गणतंत्र दिवस पर रजत सम्मान व प्रशंसा चिन्ह। विशेष- संस्कृति विभाग में पंजीकृत विभिन्न मंचों व गोष्ठियों में काव्य पाठ सहित पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित, सम्मान - अनेकों संस्थाओं द्वारा सम्मानित, निवास- १५० बी ब्लॉक पनकी, कानपुर २०८०२०

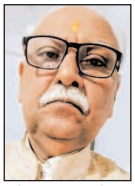

२२. डॉ. जय प्रकाश तिवारी

जन्म-१ जनवरी१९६१ स्थान- भरसर (बलिया)। सेवाएं/अनुभव- से.नि. पुलिस दूरसंचार विभाग, शिक्षा- स्नातकोत्तर (हिंदी और दर्शन शास्त्र), पीएच. डी.। शोध अध्येता संस्कृति विभाग, विश्व दार्शनिक अधिवेशन, नई दिल्ली में सहभागिता। रुचि- साहित्य, दर्शन समीक्षा, परिचर्चा एवं काव्य सृजन। प्रकाशन/संपादन- अजेय यशोधरा (महाकाव्य (२०२१), नारी बनाम नारी (विमर्श २०२२) प्रकाशित। संपादन -जय वेदांत (दार्शनिक २०२३)। दो दर्जन साहित्यिक पुस्तकों की समीक्षा,पता- ए ५, गायत्री नगर लखनऊ

२३. श्रीमती शोभना खरे

स्नातकोत्तर-संगीत, शिक्षा स्नातक
वृत्ति- से.नि. प्राचार्य, देवहरा शासकीय महाविद्यालय, अनूपपुर (शहडोल)
साहित्यिक गतिवधि- कहानियों व कविताओं का सृजन/प्रकाशन, आकाशवाणी भोपाल व शहडोल से समय-समय पर प्रसारण, विशेष-हास्य व्यंग्य रचनाओं का लेखन, हिंदी व बुंदेलखंडी भाषाओं में सृजन व प्रकाशन।
संप्रति/निवास-भोपाल

२४. श्री अमर गोस्वामी

जन्म- १७ नवंबर १९७२, प्रकाशित पुस्तकें- घनी छाँव में पथिक, व्रजाचार्य गोस्वामी श्री सनत्कुमारजी अखंड जीवनवृत, ग्यारह साझा काव्य संग्रहों में सह रचनाकार, सम्मान - भारतीय गौरव सम्मान, लखनऊ, रुहानी कलम सम्मान, मुंबई। सामाजिक गतिविधियां - भारत विकास परिषद, अभा ग्राहक पंचायत सहित अनेक साहित्यिक सामाजिक संस्थाओं से संबंधत्ता, मंत्रालयिक संवर्ग में उच्च शिक्षा विभाग के जिला अध्यक्ष, अभा साहित्य परिषद में लोक साहित्य प्रमुख। व्यवसाय -प्रशासनिक अधिकारी, राजकीय महाविद्यालय, धौलपुर (राजस्थान)

२५. डॉ. दिलीप जैन

पिता- स्व. ताराचंद जैन
स्वतंत्रता संग्राम सैनानी
पद- शासकीय शिक्षक
रूचियां- शिक्षण के साथ रंगकर्म, साहित्य लेखन, काव्य सृजन एवं समाजसेवा, प्रकाशन- देश के प्रमुख समाचार पत्र-पत्रिकाओं में रचनाओं का निरंतर प्रकाशन
निवास- हिमाचल गली, टीकमगढ़

२६. श्री महेंद्र जैन

पिता-स्व श्री कस्तूर चंद जैन, जन्म-एक जुलाई उन्नीस सौ सड़सठ, शिक्षा- स्नातकोत्तर एम एस सी (गणित), पत्रकारिता पाठ्यक्रम, बीईएमएस, कार्यरत संस्थान जिला- ब्यूरो मानद प्रमुख दैनिक निर्दलीय एवं दैनिक लोकमाया, पूर्व कोषाध्यक्ष भारतीय रेड क्रॉस, पूर्व जिला मीडिया सह प्रभारी भाजपा दमोह, पूर्व जिला अध्यक्ष मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ दमोह। सम्मान- राष्ट्रीय गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता शिखर सम्मान २०२४, राष्ट्रीय बाल कवि बैरागी बहुमुखी प्रतिभा शिखर सम्मान २०२५, प्रचार मंत्री श्री दिगंबर जैन धर्मार्थ औषधालय कमेटी एवं अन्य कई संस्थाओं में पदाधिकारी
पता- बी ४, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सिविल वार्ड ७ दमोह

२७. श्री शशि कांत गुप्ते

जन्म- २१ जून १९५१
शिक्षा मैट्रिक तक
रुचियां- व्यंग्य,कविता,लघुकथा,कहानी और वैचारिक लेख। अंधश्रद्धा के विरुद्ध निरंतर वैचारिक क्रांति में सक्रिय।
प्रकाशन-एक पुस्तक 'शब्दों के शहतीर' (२०१९) । एक पुस्तक प्रकाशनाधीन। प्रमुख समाचार पत्रों में व्यंग्यालेखों का सतत प्रकाशन
सम्मान- निर्दलीय प्रकाशन द्वारा राष्ट्रीय रामधारी सिंह दिनकर शिखर सम्मान २०२२
पता- १०१ गोल्डन पैलेस, ३९९/४०० गोयल नगर इंदौर ४५२०१८

२८. इं. देवेंद्र सिंह राजपूत पटेल

जन्म- ७ फरवरी १९६९, पिता- श्री मंगलसिंह
उपनाम- तालिब भोपाली
शिक्षा- स्नातक (सिविल इंजीनियर)
रुचियां- गद्य, पद्य में लेखन, विशेष-सामाजिक अभिरूचि
प्रकाशन- अमर उजाला के ऑनलाइन पोर्टल पर तीन दर्जन से अधिक रचनाएं प्रकाशित।
संप्रति-दैनिक निर्दलीय में रचनाओं का प्रकाशन।
पता-एम ३७६, न्यू सुभाष नगर, भोपाल ४६२०२३

२९. पं. महेश दत्त त्रिपाठी

(शिक्षाविद, साहित्यकार, पत्रकार, समाजसेवी)
जन्म- ३० जून १९६०, पिता- स्व. आचार्य पं. जगन्नाथ प्रसाद त्रिपाठी शिक्षा-बी. एस. सी, स्नातकोत्तर (शिक्षा, हिंदी एवं समाजशास्त्र), आयुर्वेदरत्न,
सेवाएं - प्राचार्य पद से सेवानिवृत
अभिरुचि - धर्म, अध्यात्म, समाजसेवा, पर्यावरण, मानवाधिकार संरक्षण, जीवदया, साहित्यतृबन, बालसभाएँ। प्रकाशित काव्य ग्रंथ (सोधी माटी) प्रसारण-आकाशवाणी सागर से ।
निवास -५८/२५ रामपुरा वार्ड (छत्रसाल अखाड़ा के पास) सागर

३०. श्री राज कांत मेहता

जन्म- ६ नवंबर, १९५६
पिता- स्व. पं. गोवर्धन दास मेहता (वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार, माता- स्व. श्रीमती पार्वती देवी
पत्नि- श्रीमती शिवराज मेहता, शिक्षा- स्नातकोत्तर (दर्शनशास्त्र)
व्यवसाय- से.नि. अनुभाग अधिकारी, राज्य मंत्रालय भोपाल
अभिरूचि- पठन-पाठन, काव्य सृजन,लेखन, पुस्तक समीक्षा
प्रकाशन- समचार पत्र-पत्रिकाओं में सामाजिक(धार्मिक एवं अन्य विषयों पर) लेखों का प्रकाशन, समाज सेवा
पता- ३/बी-१ सहारा स्टेट, भोजपुर मार्ग, भोपाल - ४६२०४७

३१. श्री दीन दयाल तिवारी 'बेताल'

जन्म- १२ जुलाई १९४८ कुडोला (टीकमगढ़)
पिता- स्व. श्री आबूलाल, माता- स्व. श्रीमती रामरती तिवारी, पत्नी- श्रीमती सुशीला तिवारी
शिक्षा- स्नातक (कला, शिक्षा)। वृत्ति- से.नि. शिक्षक, सृजन विधा- चौकड़ियाँ, दोहे, कविता (हिन्दी व बुन्देली), कहानी, नाटक, उपन्यास, संस्मरण, समीक्षा, मुक्तक आदि। प्रकाशित- बेटा दूध करूला करियाँ सहित सात पुस्तकें।
पता- ग्राम पो. कुँहँड़ी, जिला ललितपुर (उ.प्र.)

३२. श्री अशोक कुमार गर्ग

जन्म-१२ फरवरी १९५५ सेंधवा
शिक्षा- डिप्लोमा इन मेकेनिकल इन्जीनियरिंग
रूचि- ड्राइंग, पेन्टिंग, स्केचिंग, कार्टूनिंग, वरली आर्ट, पेन्सिल आर्ट, गीत, गजल आदि।
विशेष- माइक्रो आर्ट (लिम्का बुक इन बुक आफ रेकार्डस, इन्डिया ऑफ रेकार्डस, गोल्डन बुक रेकाईस में नाम प्रकाशित पुस्तकें- तेरे आने से (हायकू), बाजे बाँसुरिया (भजन) है फिर याद आ गए (गजल संग्रह), पता -ए ३०२, रिद्धि-सिद्धी अर्पाटमेन्ट, टेलिफोन नगर इन्दौर

३३. श्रीमती सरोज दवे

पति -श्री शिव प्रसाद दवे शुजालपुर, जिला शाजापुर
शिक्षाः एम.ए. (हिन्दी, समाज शास्त्र, शिक्षा)
कार्यानुभव- सन् १९९३ से २०१३ तक सरस्वती शिशु मंदिर, उ. मा. विद्यालय, कोटरा सुल्तानाबाद, भोपाल, में शिक्षक (व्याख्याता) के पद पर कार्य किया। विद्यालय पत्रिका 'प्रेरणा' का सम्पादन, विद्यालय की हस्तलिखित पत्रिका का सम्पादन, प्रकाशन- फूलों से मित्रता (बाल कहानी संग्रह) २०२५, सम्मान- उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार
पताः २१ ऋषि नगर, बावड़ियां कला, भोपाल, म.प्र.

३४. श्रीमती कमल चंद्रा

जन्म- १५ अक्टूबर, ग्वालियर म. प्र.
शिक्षा - स्नात्तकोत्तर (समाजशास्त्र, हिंदी साहित्य, राजनीति शास्त्र) स्नातक- शिक्षा, डिप्लोमा- पत्रकारिता, रुचियां-कहानी लेखन, व्यवसाय - शिक्षण, आकाशवाणी, ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल से २०० से अधिक वार्ताएँ, समूह चर्चाएं, कार्यक्रम संचालन।
अध्यक्ष - राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, मप्र इकाई।
पता- २७७ रोहित नगर, फेज १ बावड़िया कलां, भोपाल ३९

३५. डॉ. सिया शरण ज्योतिषी

रूचियां- लोक गायक के रूप में आकाशवाणी, दूरदर्शन से प्रसारण,साहित्य, संगीत
कला आदि में अभिरूचि, विशेष- कई रचनात्मक संस्थाओं से संबद्ध, शिक्षाविद एवं कलाधर्मी प्रखर वक्ता के रूप में चर्चित व्यक्तित्व। वृत्ति- सहायक प्राध्यापक, महाविद्यालय मंडला हिंदी विभाग, रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
निवास- मंडला

३६. सुश्री माधुरी व्यास 'नवपमा'

शैक्षणिक योग्यता - डी.एड.,बी. एड., एम. ए.(हिन्दी साहित्य), एम.फिल. (इतिहास)
प्रकाशन- एक काव्य संग्रह चाँद की गवाही एवं एक पाती नाम तुम्हारे पत्र संग्रह प्रकाशित। विभिन्न मासिक व त्रैमासिक साहित्यिक पत्रिकाओं के साथ देश के प्रमुख समाचार पत्र-पत्रिकाओं में लगातार प्रकाशन। 'अनुभूति' काव्यसंग्रह का प्रकाशन
सम्मान-चोइथराम ह्यूमेनीटेरियन ट्रस्ट इंदौर द्वारा श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान, डॉक्टर एस.एन.तिवारी स्मृति सम्मान, साहित्य अकादमी मप्र से एक पाती नाम तुम्हारे पुस्तक पर हरिकृष्ण देवसरे बालसाहित्य सम्मान २०२३
सम्प्रति - व्याख्याता (हिन्दी), चोइथराम फाउंटेन हायर सेकंडरी स्कूल, श्रीराम तलावली, धार रोड़, इन्दौर (म.प्र.)

३७. डॉ. मीनू पांडे 'नयन'

प्रतिष्ठित लेखिका, कवयित्री और शिक्षाविद् हैं। साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। शिक्षा- हिंदी साहित्य में उच्च शिक्षा (पीएचडी) प्राप्त की है। पेशा-वह अध्यापन के क्षेत्र से जुड़ी रही हैं और वर्तमान में भोपाल के एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय में हिंदी विभाग में अपनी सेवाएँ दे रही हैं।
विशेष- अपनी मर्मस्पर्शी कविताओं और लेखों के लिए जानी जाती हैं। उनकी रचनाओं में अक्सर मानवीय संवेदनाएं, नारी चेतना और सामाजिक मुद्दे प्रमुखता से उभरते हैं। निवास-भोपाल

३८. श्रीमती सुधा दुबे

शिक्षा - स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र, हिन्दी, शिक्षा। प्रकाशन- बाल कविता संग्रह, बाल कहानी संग्रह एवं अस्तित्व लघुकथा संग्रह प्रकाशित।
सम्मान/पुरस्कार- बाल साहित्य शोध केंद्र द्वारा प्रथम कृति बाल साहित्य पुरस्कृत, साहित्य समीर संस्था में शब्द गुंजन पुरस्कार, शिक्षक संदर्भ समूह द्वारा उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान सहित कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित व पुरस्कृत।
पता- १६ सुरुचि नगर, कोटरा मार्ग, भोपाल ४६२००३

३९. श्रीमती मंजूला श्रीवास्तव

शिक्षा - मुंबई विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक.
साहित्यिक योगदान - कई सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करती हुई कविताएँ। सामाजिक , पारिवारिक और राष्ट्रीय उद्देश्यों का ध्यान रखते हुई कविता, शायरी, और भजन लिखना मेरी लेखनी की प्राथमिकता होती है।
उपलब्धियाँ - प्रत्येक कविता किसी ना किसी समाचार पत्र, वार्षिक अर्धवार्षिक पत्रिका और न्यूज वेब पोर्टल पर प्रकाशित कई कविताएं निर्दलीय प्रकाशन की ओर से प्रकाशित, सांझा काव्य संग्रह 'रिश्तों की महक' में स्थान मिला। निवास-नई दिल्ली

४०. श्रीमती मेधा अग्रवाल

जन्म- आमगाँव (गोंदिया) में १९७८
समकालीन हिंदी साहित्य और समाज सेवा का एक प्रतिष्ठित नाम हैं। नागपुर निवासी मेघा जी ने अपने साहित्यिक सफर का औपचारिक प्रारंभ २०२३ में किया, जिसके बाद अल्प समय में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। प्रकाशन- कविता संग्रह सुनहरे पत्ते (२०२४), रचनाएँ नवभारत, दैनिक भास्कर और मेरी सहेली जैसी प्रमुख पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित। पाठकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय है। निवास-नागपुर

४१. श्रीमती मनोरमा श्रीवास्तव

जन्म - १९५८ उज्जैन, शिक्षा- स्नातक (जीवविज्ञान) स्नातकोत्तर (समाजशास्त्र) कन्या महाविद्यालय रविशंकर, रायपुर विश्वविद्यालय, पेशा- से.नि. प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक, विशेष- ९ उपन्यास प्रकाशित, ३०० से अधिक कविताओं का सृजन। सातवां आसमान पाक्षिक पत्रिका की संपादक, जागरूक नागरिक वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष, भोपाल दूरदर्शन द्वारा बनाई गई टैलीफिल्म मधुलिका की कहानीकार। निवास-भोपाल

४२. श्री मुन्नालाल मिश्रा

दूरदर्शन भोपाल के स्थापित कलाकार, साहित्य संगीत नाट्य क्षेत्र में बुंदेली के नामचीन व्यक्तित्व।
अनुभव: राष्ट्रीय संगोष्ठियों में देश के प्रबुद्ध साहित्यकारों सर्वश्री अशोक वक्त, डॉ कमला प्रसाद, भगवत रावत, हरिशंकर परसाई, हरी नारायण व्यास,नामवर सिंह जैसे प्रखर विद्वानों के बीच मंच साझा कर चुके हैं। राष्ट्रीय स्तर के संगीत के आयोजन का संयोजन ,संचालन करने में महत्वपूर्ण योगदान है। ध्रुपद धमार के पद्म श्री कलाकार गुदेचा बंधु की प्रस्तुति/ आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सेवानिवृत्त कार्यालय अधीक्षक, जिला पंचायत टीकमगढ़। संप्रति-पत्रकार

४३. डॉ. मीना कुमारी परिहार

उपनाम: मान्या, जन्म: १३ अक्टूबर
माता-पिता: स्व.पार्वती देवी,डॉ. केदारनाथ लाल
शिक्षा- एम.ए., बीएड, पीएचडी,डी .लिट
पेशा- वरिष्ठ शिक्षिका, श्री दरोगा प्रसाद राय उमा विद्यालय, पटना। रुचि- शिक्षा, समाजकार्य एवं साहित्य सेवा। प्रकाशन- ५ एकल पुस्तकें, १५१ साझा संग्रहों में रचनाएं प्रकाशित। पत्र-पत्रिकाओं में रचनाओं का नियमित प्रकाशन। आकाशवाणी एवं दूरदर्शन से प्रसारण। अनेक सम्मानों से विभूषित। निवास-पटना

४४. श्री चंद्रप्रकाश गुरु

शिक्षा: स्नोतकोत्तर (हिंदी), बीएड, सीटीईटी, आरटीईटी, यूपीटीईटी
अनुभव: १४ वर्षों से हिंदी शिक्षक, संप्रति: एलके सिंघानिया एजुकेशन सेंटर झालावाड़ में वरिष्ठ शिक्षक।
प्रकाशन: ५० से अधिक कविताएं एवं लेख प्रकाशित।
सम्मान: 'मां का बलिदान' कहानी पर कैपे सोशल मैगजीन एवं इनबुक फाउंडेशन द्वारा १५ हजार रुपए का पुरस्कार एवं २५० संस्थाओं द्वारा सम्मानित। निवास: झालावाड़ (राजस्थान)

कैलाश आदमी
सूत्रधार

निर्दलीय प्रकाशन के वार्षिकोत्सव के सारस्वत सहयोगी

प्रिंस अभिशेख अज्ञानी
निदेशक

पं. रमेशकुमार व्यास शास्त्री
समग्र संयोजक

लीलेंद्र सिंह मारण
व्यवस्थापक

जीवन मारण
सह व्यवस्थापक

विजय कुमार विश्वकर्मा
कोषाध्यक्ष

मनोज चतुर्वेदी
सह कोषाध्यक्ष

गब्बर सिंह मारण
सह कोषाध्यक्ष

मधुबाला पांडेय
सह कोषाध्यक्ष

अंकित मिश्रा

मोहन प्रकाश व्यास

राजकुमारी चौकसे

राजेंद्र शर्मा 'अक्षर'

अशोक निर्मल

आजाद सिंह मारण

कैलाश चंद्र दुबे

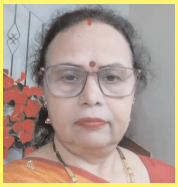

शशि प्रभा शाक्य

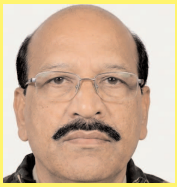

रमेश चंद्र चंसौरिया

शैलेंद्र शैली

कृष्णदेव चतुर्वेदी

राजेंद्र श्रीवास्तव

ऋषि प्रसाद लुईटेल

राजेश व्यास

डॉ. लता स्वरांजलि

डॉ.गया प्रसाद गौर

प्रा. राजेंद्र सिंह नरवरिया

डॉ. प्रभात पांडेय

अरविंद कुमार दुबे

डॉ. विनोद भारद्वाज

अमित दीवान

सरदार चरणजीत सिंह

देवेंद्र थापक

देवेंद्र सिंह राजपूत पटेल

महेंद्र प्रसाद शर्मा

रूप सिंह मारण

उषा प्रारब्ध

साधना शुक्ला

सीमा अग्रवाल

अलका राज अग्रवाल

मो. अजहर सिद्दीकी

अब्दुल मजीद

शुभम तामोट

उमेश तिवारी 'आरोही'

मनोरमा पंत

गोविंद चौरसिया

उदय सोनू

शिव कुमार शिव

धर्मेंद्र कौशल

अशोक व्यग्र

मोहन दीक्षित

पं. रामजीवन दुबे 'गुरुजी'

RAM NIWAS & SONS
SRD STEELS (P) LTD.

SETH RAM NIWAS GUPTA
Chairman

SANJEEV GUPTA
Director

RAJEEV GUPTA
Director

DEEPAK GUPTA
Director

skgc

SHRI KRISHAN GRIT CO.
SKGC MINERALS LTD.

BRANCHES

Delhi • Mumbai • Bhopal • Bhilai • Ludhiana • Faridabad • Ahmedabad
Ghaziabad • Roorkee • Bangalore • Indore • Jaipur • Kanpur (U.P.)

Dr. Sanjeev Gupta (The Winner of)

- Global Business Icon Award - 2018
- Asia One-Global Indian of the Year 2018-19
- India's Greatest Brands 2018-19
- ARCH of Excellence Award
- Winner of National Award in 2021
- Meri Dilli Shresth Shree Sammaan - Nov. 2020
- ISI Mark from Bureau of Indian Standard - Dec. 2020
- Meri Dilli Shresth Shree Sammaan - Aug. 2022

स्वामी-मुद्रक-प्रकाशक-संपादक कैलाश श्रीवास्तव 'आदमी' द्वारा राघव भवन,गली क्र. 6/72 दयालपुर,दिल्ली 110090 से प्रकाशित,निर्दलीय प्रेस,भोपाल से मुद्रित।